{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 09 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 108
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 84,180.96
निफ्टी - 25,876.85
सोना - 1,38,000
चांदी - 2,52,000
डॉलर - 89.90

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भारत के मशहूर इकोलॉजिस्ट और पर्यावरण संरक्षण के अग्रदूत माधव गाडगिल का निधन

नई दिल्ली। भारत के मशहूर इकोलॉजिस्ट और पर्यावरण संरक्षण के अग्रदूत माधव गाडगिल का बुधवार देर रात पुणे में निधन हो गया। वह 83 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, गाडगिल पिछले कुछ समय से बीमार थे और पुणे के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पर्यावरण विज्ञान और पारिस्थितिकी के क्षेत्र में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। माधव गाडगिल को पश्चिमी घाट पर उनके काम के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। यह इलाका वैश्विक जैव विविधता का हॉटस्पॉट माना जाता है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल की अध्यक्षता की थी।

20 अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़ाए

नई दिल्ली। दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया से पहले साउथ ईस्ट जिला पुलिस ने 20 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें 12 पुरुष, 8 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। सभी फर्जी पहचान पत्र बनवा रखे थे। पुलिस अब इनके फर्जी पहचान पत्र बनाने वालों की तलाश कर रही है। इनके बारे में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाकर इन्हें पकड़ा।

11 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 11 कोर्ट परिसर को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद कोर्ट परिसर खाली करा लिए गए हैं। पुलिस की टीमें और डॉग स्क्वाड जांच कर रही है। सभी जगह दहशत का माहौल है। सभी जगह धमकी ई मेल के जरिए मिली है। पंजाब के फिरोजपुर, मोगा, रोपड़ जिला अदालत को भी थ्रेट कॉल आई है। वहीं, हिमाचल हाईकोर्ट को भी धमकी मिली है। इससे वहां दहशत का माहौल बना रहा। पंजाब पुलिस के सूत्रों के मुताबिक जिला एवं सेशन जज की मेल पर यह धमकी आई है।

अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक

लखनऊ। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक पड़ा है। पीजीआई की कार्डियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। लखनऊ लाते समय रास्ते में ही उनको कार्डियक अटैक की शिकायत हुई, जिस पर सीपीआर देते हुए उन्हें सीधे एसजीपीजीआई के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया।

कुछ ना कहना

500% टैरिफ की धमकी...

ट्रंप की नई चाल से हिल गया भारत का शेयर बाजार

-सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे, निवेशकों के 8.11 लाख करोड़ स्वाहा...

-रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग, भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। अमेरिका के इस कदम का असर भारतीय शेयर बाजार में दिखा। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। बीएसई के मार्केट कैप के आधार पर निवेशकों की संपत्ति में पिछले सत्र के 479.94 लाख करोड़ रुपये से 8.11 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 471.82 लाख करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के कारण बाजार सूचकांकों पर दबाव बना रहा।

गौरतलब है कि रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि व्हाइट हाउस में उनकी ट्रम्प से मुलाकात हुई, जिसमें राष्ट्रपति ने बिल को हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। इस बिल का नाम सेंक्शनिंग ऑफ रशिया एक्ट 2025 है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लडने् में मदद मिल रही है।

ट्रंप की टैरिफ चेतावनी और रूसी तेल पर फंसा पेंच

बाजार में घबराहट का एक मुख्य कारण अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी तेल आयात को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा दिया है। अमेरिका एक ऐसे विधेयक पर विचार कर रहा है जो रूसी आयात पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगा सकता है, और इसका इस्तेमाल भारत जैसे देशों के खिलाफ भी किया जा सकता है जो रियायती रूसी तेल खरीद रहे हैं। ट्रंप ने स्पष्ट संकेत दिया है कि यदि भारत ने रूसी तेल आयात पर अमेरिकी चिंताओं को दूर नहीं किया, तो भारतीय सामानों पर उच्च टैरिफ लगाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका पहले ही भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा चुका है।

दिग्गज शेयरों और सेक्टरों में दबाव

बाजार की इस गिरावट की अगुवाई हेवीवेट स्टॉक्स कर रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों में भारी बिकवाली देखी गई है, जो इस सप्ताह 4 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार, इन शेयरों में गिरावट फंडामेंटल कारणों से ज्यादा तकनीकी और सेटलमेंट गतिविधियों से प्रेरित है। सेक्टर के लिहाज से देखें तो मेटल इंडेक्स में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि आईटी इंडेक्स भी पिछले सत्र की बढ़त गंवाकर 1 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। रिटेल दिग्गज ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण दबाव देखा गया।

सेंसेक्स चार दिन में 1600 अंक टूटा

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट आई है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 में लगातार चौथे दिन भी गिरावट जारी रही। सिर्फ 4 दिन के दौरान ही शेयर बाजार से 1600 से ज्यादा अंक टूट गए हैं। वहीं निफ्टी में भी 2 फीसदी तक की गिरावट आई यानी करीब 400 अंक निफ्टी टूटा है। 2 जनवरी को सेंसेक्स 85,762.01 पर बंद हुआ था और 8 जनवरी को सेंसेक्स 84,180 पर क्लोज हुआ यानी करीब 1600 अंकों की गिरावट आई है। इसी तरह, निफ्टी 4 करोबारी दिनों के दौरान 400 अंक गिरकर 25876 पर बंद हुआ है। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 780 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,181 पर आ गया, जबकि एनएसई सेंसेक्स 264 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,877 पर बंद हुआ। बाजार बंद होने के समय बिकवाली का भी दबाव रहा, जिससे बीएसई के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में लगभग 8.1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई।

वेनेजुएला संकट और सुस्त वैश्विक संकेत

वैश्विक मोर्चे पर, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ गई है। इसका सीधा असर कमोडिटी और तेल बाजारों पर पडने् की आशंका है। इसके अलावा, एशियाई बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा, जहां जापान का निक्केई 1.2 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.8 प्रतिशत नीचे गिरा।

घरेलू विकास दर में सुस्ती की आहट

घरेलू मोर्चे पर आर्थिक वृद्धि को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। हालांकि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है, लेकिन रेटिंग एजेंसी इकरा (आईसीआरए) और एमके ग्लोबल का मानना है कि दूसरी छमाही में विकास दर धीमी हो सकती है। अमेरिकी टैरिफ का निर्यात पर प्रभाव और सरकारी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में संभावित कमी इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

निवेशकों के बीच अनिश्चितता की भावना

कोटक सिक्योरिटीज के श्रीकांत चौहान के अनुसार, बाजार अभी नॉन-डायरेक्शनल (दिशाहीन) स्थिति में है। तकनीकी रूप से बाजार में 26,050/84,600 के स्तर से नीचे जाने पर बिकवाली का दबाव और बढ़ सकता है। जब तक बाजार प्रमुख प्रतिरोध स्तरों को पार नहीं करता, ट्रेडर्स के लिए सतर्क रहना ही बेहतर रणनीति होगी।

एसीबी ने जांच में आया सामने

राजस्थान में मिड डे मिल योजना में 2000 करोड़ का घोटाला...

जयपुर। राजस्थान में मिड डे मिल योजना में 2000 करोड़ से अधिक के घोटाले का खुलासा हुआ है। कोविड-19 के दौरान स्कूल बंद रहने पर राज्य सरकार ने विद्यार्थियों को पोषण उपलब्ध कराने के लिए कॉनफैड के माध्यम से दाल, तेल, मसाले आदि युक्त कॉम्बो पैकेट्स वितरित किए थे। एफएसएसएआई और एगमार्क मानकों के अनुरूप होने का दावा किया गया, लेकिन योजना के क्रियान्वयन में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने पर एसीबी ने जांच शुरू की।

एसीबी की जांच में पता चला कि कॉनफैड के अधिकारी और योजना से जुड़े अधिकारी आपस में मिलीभगत कर नियमों में बदलाव करते रहे। इसके तहत पात्र फर्मों को टेंडर प्रक्रिया से बाहर किया और चहेती फर्मों को अनुचित लाभ पहुँचाकर टेंडर दे दिए गए है। इन फर्मों ने आगे अन्य संस्थाओं को अवैध रूप से सबलैट किया और फर्जी आपूर्तिकर्ताओं और ट्रांसपोर्टरों का नेटवर्क तैयार किया। कई मामलों में वास्तविक आपूर्ति किए बिना ही अधिक दरों के फर्जी बिल तैयार कर सरकारी भुगतान लिया है। इस तरह से राजस्थान सरकार को लगभग 2000 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ। जांच एजेंसी एसीबी ने मामले में कॉनफैड के सहायक लेखाधिकारी, प्रबंधक, गोदाम कीपर, सुपरवाइज़र और अन्य अधिकारियों के साथ-साथ तिरुपति सप्लायर्स, जागृत एंटरप्राइजेज, एमटी एंटरप्राइजेज और साई ट्रेडिंग के मालिकों सहित कुल 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की कूटरचना की गहन जांच जारी है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला मिड डे मिल योजना में होने वाले बड़े पैमाने के घोटाले और सरकारी धन के दुरुपयोग को उजागर करता है और यह दर्शाता है कि कैसे महामारी के दौरान भी भ्रष्टाचार का अवसर इस्तेमाल किया गया।

इनके खिलाफ मामला दर्ज

प्रकरण में संलिप्त पाए जाने पर योजना अवधि के दौरान पदस्थापित निम्नलिखित व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध एसीबी में मामला दर्ज किया गया है उक्त प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर योजना की अवधि के दौरान पदस्थापित सांवतराम (सहायक लेखाधिकारी, कॉनफैड), राजेन्द्र (प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति, कॉनफैड), लोकेश कुमार बापना (प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति, कॉनफैड), प्रतिभा सैनी (सहायक प्रबंधक, कॉनफैड), योगेन्द्र शर्मा (प्रबंधक, आयोजना, कॉनफैड), राजेन्द्र सिंह शेखावत (प्रबंधक, कॉनफैड), रामधन बैरवा (गोदाम कीपर, मार्केटिंग अनुभाग, कॉनफैड), दिनेश कुमार शर्मा (सुपरवाइजर, मार्केटिंग अनुभाग, कॉनफैड), कंवलजीत सिंह राणावत, मधुर यादव, त्रिभुवन यादव, सतीश मुलचंद व्यास, दीपक व्यास, रितेश यादव, शैलेश सक्सैना (रीजनल मैनेजर, केन्द्रीय भण्डार), बी.सी. जोशी (डिप्टी मैनेजर, केन्द्रीय भण्डार), चंदन सिंह (सहायक मैनेजर, केन्द्रीय भण्डार) सहित मैसर्स तिरूपति सप्लायर्स, मैसर्स जागृत एंटरप्राइजेज, मैसर्स एमटी इजेज और मैसर्स साई ट्रेडिंग के प्रोपराइटर के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान में प्रकरण दर्ज किया गया है।

कुत्तों पर हुई सुनवाई चूहे, बंदर से लेकर बिल्लियां तक आई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सफाई देकर कहा कि सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का ऑर्डर नहीं दिया है। बल्कि निर्देश यह दिया था कि इन आवारा कुत्तों का इलाज एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) नियमों के अनुसार होगा। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुत्ता उन लोगों को सूंघ सकता है जो या उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा है और वे इसतरह के लोगों पर हमला करते हैं।

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारिया की तीन-जजों की स्पेशल बेंच याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कुत्ते प्रेमियों द्वारा दायर याचिकाएं भी शामिल थीं, जो अपने पहले के आदेशों में बदलाव और निर्देशों का सख्ती से पालन करने की मांग कर रहे थे। जस्टिस मेहता ने कहा, हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनके साथ नियमों के अनुसार व्यवहार करे।

बेंच ने सीनियर एडवोकेट सी यू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई की शुरुआत में, सीनियर वकील गौरव अग्रवाल, जो इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की मदद कर रहे हैं, ने बताया कि चार राज्यों ने इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दायर किए थे।

अपनी दलीलों के दौरान, सिंह ने कहा कि दिल्ली जैसी जगहों पर चूहों का खतरा है और दिल्ली में बंदरों की भी एक अनोखी समस्या है। उन्होंने कहा कि कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी, जिसके गंभीर नतीजे हो सकते है। उन्होंने कहा, जब चूहों की आबादी बढ़ती है, तब हम सभी ने बहुत विनाशकारी नतीजे अनुभव किए हैं। इस मौके पर जस्टिस मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन होते हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें ज्यादा बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए।

सिंह ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों पर सवाल नहीं उठा रहे हैं और बेंच से सिर्फ इस मामले को दोबारा देखने और इसमें बदलाव करने का अनुरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन कुत्तों को भी उसी तरीके से रेगुलेट करे, जो एकमात्र असरदार तरीका साबित हुआ है, जो है नसबंदी, वैक्सीनेशन और उसी इलाके में दुबारा छोड़ना। बेंच ने कहा, हमें बताएं कि हर अस्पताल के कॉरिडोर, वार्ड और मरीजों के बेड के पास कितने कुत्ते घूमने चाहिए?

रेड वाली जगह पर पहुंची ममता..मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा?

पश्चिम बंगाल । प्रवर्तन निदेशालय देश भर में 15 जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। यह तलाशी एक संगठित गिरोह के खिलाफ फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में की जा रही है, जो लोगों को फर्जी नौकरियां देकर ठगी कर रहा था। इसी कड़ी में कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के ऑफिस में ईडी की रेड चल रही थी। तभी वहां पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ...क्या ईडी, अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना है?... यह गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता और मेरे पार्टी के सारे कागजात ले जा रहा है। अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं... चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

दरअसल गुरुवार सुबह ईडी की टीम साल्टलेक के सेक्टर-5 में आईपीएसी के ऑफिस में सर्च कर रही थी। इसी बीच, सेंट्रल एजेंसी की एक और टीम आईपीएसी के हेड प्रतीक जैन के घर पहुंची। प्रतीक जैन 7 लाउडन स्ट्रीट में रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने यह सर्च ऑपरेशन इसलिए शुरू किया ताकि पता लगा सके कि आई-पैक का दिल्ली में हुए वित्तीय फर्जीवाड़े से कोई कनेक्शन है या नहीं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह छापा दिल्ली में कोयला तस्करी मामले में दर्ज एक पुराने केस से जुड़ा है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के सभी 12 निलंबित पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल

मुंबई । महाराष्ट्र में नगर निगम के चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज है। बीएमसी चुनाव से पहले कांग्रेस के सभी 12 निलंबित पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पार्षदों को बीजेपी में शामिल कराया। बीजेपी में इन पार्षदों को शामिल करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने पोस्ट शेयर की। पोस्ट में चव्हाण ने लिखा कि भाजपा परिवार की विकासोन्मुखी और जनहितैषी कार्यशैली से प्रेरित होकर, उबाथा समूह के कल्याण ग्रामीण उप-जिला प्रमुख राहुल भगत ने विकास का कमल अपने कंधों पर उठाया। इस मौके पर भाजपा परिवार में उनका स्वागत किया और उन्होंने भाजपा के भविष्य के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। बीजेपी नेता चव्हाण ने लिखा कि इस मौके पर कल्याण-डोंबिवली नगर निगम की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष और निर्विरोध भाजपा उम्मीदवार दीपेश म्हात्रे, जयेश म्हात्रे, हर्षदताई भोईर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ठाणे जिले में अंबरनाथ नगर परिषद के चुनावों में इन पार्षदों ने बीजेपी के साथ मिलकर अंबरनाथ विकास अघाड़ी (एवीए) नाम से पार्टी बनाई थी। पार्षदों के नई पार्टी बनाने के बाद कांग्रेस ने इन्हें निलंबित किया था। लेकिन अब ये सभी 12 पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

अंबरनाथ नगर परिषद के चुनाव में शिंदे गुट की शिवसेना को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना 27 सीटें जीतकर भी बहुमत के आंकड़े से चार कदम पीछे रह गई। इस चुनाव में बीजेपी ने 14, कांग्रेस ने 12 और एनसीपी ने 4 सीटें जीतीं।

जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से

घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे, ये काम 30 दिन में पूरा होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरुआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था।

महिला सुरक्षा में बेंगलुरु-चेन्नई देश के सबसे बेहतर शहर

125 शहरों को महिलाओं की भागीदारी, सुरक्षा-करियर ग्रोथ के रिपोर्ट

बेंगलुरु। महिलाओं की सुरक्षा के मामले में बेंगलुरु और चेन्नई देश के सबसे बेहतर शहर बने हुए हैं। वर्क प्लेस कल्चर कंसल्टिंग फर्म अवतार ग्रुप की रिपोर्ट टॉप सिटीज फॉर वीमेन इन इंडिया के चौथे संस्करण में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में 125 शहरों को महिलाओं की भागीदारी, सुरक्षा और करियर ग्रोथ के आधार पर रैंक किया गया है। बेंगलुरु ने 53.29 स्कोर के साथ पहला स्थान पाया है। बेंगलुरु ने 53.29 सीआईएस के साथ टॉप पोजिशन बरकरार रखी, क्योंकि यहां करिअर अवसर और इंडस्ट्री सपोर्ट मजबूत है। चेन्नई दूसरे नंबर पर रहा और सेफ्टी, पब्लिक सर्विस, मोबिलिटी, हेल्थ और एजुकेशन जैसे सोशल फैक्टर्स में आगे रहा। पुणे, हैदराबाद और मुंबई टॉप-5 में शामिल रहे। गुरुग्राम ने बड़ी इम्प्रूवमेंट दिखाई और 2024 के मुकाबले रैंकिंग बेहतर की।

शहर में निकाली गई भव्य कार रैली, 12 टीमें लेंगी हिस्सा, विजेता को मिलेगा 1.11 लाख का इनाम

जैन प्रीमियर लीग सीजन-3 का आगाज आज से

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जैन समाज द्वारा आयोजित जैन प्रीमियर लीग (जेपीएल) सीजन-3 का शुभारंभ 9 जनवरी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जैन प्रीमियर लीग आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा 8 जनवरी को नगर में एक भव्य वाहन रैली निकाली गई। यह वाहन रैली स्थानीय उत्कर्ष विद्यालय के खेल मैदान से प्रारंभ हुई, जो अंबेडकर चौक, काली पुतली चौक, मुख्य मार्ग एवं हनुमान चौक से होते हुए पुनः उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में आकर संपन्न हुई। रैली के माध्यम से जैन प्रीमियर लीग सीजन-3 के आयोजन की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई और खेल भावना के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित किया गया। रैली में आयोजन समिति के पदाधिकारी, टीम प्रतिनिधि एवं समाज के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने जैन प्रीमियर लीग को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मैचों का आनंद लेने की अपील की।

जैन प्रीमियर लीग सीजन-3 का शुभारंभ 9 जनवरी से होने जा रहा है। टूर्नामेंट को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। इसी क्रम में 8 जनवरी की शाम जैन प्रीमियर लीग आयोजन समिति द्वारा नगर में एक भव्य कार रैली निकाली गई। यह कार रैली स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक, काली पुतली चौक, मुख्य मार्ग एवं हनुमान चौक से होते हुए पुनः उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आकर संपन्न हुई। रैली को नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में सभी टीमों के ऑनर्स, आयोजन समिति के सदस्य एवं समाज के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। आयोजन समिति के पदाधिकारी श्रेयांश वैद्य ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते वर्ष की सफलता के बाद इस वर्ष भी जैन प्रीमियर लीग का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में किया जा रहा है। टूर्नामेंट का मुकाबला पिछले वर्ष की विजेता टीम द्वारा खेला जाएगा। पहले मैच में पद्मेश पैंथर्स और अर्पण सुपर किंग्स की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन अलग-अलग मुकाबले खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को लगातार रोमांचक क्रिकेट का आनंद मिलेगा।

विजेता को 1.11 लाख, उपविजेता को 55,555 रुपये

आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1 लाख 11 हजार रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 55 हजार 555 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए भी विभिन्न श्रेणियों में विशेष पुरस्कार रखे गए हैं।

लाइव प्रसारण की व्यवस्था

समिति के पदाधिकारी श्रेयांश जैन ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण पद्मेश सिटी केबल के माध्यम से किया जाएगा, जिससे क्रिकेट प्रेमी घर बैठे ही मुकाबलों का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि जैन प्रीमियर लीग की शुरुआत बीते कुछ वर्ष से जैन समाज के युवाओं द्वारा समाज को एकजुट करने और खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आईपीएल की तर्ज पर की गई थी। प्रतियोगिता का यह तीसरा सीजन जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बालाघाट नगर सहित जिले की कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं।

बड़ी संख्या में रहे उपस्थित पदाधिकारी

इस अवसर पर टीम ऑनर्स अक्षय कांकरिया, विशाल बोथरा, प्रतीक चौरड़िया, रोहित सुराना, वर्धमान सेठिया, पद्मेश बागरेचा, गौरव बागरेचा, रवि वैद्य, अर्पित बैध , विजीत जैन, गौरव जैन, समर्पण बोथरा, प्रखर जैन, अमित हीरावत, सजल जैन, आदित्य बोथरा, श्रेय चौरड़िया, वेदांत कोचर, सुकुमार जैन, सम्यक जैन, श्रेयांश वैद्य, दीपक जैन सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य, टीम ऑनर्स, स्पॉन्सर एवं समाज के गणमान्य बंधु उपस्थित रहे।

इन टीमों के बीच होगी भिड़ंत

जेपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता में सकल जैन समाज की डी.आर. राइडर्स बनाम शीतल लक्जुरिया, अरिहंत लायंस बनाम बिग बुल्स इलेवन, पद्मेश पैंथर्स बनाम कलर्स एमपी-50, केशर फ्रॉम जायंट्स एग्रो बनाम वारासिवनी सुराना वारियर्स, राइजिंग अशोका इलेवन बनाम अर्पण सुपर किंग्स तथा जैन राइज़र बनाम सिंघाई शाइनिंग स्टार्स के बीच आपस में मुकाबले होंगे।

जिला स्तरीय राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 में रोमांचक मुकाबलों की श्रृंखला जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के जागपुर घाट स्थित खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 ने पहले ही दिन से खेल प्रेमियों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। 7 जनवरी को प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ, जिसमें पहले दिन खेले गए तीन मुकाबलों में लक्ष्य इलेवन, वीझ्नीर इलेवन एवं कटंगी इलेवन की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की हैं। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 8 जनवरी को भी मैदान पर रोमांच अपने चरम पर रहा। दिन के पहले मुकाबले में कार्तिक इलेवन और विनर्स विक्की आमने-सामने थे, जहां कार्तिक इलेवन की टीम ने संतुलित खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इसके पश्चात लक्ष्य इलेवन और वीनीर इलेवन के बीच खेले गए मुकाबले में लक्ष्य इलेवन ने प्रभावी बल्लेबाजी और सटीक गेंदबाजी के दम पर मैच अपने नाम किया। दिन के अंतिम मुकाबले में खिलेश इलेवन ने एमआर इलेवन को पराजित कर अपनी मजबूत दावेदारी प्रस्तुत की। 8 जनवरी के मुकाबलों के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में योगेश बिसेन एवं जैनेंद्र कटरे की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन के आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ जिले की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करती हैं। जिला राजा भोज क्रिकेट आयोजन समिति, बालाघाट के अध्यक्ष मनोज भैरम ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत 9 जनवरी को भी लीग मुकाबले खेले जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लक्ष्य इलेवन बनाम एमआर इलेवन, वीझ्नीर इलेवन बनाम खिलेश इलेवन तथा कटंगी इलेवन बनाम मधु ड्रीम इलेवन के बीच रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

सिंचाई के लिए दिन में लगातार 10 घण्टे बिजली देने की मांग, आंदोलन की दी चेतावनी

किसान गर्जना ने की अधीक्षक अभियंता से मुलाकात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक दिन पूर्व बैठक का आयोजन कर 16 जनवरी को अभियंता कार्यालय का घेराव करने का एलान करने के दूसरे दिन गुरुवार को किसान गर्जना संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षक अभियंता बालाघाट से मुलाकात की।जिंसमे उन्होंने धान उत्पादक किसानों को 10 घंटे नियमित बिजली उपलब्ध कराने की मांग को लेकर चर्चा कर आगामी रणनीति से अवगत कराया।अभियंता से साथ हुई इस बैठक में किसान गर्जना संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने बालाघाट जिले के धान उत्पादक किसानों की गंभीर समस्याओं को लेकर अधीक्षक अभियंता के समक्ष अपनी बात रखी।जिंसमे बताया गया कि जिले में वर्तमान में किसानों को अनियमित एवं अपर्याप्त विद्युत आपूर्ति मिल रही है, जिसके कारण सिंचाई कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।उन्होंने बताया कि बालाघाट जिला धान उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र है और यहां के अधिकांश किसान कृषि कार्यों के लिए विद्युत आधारित संसाधनों पर निर्भर हैं। समय पर बिजली नहीं मिलने से किसानों की फसल प्रभावित हो रही है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन ने मांग की कि धान उत्पादक किसानों को प्रतिदिन न्यूनतम 10 घंटे नियमित एवं निर्धारित समय पर बिजली उपलब्ध कराई जाए।

रात की जगह दिन में दी जाए सिचाई के लिए बिजली

किसान संगठन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में कई ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में किसानों को रात के समय खेतों में पानी पिलाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो अत्यंत खतरनाक है। बालाघाट जिला वन क्षेत्र से घिरा हुआ है, जहां शेर, चीता, भालू एवं अन्य जंगली जानवरों की सक्रियता बनी रहती है। ऐसे में रात के समय खेतों में जाकर सिंचाई करना किसानों की जान के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि किसानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिन के समय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसान बिना भय के अपने कृषि कार्य कर सकें।

तो आंदोलन ही होगा अंतिम विकल्प- चौधरी

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि बैठक के दौरान अधीक्षक अभियंता द्वारा किसान प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हेतु उच्च अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।हमारे संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो किसान गर्जना संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा।

माइंस कर्मचारी बिस्तर के नीचे मृत अवस्था में पड़ा मिला

चूहा मार के सेवन से मौत की आशंका, जांच जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उकवा में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक माइंस कर्मचारी की लाश उसी के घर में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद की गई। मृतक सुरेंद्र पिता हनस लाल कावरे (उम्र 39 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 4 रोप लाइन उकवा निवासी है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र कावरे उकवा माइंस में कर्मचारी के रूप में कार्यरत था और अपने परिवार के साथ वार्ड नंबर 4 रोप लाइन में निवास करता था। उसके परिवार में पत्नी और तीन छोटी-छोटी बेटियां हैं। बताया गया है कि सुरेंद्र शराब पीने का आदी था तथा उसे शुगर सहित अन्य बीमारियां भी थीं, जिसके चलते पारिवारिक जीवन में तनाव बना रहता था। इसी कारण 25 दिसंबर को उसकी पत्नी अपनी तीनों बेटियों को लेकर मायके बूढ़ी बालाघाट चली गई थी, जिसके बाद सुरेंद्र घर में अकेला रह रहा था।

बताया गया है कि बीते दो दिनों से सुरेंद्र कावरे कही दिखाई नहीं दे रहा था। 6 जनवरी की रात उसके एक रिश्तेदार ने फोन कर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। संदेह होने पर 7 जनवरी की दोपहर उसके रिश्तेदार उकवा स्थित उसके घर पहुंचे। घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला, जबकि पीछे का दरवाजा टिका हुआ था। पीछे से दरवाजा धक्का देकर खोला गया, तो सुरेंद्र कावरे बिस्तर के नीचे मृत अवस्था में पड़ा मिला।

घटना की सूचना मिलते ही उकवा पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक आकाश शर्मा अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की प्रारंभिक जांच की। 8 जनवरी को जिला मुख्यालय से एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम भी उकवा पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतक के पास ही चूहा मार दवाई की एक डिब्बी पड़ी हुई मिली, जिससे प्रथम दृष्टया चूहा मार दवाई के सेवन से मौत की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई के पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जिसे प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। उकवा पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल सुरेंद्र कावरे की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

बंदरझिरिया नाले से अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोसमी के बंदरझरिया समीप नाले में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद की गई।इस अज्ञात व्यक्ति मौके पर शिनाख्त नहीं हो पाई है। ग्रामीण पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जनवरी की शाम 5:30 बजे करीब ग्राम कोसमी के बंदरझिरिया समीप नाले में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश ग्रामीणों ने नाले के पानी में उतारते हुए देखी और ग्रामीण थाना में सूचना दी थी। ग्रामीण पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इस अज्ञात व्यक्ति की लाश नाले से बाहर निकलवाए। लाश नाले के पानी में अधिक दिन की होने से काफी खराब हो चुकी थी और ग्रामीण पुलिस ने स्थानीय कुछ ग्रामीणों से इस व्यक्ति की पहचान करवाई गई ।किंतु ग्रामीणों ने इस व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिये। इसके बाद इस अज्ञात व्यक्ति की लाश जिला अस्पताल लाकर यहां की फ्रीजर में रखवा दिए थे। 8 जनवरी को सुबह नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिह, ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल उपस्थिति में इस अज्ञात व्यक्ति की लाश का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि एक-दो दिन पहले यह व्यक्ति शराब के नशे में बंदरझिरिया नाले तरफ आया और लघु शंका के दौरान नाले में फिसल गया और उसकी नाले में डूबने से मौत हो गई।ग्रामीण पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर इस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त हेतु उसके वारसानो की तलाश कर रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अंतिम दिन प्रकृति कला और संगीत का दिखा अदभुत तालमेल

निकेतन में आयोजित आदिवासी लोक नृत्य समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सौरभ ग्रामीण विकास शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के तत्वाधान में नूतन कला निकेतन बालाघाट में 4 दिवसीय आदिवासी लोक नृत्य समारोह की अंतिम प्रस्तुति संपन्न हुई जिसमें बुधवार की रात्रि जगराह नृत्य समूह द्वारा करमा, बिहाव, रीना, ददरिया एवं नगाड़ा नृत्य प्रस्तुत किए गए। बताया गया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 4 से 7 जनवरी 2026 तक आदिवासी करमा लोक नृत्य समारोह में 4 अलग अलग दलों ने अपनी प्रस्तुति दी। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया, दर्शकों ने अपने आसपास के इलाकों की अनुष्ठानिक लोक परंपराओं एवं लोक संस्कृति को देखकर भाव विभोर हो गए। जहां एक ओर हमारी धरोहर ओर हमारी संस्कृति थी वहीं दूसरी ओर हमने शहरी परिवेश में रहते हुए उनकी सरलता और प्रकृति के प्रति उनका प्रेम देखा। अंत में आभार प्रकट कर समारोह का समापन किया गया।

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना अंतर्गत बैहर रोड स्थित उकवा के हनुमान चौक में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान शैलेंद्र पिता परसराम उइके वर्ष 35 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 16 उकवा कैंप के रूप में हुई है। घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शैलेंद्र मूल रूप से सिवनी जिले का रहने वाला है और वर्तमान में उकवा में किराए के मकान में रहकर मजदूरी

करता है। उसके परिवार में कोई सदस्य साथ नहीं है। जबकि उसकी मौसी उकवा में निवास करती है।बताया गया है कि 7 जुलाई की सुबह शैलेंद्र साइकिल से काम पर एरो प्लांट गया था। शाम करीब 6 बजे वह साइकिल से घर लौटा और साइकिल घर मे खड़ी करने के बाद चाय पीने के लिए पैदल हनुमान चौक स्थित होटल जा रहा था। इसी दौरान बैहर रोड की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने पीछे से उसे टक्कर मार दी, जिससे वह मौके पर ही गिरकर घायल हो गया।दुर्घटना के बाद कार सवारों ने ही घायल शैलेंद्र को उकवा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।फिलहाल इस मामले की जांच उकवा पुलिस द्वारा की जा रही है।

सरकारी चांवल से भरे तीन ट्रक रात में खैरलांजी थाने में खड़े करवाये गये, सुबह बिना कार्यवाही छोड़ दिया गया

नैतरा एफसीआई गोदाम से छिंदवाड़ा बोरगांव एथेनाल प्लांट निकले चार ट्रकों के गड़बड़झाले की दास्तान

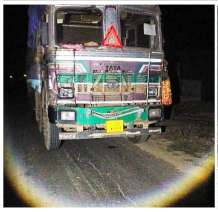

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

भारतीय खाद्य आपुर्ति निगम द्वारा अधिकृत गोंदाम नैतरा से गत रात्रि बोरगॉव छिंदवाड़ा ए.के.जे एथेनॉल प्लांट के लिए निकले चार ट्रकों मे से तीन ट्रको कोखैरलांजी पुलिस ने मुखबिर सूचना तंत्र के माध्यम से पकड़ा और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तीनों ट्रकों को थाने मे खड़ा करवा दिया गया है लेकिन सुबह होते ही जब एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल कार्यवाही के लिए खैरलांजी पहूँचे तो उनके द्वारा बिना कार्यवाही कर ट्रकों को जाने दिया गया. अब यह सवाल खड़ा हो रहा है, क्या जिले के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को इस पूरे मामले किसी भी प्रकार की काई खामी दिखाई नही दी जिससे की उन्होने गाड़ी छोडने का आदेश दे दिया।

जबकि विदित हो प्राप्त जानकारी के अनुसार चारों ही ट्रक एफसीआई गोदाम द्वारा अधिकृत नैतरा के शासकीय गोदाम सें मंगलवार की रात्रि में करीब शाम 7 बजे 60 से 70 टन शासकीय चावल भरकर रवाना हूए. एक ट्रक नेवरगॉव से होते हूए रजेगॉव निकल गया तो वही तीनों अन्य ट्रक वारासिवनी मार्ग से होते हूए खैरलांजी पहूँच मार्ग से महाराष्ट्र सीमा मे प्रवेश करने के लिए खैरी मार्ग की ओर चले गए।

फॉलोअप विशेष रिपोर्ट

इन चारों ही ट्रकों को दक्षिण पूर्वी क्षेत्र बालाघाट से दक्षिणी पश्चिम के बोरगॉव छिंदवाड़ा रवाना होना का पर्ची लेकर तीनो ही ट्रक उत्तर पूर्वी की ओर रवाना हूए, मंगलवार रात्रि गश्त के दौरान खैरलांजी पुलिस को सूचना मिलने पर चावल से भरे तीनो ही ट्रकों को खैरी के पास रोका गया और दस्तावेज दिखाने कहा गया , दस्तावेजों मे अनिमियता पाने पर पुलिस द्वारा तत्काल कलेक्टर , एसडीएम व थाना प्रभारी को सूचनार्थ किया गया , सूचनार्थ उपरांत अधिकारियों के आदेश पर तीनों ही ट्रकों को खैरलांजी थाने मे खड़ा करवा दिया गया है।

उचित कार्यवाही नही होने पर यह पूरा मामला कई सवालों के दायरे में है कि आखिर जब एफसीआई गोदाम नैतरा से आरो छिंदवाड़ा ए.के.जे कंपनी के नाम से कटा तो ड्रायवरों ने छिंदवाड़ा बोरगॉव मार्ग जाने के लिए महाराष्ट्र गोंदिया का उल्टा रास्ता ही क्यो चुना ? जबकि लालबर्रा नैतरा से छिंदवाड़ा मार्ग जाने के लिए निकले ट्रकों अगर सीधे रास्ते से निकलते तो सिवनी होकर करीब 180 किलोमीटर का रास्ता ही तय करना होता लेकिन उन्होने सीधे रास्ते को नही चुना और 100 किलोमीटर अतिरिक्त जाकर बोरगॉव छिंदवाड़ा पहुँचाने की बात मीडिया से कही जिससे की माल की लागत मे अतिरिक्त भाडा और माल को हेराफेरी करने का संदेह पैदा होता है।

साथ ही यह प्रश्न भी खड़ा हो रहा है कि भारत सरकार द्वारा एथेनॉल कंपनी से जो शासकीय चावल को खरीदने का जो करार किया गया है उसके विपरित अगर चावल की हेराफेरी होती है तो उसकी निगरानी का जिम्मा किसे दिया गया है।

विदित हो कि शासकीय चावल की अफरा – तफरी का यह खेल लम्बे अर्सो से बालाघाट जिले मे कायम है, लेकिन जिले के प्रशासनिक तंत्रो की कमजोरी की वजह से इस पर लगाम लग पाना मुश्किल होता जा रहा है, जहां दलाल बडे ही आसान तरीके से इस खेल को प्रशासन की नाक के नीचे से अंजाम दे देते है।इस वारदात से तो यही निष्कर्ष निकलता दिखा।

हॉकी सेमीफाइनल में गोल को लेकर हुआ जमकर विवाद

भोपाल की महिला खिलाड़ियों ने मचाया हंगामा, तो दूसरा सेमीफाइनल मैच हुआ रद्द आज फाइनल के पूर्व होगा रद्द हुआ सेमीफाइनल मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वर्गीय दीवान बहादुर एमएम मुलना साहब की स्मृति में आयोजित स्टेट महिला हॉकी टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में उस वक्त विवाद की स्थिति बन गई जब गोल के दौरान निर्णायक के एक निर्णय पर भोपाल टीम की महिला खिलाड़ी नाराज हो गई और और उन्होंने ग्राउंड के भीतर ही जमकर हंगामा मचाया। जहां उन्होंने निर्णायक पर गलत फैसला देने का आरोप लगाते हुए मैच खेलने से इनकार कर दिया और ग्राउंड पर ही बैठ गई।दरअसल नगर के शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में 4 जनवरी से आयोजित हॉकी मध्यप्रदेश महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट का सेमी फाइलन मैच 8 जनवरी गुरुवार को खेला गया। इसमें दोपहर 2:30 बजे से पहला मैच रायसेन बनाम भोपाल के मध्य खेला गया। इसमें रायसेन 3-2 गोल की बढ़त बनाये हुये थे। जिसमें भोपाल के पक्ष में दिये दूसरे गोल को लेकर भी रायसेन के खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई थी। वहीं कुछ देर बाद भोपाल टीम के तीसरे गोल को लेकर मुख्य एम्पायर ने गोल दे दिया। लेकिन रायसेन टीम के खिलाड़ियों द्वारा आपत्ति लेने पर सेकेण्ड एम्पायर द्वारा इसे गोल नहीं होना कहा।जिससे दोनों निर्णायकों के आपस में चर्चा करने के बाद इसे गोल नहीं दिया गया। इससे भोपाल टीम नाराज हो गई जिन्होंने पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए मैच खेलने से मना कर दिया। काफी समझाईश के बाद भी भोपाल टीम नहीं मानी इसके निर्धारित समय बाद टेक्नीकल डेस्क ने रायसेन की टीम के खेल प्रारंभ करते ही मैच का समय समाप्ति का बिगुल बजाते हुये रायसेन को जीत घोषित की। इसके बाद भोपाल की महिला खिलाड़ियों ने जमकर हंगामा मचाया और ग्राउंड के भीतर बैठकर जमकर प्रदर्शन किया। उधर भोपाल और रायसेन के बीच हुए इस मैच में विवाद के कारण

दूसरा सेमीफाइनल नहीं खेला जा सका, जिसे अब शुक्रवार सुबह आयोजित किया जाएगा।

करीब 1 घण्टे तक चला विवाद

बताया गया कि यह पूरा विवाद भोपाल के तीसरे गोल को लेकर था।रायसेन ने दूसरे हाफ में तीन गोल किए थे, जबकि भोपाल दो गोल ही कर सकी थी ।भोपाल का दावा था कि उनके खिलाड़ी की स्टिक से गोल हुआ है और अंपायर ने इसे मान्य भी किया था।लेकिन दूसरे अंपायर ने इस गोल को नकार दिया।क्योंकि यह डी के बाहर से किया गया था।विवाद के बाद भोपाल की टीम काफी देर तक मैदान में डटी रही। कोच के आक्रामक तेवरों के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई।टेक्निकल डेस्क और टूर्नामेंट कमेटी ने अंततः रायसेन के पक्ष में फैसला सुनाया, जिससे रायसेन ने 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

उधर विवाद के चलते रद्द हुआ, दूसरा सेमीफाइनल मैच

उधर रायसेन के पक्ष में मैच का फैसला होने पर विवाद और अधिक बढ़ गया और भोपाल के खिलाड़ी मैदान पर ही डटे रहे।जिन्होंने फैसला बदलने का काफी दवाव बनाया लेकिन निर्णायको ने अपना फैसला नहीं बदला।इसी दौरान आयोजको द्वारा दूसरे सेमीफाइनल की टीम को मैदान पर आमंत्रित किया गया, लेकिन भोपाल की महिला खिलाड़ी मैदान से नही हटी, जो किसी भी कीमत पर मैदान छोड़ने तैयार नहीं थी।जिसके चलते करीब 1 घंटे से अधिक समय तक दूसरा सेमीफाइनल मैच शुरू नही हो सका। जहां शाम अधिक होने के चलते प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच को आयोजकों द्वारा रद्द करना पड़ा।

मप्र हॉकी से करनी पड़ी चर्चा, तब सुलझा विवाद

उधर टूर्नामेंट कमेटी ,टेक्नीकल अधिकारी एवं हॉकी म.प्र के साथ चर्चा के बाद निर्णय लेने की बात पर भोपाल के खिलाड़ी मैदान से बाहर हट गये।हॉकी मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि विजय वर्मा ने बताया कि विवाद को सुलझा लिया गया है और टेक्निकल टीम ने रायसेन को विजयी घोषित किया है। रायसेन अब कल सुबह होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता के साथ फाइनल में खिताबी भिड़ंत करेगी।हालॉकि टेक्नीकल डेस्क व टूर्नामेंट कमेटी द्वारा रायसेन टीम को जीत दे दिया गया है। अब देखा ये जाएंगा कि फाइनल मैच रायसेन व दूसरे सेमी फाइलन मैच के विजेता के बीच खेला जाएगा या इस निर्णय को लेकर और कुछ विवाद सामने आ सकता है। सेमीफाइनल के दौरान हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष विजय वर्मा, नेहरू स्पोटिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य, राजेश सेवईवार, गोपाल धुर्वे, फिरोज खान, वामन उके, सत्यम वर्मा सहित अन्य का सहयोग मिल रहा है।

ई-अटेंडेंस ऐप अचानक ठप, हजारों शिक्षकों में मचा हड़कंप

तकनीकी खामी के चलते पोर्टल उपस्थिति दर्ज नहीं हुई, मैनुअली लगानी पड़ी हाजिरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 8 जनवरी को जिले में शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए उपयोग किए जा रहे ई-अटेंडेंस ऐप ने अचानक काम करना बंद कर दिया। ऐप के ठप होते ही शिक्षक वर्ग में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में शिक्षक आपस में संपर्क कर यह जानने का प्रयास करने लगे कि उनकी उपस्थिति क्यों दर्ज नहीं हो रही है। शिक्षकों ने बताया कि वे सभी निर्धारित लोकेशन पर मौजूद थे, इसके बावजूद पोर्टल के माध्यम से अटेंडेंस नहीं लग पा रही थी। कई शिक्षकों को आशंका हुई कि कहीं तकनीकी समस्या के कारण उन्हें अनुपस्थित तो नहीं मान लिया जाएगा। कुछ समय बाद शिक्षकों को यह जानकारी मिली कि ई-अटेंडेंस ऐप में तकनीकी त्रुटि आ गई है, जिसके कारण पूरे दिन पोर्टल सही तरीके से कार्य नहीं कर पाया। इसके बाद संबंधित अधिकारियों के निर्देश पर सभी शैक्षणिक संस्थानों में मैनुअल उपस्थिति दर्ज की गई।

शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा बीते कुछ महीनों से शिक्षा विभाग में ई-अटेंडेंस प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में निर्धारित लोकेशन पर पहुंचकर हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से मोबाइल से उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। शुरुआती दिनों में इस व्यवस्था का शिक्षक संगठनों द्वारा विरोध भी किया गया था, लेकिन अब जिले में लगभग 95 प्रतिशत शिक्षक नियमित रूप से इसी ऐप के माध्यम से अटेंडेंस लगा रहे हैं। इसी बीच 8 जनवरी को जिलेभर में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जब शिक्षक अपने विद्यालय और निर्धारित लोकेशन पर पहुंचने के बावजूद हमारे शिक्षक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं कर सके। ऐप द्वारा अटेंडेंस न लिए जाने से शिक्षकों में चिंता बढ़ गई और देखते ही देखते यह विषय पूरे जिले में चर्चा का केंद्र बन गया। शिक्षकों ने तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों और विभागीय जिम्मेदारों से संपर्क कर समस्या से अवगत कराया। इसके बाद विभाग की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि हमारे शिक्षक ऐप में तकनीकी त्रुटि आने के कारण 8 जनवरी को ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं हो सकी। स्थिति को स्पष्ट करते हुए शिक्षा विभाग ने सभी विद्यालयों को निर्देश जारी किए कि संबंधित दिन की उपस्थिति मैनुअल रूप से दर्ज की जाए, ताकि किसी भी शिक्षक की उपस्थिति को लेकर भविष्य में कोई समस्या न उत्पन्न हो। शिक्षक वर्ग का कहना है कि ई-अटेंडेंस जैसी डिजिटल व्यवस्था स्वागत योग्य है, लेकिन

बार-बार सामने आ रही तकनीकी खामियों के कारण अनावश्यक तनाव की स्थिति बन जाती है। उन्होंने विभाग से मांग की है कि तकनीकी प्रणाली को और मजबूत किया जाए तथा ऐसी स्थिति में पहले से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

सर्वर हुआ था डाउन

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के कुछ पदाधिकारियों ने मीडिया को जानकारी दी कि हमारे शिक्षक ऐप अचानक काम करना बंद कर गया, जिसके कारण शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज नहीं हो सकी। मामले को लेकर जब शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षक कर्मियों से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि ऐप का सर्वर डाउन होने के कारण यह तकनीकी समस्या उत्पन्न हुई है, जिसकी वजह से अटेंडेंस की प्रक्रिया प्रभावित हुई। कुछ शिक्षक कर्मियों का यह भी कहना है कि संभवतः ऐप में किसी प्रकार का तकनीकी अपडेट, डेवलपमेंट कार्य चल रहा है, इसी कारण यह अस्थायी रूप से बंद हुआ। विभागीय जानकारी के अनुसार यह समस्या केवल एक दिन तक ही रहेंगीं, अगले दिन से ऐप सामान्य रूप से कार्य करने लगेंगा । यह समस्या किसी एक स्कूल या शिक्षक तक सीमित नहीं थी, बल्कि जिलेभर के सभी शिक्षकों को इसका सामना करना पड़ा। हालांकि विभाग ने स्पष्ट किया कि जब तक ऐप के माध्यम से अटेंडेंस नहीं हो पाई, तब तक शिक्षकों की उपस्थिति मैनुअल रूप से दर्ज की गई।

छोटे भाई को नशा सिखाने की रंजिश पर छात्र पर हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मोहगांव में एक व्यक्ति ने छोटे भाई को नाश करने सिखाने की रंजिश को लेकर एक छात्र पर लोहे के पाइप से हमला कर उसे मारपीट कर घायल कर दिया गया ।घायल युवक विशालदास पिता पतिदास कांत 17 वर्ष का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उमेश अहिरवार के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशालदास कांत ग्राम मोहगांव निवासी कक्षा ग्यारहवीं का छात्र है। इसी गांव के रहने वाले उमेश अहिरवार विशाल दास कांत पर अपने छोटे भाई को नशा करने सिखाने का शक करता था । इसी को लेकर वह विशाल दास कांत से रंजिश बनाये हुये था। 7 जनवरी की रात्रि 8:00 बजे विशालदास कांत अपने घर में खाना खाने के बाद मोहल्ले में टहलने के लिए निकला था और वह टहलते डालते अपने गांव के उमेश अहिरवार के घर के सामने पहुंचा ही था कि उस समय उमेश अहिरवार घर के सामने ही खड़ा था ।उमेश अहिरवार ने विशालदास कांत को बोला कि मेरे छोटे भाई विशाल अहिरवार को नशा करना सीखता है यह कहकर उमेश अहिरवार विशालदास कांट को अश्लील गालियां देने लगा। विशाल दास कांत ने उमेश अहिरवार को गाली देने से मना किया। तभी उमेश अहिरवार ने अपने घर से पर्दा लगाने का पाइप निकालकर लाया और विशाल दास कांत मारपीट करने लगा ।पाइप का वार विशाल दास कांत के सिर में लगने से उसका सर फट गया और खून निकलने लगया। मोहल्ले वालों ने बीच बचाव किये ।जिसके बाद उमेश अहिरवार ने अपने छोटे भाई को नशा करने सिखाने ओर विशाल दास कांत को जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद विशाल दास कांत रिपोर्ट करने के लिए अपने पिता पति दास कांत के साथ मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल छात्र विशाल दास कांत का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उमेश अहिरवार ग्राम मोहगांव निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम छोटी कुम्हारी तालाब के पास की गोलाई में तेज रफ्तार पिकअप मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मारकर फरार हो गई। पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दो युवक मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल युवक प्रफुल्ल पिता शंकर लाल उपवंशी 23 वर्ष और संजय पिता महेश मानेश्वर 23 वर्ष दोनों ग्राम धापेवाड़ा थाना बालाघाट निवासी है। घायल दोनों युवक को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार7 जनवरी की शाम 7:00 बजे प्रफुल्ल उपवंशी अपने दोस्त संजय मानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में अपने मामा तेजूलाल का टिफिन छोड़ने के लिए जिला अस्पताल बालाघाट आ रहे थे।ग्राम धापेवा?ा से बालाघाट की ?र आते समय ग्राम बड़ी कुम्हारी के तालाब गोलाई के पास समनापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार कर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार संजय मानेश्वर और प्रफुल्ल उपवंशी दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। परिवार वालों को खबर मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने संजय मानेश्वर का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

दो लोगों ने कीटनाशक का किया सेवन-जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई के सेवन से स्वस्थ दो लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। जिनमे योगेश पिता पुसुलाल बल्के 29 वर्ष ग्राम ओदा थाना भरवेली और सोहन पिता उमन सिंह वरकड़े 35 वर्ष ग्राम गोड़ीटोला थाना लामता निवासी है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेश बल्के खेती मजदूरी करता है। 7 जनवरी को सुबह 10:00 बजे परिवार के लोग काम करने के लिए बाहर चले गए थे। योगेश बल्के अपने घर में था। शाम 5:30 बजे जब योगेश की मां सुकवन बाई घर आई तो योगेश बल्के घर के सामने खड़ा था। जिसके बाद सुकवन बाई और परिवार के लोग अपने घरेलू काम में लग गई। इसके कुछ देर बाद योगेश बल्के घर के पीछे बाड़ी में उल्टी कर रहा था ।पूछने पर उसने कुछ नहीं बताया। जिसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया था। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया। इसी प्रकार सोहन वरकडे गोंडीटोला लामता निवासी मजदूरी करता है। जो पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक तनाव में चल रहा था। 7 जनवरी को 9:00 बजे करीब योगेश वरकडे ने पारिवारिक तनाव में आकर घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया चक्कर आने पर उसने अपनी पत्नी मंजूलता को बताया। इसके बाद योगेश वरकड़े को उसकी पत्नी मंजूलता ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की।

लालबर्रा के बाजार क्षेत्र में दुकानदारों ने बढ़ाई दुकानों की सीमा

सड़क पर अवैध सामग्री एवं पॉलीथिन के बने पंडालों से आवागमन में हो रही परेशानी, कार्यवाही की उठी मांग

रिजनल रिपोर्टर
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सब्जी, किराना, कपड़ा बाजार क्षेत्र में दुकानदारों के द्वारा दुकान की सीमा के बाहर अवैध रूप से सामान फैलाकर रखा जाता है। यानि की दुकानदारों ने अपनी निर्धारित सीमा से बाहर तक दुकानें फैला ली हैं, जिसके कारण बाजार क्षेत्र के अंदर आने वाले क्षेत्रीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कई बार छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित होते रहती है, ऐसी स्थिति में वाद-विवाद की भी स्थिति निर्मित हो रही है। वहीं बाजार क्षेत्र के अंदर सड़क पर दुकाने लगने से सबसे अधिक परेशानी सब्जी मार्केट के पीछे निवासरत लोगों को हो रही है। जबकि लंबे समय से जागरूक नागरिक एवं बाहर से बाजार क्षेत्र में आने वाले लोगों के द्वारा स्थानीय प्रशासन ग्राम पंचायत पांढरवानी एवं जनपद प्रशासन से बाजार क्षेत्र में दुकान की सीमा के बाहर सड़क के ऊपर अवैध रूप से सामान रखने वाले एवं पॉलीथिन का पंडाल लगाने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही कर बेहतर व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं नगरवासियों ने दुकान के सीमा के बाहर अवैध रूप से सामग्री रखने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

दुकान की सीमा के बाहर अवैध रूप से दुकानदार रख रहे सामग्री

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय का बाजार चौक एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है जहां ग्राहकों की भारी भीड़ रहती है। वहीं लालबर्रा बाजार क्षेत्र में संचालित दुकानदारों के द्वारा अपनी दुकान को बड़ा दिखाने के लिए दुकान से बाहर सड़क पर अवैध रूप से सामान फैला दिया जाता है। जिससे सड़क सकरी हो जाती है और ग्राहकों एवं दुर-दराज से बाजार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रीयजनों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई बार जाम की स्थिति भी निर्मित हो जाती है और सकरी स्थान से जब मोटरसाइकिल गुजरते है तो उनसे लोग टकराकर चोटिल भी हो रहे है एवं इसके पूर्व भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। साथ ही लोगों के द्वारा दुकानदारों से कहा जाता है कि दुकान की सीमा में ही सामान रखे तो उनके द्वारा वाद-विवाद की स्थिति निर्मित की जाती है। जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए बाजार क्षेत्र में आने वाले एवं कुछ दुकानदारों ने पांढरवानी पंचायत से दुकान की सीमा के बाहर रोड़ में सामान फैलाकर दुकान संचालित करने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही कर बाजार क्षेत्र में आवागमन की व्यवस्था बनाने की मांग की है। स्थानीयजनों ने बताया कि लालबर्रा बाजार क्षेत्र में दुकानदार दुकान की सीमा के बाहर अवैध रूप से सामग्री रखते है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए स्थानीय प्रशासन से मांग है कि जो दुकानदार अपनी निर्धारित सीमा का उल्लंघन कर रहे है उनके विरूध्द कठोर कार्यवाही कर व्यवस्था बेहतर बनाये ताकि दुर-दराज से सब्जी, किराना, कपड़ा बाजार क्षेत्र के अंदर आने वाले लोगों को हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

निर्धारित सीमा के बाहर दुकान लगाने वाले दुकानदारों पर की जायेगी - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा बाजार क्षेत्र के सब्जी मार्केट, किराना दुकान, कपड़ा दुकान सहित अन्य बाजार क्षेत्र में दुकानदार दुकान की सीमा के बाहर सामग्री फैलाकर रखते है जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पूर्व में भी दुकानदारों को समझाईश दी गई थी कि निर्धारित सीमा के अंदर ही सामग्री रखे लेकिन वे नही मान रहे है। श्री खान ने बताया कि इस समस्या के संबंध में तहसीलदार महोदय को पूर्व में अवगत करवा दिया गया है, जल्द ही तहसीलदार महोदय के साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही कर अवैध रूप से सड़क में सामान रखने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही की जायेगी एवं अच्छी व्यवस्था बनाने का पूरा प्रयास किया जायेगा।

इनका कहना है-

बाजार क्षेत्र में दुकानदार दुकान की सीमा के बाहर अवैध रूप से सामग्री रख रहे है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है तो पंचायत उन पर कार्यवाही करे, अगर हमारी मदद की पंचायत को आवश्यकता पड़ेगी तो पूरा सहयोग किया जायेगा।

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
लालबर्रा।

अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर 15 को - हाजी अनवर यासीन

रक्तदान से जिंदा रहती है इंसानियत, रक्तदान करने की अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। समाज में इंसानियत, भाईचारे और सेवा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा

समिति के बैनर तले आगामी 15 जनवरी को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। चर्चा में रजा मस्जिद अमोली के अध्यक्ष हाजी अनवर यासीन ने बताया कि आज यदि हम स्वस्थ हैं, तो हमारा रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान बन सकता है। रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि इंसानियत को जिंदा रखने का सबसे बड़ा कार्य है। इस उद्देश्य को लेकर सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के द्वारा आगामी 15 जनवरी को लालबर्रा अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। साथ ही इस रक्तदान शिविर में 100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 50 से अधिक लोगों ने स्वें छा से रक्तदान करने की सहमति दे दी है, जिससे आयोजन को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। आगे बताया कि अस्पतालों में रक्त की कमी के कारण कई बार गंभीर मरीजों की जान संकट में पड़ जाती है, ऐसे में यह शिविर कई जिंदगियों के लिए उम्मीद बनेगा इसलिए युवाओं से भी अपील है कि वे रक्तदान करें। रक्तदान जैसे कार्य समाज को जोड़ते हैं और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। यह आयोजन किसी एक समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की मानवता का प्रतीक है और 18 से 60 वर्ष आयु के सभी स्वस्थ व्यक्ति इस शिविर में रक्तदान कर सकते है। वहीं समिति अध्यक्ष सलमान कुरैशी ने बताया कि सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति समाजसेवा को अपना मूल उद्देश्य मानकर निरंतर कार्य कर रही है। रक्तदान शिविर उसी सेवा भाव का हिस्सा है और समिति का प्रयास है कि जरूरतमंद को समय पर मदद मिले। यदि समाज एकजुट होकर आगे आये तो कोई भी मरीज रक्त के अभाव में दम न तोड़े। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील रजा मस्जिद अमोली के अध्यक्ष हाजी अनवर यासीन, आयोजन समिति अध्यक्ष सलमान कुरैशी, सचिव वासित खान, कोषाध्यक्ष मोहसिन अहमद, संयुक्त सचिव मतीन रजा, सदस्य अनीस खान, मोहसिन, खान, जुनैद रिजवी, इमरान कुरैशी सहित अन्य ने की है।

बघोली पंचायत में ग्रामीणों की हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत बघोली में कालेज चलो अभियान के तहत 8 जनवरी को जनप्रतिनिधि, ग्रामीणों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, नरेश सौलखे, नितेश कुमार, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा ग्राम पंचायत बघोली में बैठक कर कॉलेज चलो अभियान अन्तर्गत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही ग्राम के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों को कालेज में प्रवेश करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। जिसमें ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया गया। साथ ही अन्य आवश्यक जानकारियां

प्रदान की गई ताकि विद्यार्थी कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण करने के बाद कालेज में प्रवेश लेकर उ'च शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य बेहतर बना सके। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सदस्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वसहायता समूह की सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर सेवा सप्ताह कार्यक्रम हुआ प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उ'च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 8 जनवरी को रेड रिबन के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान साक्षी वरकड़े बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान सरिता उइके बी.ए. द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान धनत्री गौतम बी.ए. द्वितीय वर्ष इसके अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता में कु. भाग्यश्री मर्सकोले, कु. बबीता भलावे, कु. प्रीति बांते ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संगीता मेश्राम ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से संबंधित विभिन्न जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन रेड रिबन क्लब प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. ऋ षिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, नितेश कुमार, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

वन्य प्राणी एवं पर्यावरण के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

मैं भी बाघ, हम है बदलाव, हम है धरती के दूत थीम पर अनुभूति कार्यक्रम के तहत चिखलाबड्डी जंगल क्षेत्र का विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वन विभाग एवं ईको पर्यटन बोर्ड के निर्देशानुसार मैं भी बाघ, हम है बदलाव, हम है धरती के दुत थीम पर अनुभूति कार्यक्रम के तहत वन्य पर्यावरण का करीब से अनुभव करवाने के लिए वन परिक्षेत्र सामान्य दक्षिण संभाग बालाघाट लालबर्रा के द्वारा बुधवार को शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय बघोली एवं चिचगांव के छात्र-छात्राओं को वन क्षेत्र चिखलाबड़ी जंगल क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान ईको कैम्प अनुभूति के तहत मंगलवार की सुबह 10 बजे 2 बस से दो शासकीय स्कूल के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं वन विभाग के अधिकारी वन परिक्षेत्र वन ग्राम चिखलाबड्डी पहुंचे। जहां ईको अनुभूति केम्प आयोजित किया गया। इस दौरान वन्य जीव प्रेमी, अनुभूति मास्टर ट्रेनर लालबर्रा के ज्ञानचंद शर्मा, अनीस चार्लस एवं वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन एवं वन्यप्राणी दर्शन हेतु वन का भ्रमण करवाया गया। साथ ही वन्य प्राणी व औषधी के बारे में जानकारियां दी गई। जिसके बाद प्रकृति की पाठशाला के माध्यम से वानिकी गतिविधियों की जानकारी तथा पर्यावरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही वन एवं वन्यप्राणी से संबंधित रोचक गतिविधियां एवं रंगोली, पेंटीग, प्रश्न पत्र प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया।

इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लेकर वन्य जीव को करीब से जाना और वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा विभिन्न प्रकार के पक्षियों जैसे चील, उल्लू, किंगफिशर, बाज आदि पक्षियों व बाघ, हिरन, तेंदुआ के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें दूरबीन के माध्यम से दिखाया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पेड़, पौधों में विलुप्त प्रजाति और बहुत कम पाये जाने वाले पौधों के बारे में जानकारियां दी गईं और विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न प्रजाति के पेड़ों को देखा और अनुभव किया। साथ ही जंगल में पाये जाने वाले विभिन्न औषधियों के बारे में जाना ताकि विद्यार्थी वन्य प्राणियों व पेड़-पौधों की जानकारी प्राप्त कर वन्य प्राणी व पर्यावरण के प्रति जागरूक हो सके। इस अवसर पर वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी, बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, जनपद सदस्य प्रतिनिधि झनकारसिंह उइके, खेमलाल साहू, एसडीओं बीआर सिरसाम, रेंजर श्रीमती सीता भलावी, मास्टर ट्रैनर ज्ञानचंद शर्मा, अनीस चार्लस सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को वन्यजीवों, पक्षी एवं पेड़ों की जानकारी से करवाया गया अवगत - सीता

दूरभाष पर चर्चा में दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि वन अनुभूति कार्यक्रम के तहत लालबर्रा वन परिक्षेत्र के चिखलाबड्डी में मैं भी बाघ, हम है बदलाव, हम है धरती के दूत थीम पर वन अनुभूति कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार को दो स्कूल के छात्र-छात्राएं शिक्षकगणों के साथ उपस्थित हुए और सुबह से छात्र-छात्राओं को वन्यजीव से लेकर जंतु एवं छोटे पेड़ से लेकर बड़े पौधे तक की जानकारी विस्तार से दी गई है। श्रीमती भलावी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों को वनों से एवं प्रकृति से अवगत करवाना है ताकि उन्हें यह आभास हो सके, हमारे जीवन के लिए कितना महत्वपूर्ण है, उसकी क्या उपयोगिता है, महत्व है एवं छात्र-छात्राओं को पर्यावरण बचाने की शपथ भी दिलवाई गई है। इस कार्यक्रम में दो स्कूल से 120 विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल हुए थे और इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ वन्य प्राणी, पशु, पेड़-पौधों की जानकारी उनके साथ सांझा किया गया और कार्यक्रम का उद्देश्य था कि वन्यजीवों, पक्षी, पेड़ों की जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत करवाना था।

धान खरीदी में सर्वेयर की मनमर्जी उजागर
स्टॉक फेल कर पैसों की जा रही मांग

प्रबंधकों ने पूर्व मंत्री, विधायक और एसडीएम से मुलाकात कर व्यवस्था बनाने सौंपा ज्ञापन

रिजनल रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट शाखा वारासिवनी के प्रबंधकों ने ८ जनवरी को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,विधायक विवेक पटेल ,एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप कर धान खरीदी में आ रही समस्याओं का समाधान कर खरीदी केंद्र में परिवहन एवं खाली बारदाना की व्यवस्था बनाने मांग की गई है। इस दौरान प्रबंधको के द्वारा खरीदी केंद्र में कार्य कर रहे सर्वेयरों को लेकर बड़ा आरोप लगाया गया है कि एक सर्वेयर किसान की उपज पास कर रहा है। जिसे समिति खरीदने के बाद दूसरा सर्वेयर और उस स्टॉक को फेल कर रहा है, वही सर्वेयर के द्वारा उनके बड़े अधिकारियों के नाम से स्टॉक पास करवाने रूपये की मांग की जा रही है। जिसको लेकर सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधकों सहित कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रबंधको ने ज्ञापन में बताया कि ब्लाक वारासिवनी के अंतर्गत धान उपार्जन का कार्य १ दिसंबर से किया जा रहा है जिसमें ब्लाक वारासिवनी में धान खरिदी की गई है। जिसमें परिवहन हेतू समितियों में बहुत अधिक मात्रा में शेष स्टाक बचत है। जिससे धान खखरीदी केन्द्रो में धान खरीदी करने में असुविधा हो रही है तथा जगह की कमी होने के कारण उठाव नहीं होने से धान खरीदी का कार्य बंद हो सकता है। केन्द्रो में खरीदी हेतू बारदाना प्राप्त नही होने के कारण से धान खरीदी बंद हो सकती है तथा गोदाम एवं कैंप में सर्वेयरो के द्वारा अनावश्यक परेशान प्रताड़ित किया जा रहा है। वह ट्रक एवं स्टॉक को फेल करने को कहा जा रहा है एवं पैसो की मॉग की जा रही है। इस अवसर पर सेवा सहकारी

समितियों के प्रबंधक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दो सर्वेयर है जो एक किसान का माल पास करता है दुसरा फेल करता है-मिथिलेश

प्रबंधक मिथिलेश ठकरेले ने बताया की हम कैंप स्तर पर खरीदी कर रहे हैं वहां दो सर्वेयर है। एक किसान का माल पास करता है जिसे हम खरीद कर स्टेक लगाते हैं तो दूसरा स्टेक को फेल कर रहा है। एक स्टेक में २९०८५ बोरियां होती है जब एक ने पास कर दिया तो दूसरा फेल क्यों कर रहा है समझ नहीं आता। भेंडारा कैंप की यह घटना है वहां पर चार खरीदी केंद्र है सभी केंद्र के एक एक स्टेक रिजेक्ट कर दिए गए हैं। सर्वेयर से बात करो तो वह क्वालिटी खराब होना बोल रहा है।

स्टेक पास कराने शैलेंद्र भगत पैसो की मांग कर रहा है-सुरेंद्र

प्रबंधक सुरेंद्र बिसेन ने बताया कि धान खरीदी प्रगति पर है परिवहन ना होने से डंप बढ़ रहा है। एक गाड़ी ६०० बोरी ले जाती है जबकि एक दिन में ढाई हजार बोरी खरीदी होती है। हर सोसायटी में २५ से ३० हजार बोरियां पड़ी है सभी केंद्र में बारदाने खत्म हो रहे हैं। किसान रास्ता देख रहे हैं और समिति कैंप में जो सर्वेयर है वह धान की जांच कर खरीदी करवा रहे हैं। फिर खरीदी हुई माल को रिजेक्ट कर रहे हैं गोदाम में ऐसे १० ट्रक खड़े हैं रिजेक्ट केवल बात करने के लिए कर रहे हैं और रिजल्ट वही निकलता है कि इतना दो सब ठीक हो जाएगा। यह सभी जगह हो रहा है क्योंकि सर्वेयर की जो आरबी एसोसिएट का मुख्य सुपरवाइजर शैलेंद्र भगत है उसके निर्देशन पर यह काम हो रहा है। वह कहते हैं कि पूर्ति करना है क्योंकि जिसने सर्वेयर को काम पर लगाया है वह मांग रहा है।

आज किसान परेशान है अधिकारियों का कोई ध्यान नही है-विवेक

विधायक विवेक पटेल ने बताया कि हमारे जिले और प्रदेश में खरीदी हो रही है सोसायटी में परिवहन नहीं हो रहे हैं बारदाना नहीं है इन सब की शिकायत को लेकर अधिकारी आए थे। जिसमें हमारे द्वारा जिले के अधिकारी और परिवहन के ठेकेदार से बात की गई है। इसमें सर्वेयर की प्रमुख समस्या बता रहे हैं कि वह स्टेक रिजेक्ट कर रहा है तो उन्हें समझना चाहिए कि यह भी किसान है सब समझते हैं कोई पत्थर और कुछ नहीं निकल रहा है। हम यही चाहते हैं कि समय पर सभी काम हो और किसान परेशान ना हो परंतु आज किसान परेशान है इस पर अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए।

जिला कलेक्टर और एसडीएम से व्यवस्था सुधारने ,सर्वेयर पर कार्यवाही करने बात की है-प्रदीप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि धान खरीदी विवादों में रही है लाखों क्विंटल धान खरीदी करना बहुत मुश्किल होता है। अभी परिवहन बारदाने की व्यवस्था और सर्वेयर भी किसानों को परेशान कर रहे हैं। हर सर्वेयर और अलग.अलग मापदंड बता रहा है इसका लाभ सर्वेयर को मिल रहा है। किसान परेशान है हमने जिला कलेक्टर और एसडीएम से बात की है। व्यवस्था सुधारने के लिए उन्होंने आश्वासन दिया है वहीं सर्वेयर पर सीधी कार्यवाही करने की भी बात कही है।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि खरीदी गई उपज को जो रिजेक्ट किया गया है उसका भौतिक सत्यापन भी अधिकारियों के द्वारा किया गया। जिसमें देखा गया है कि सड़ी धान खरीदी गई है बोरे से कीड़े बाहर आ रहे हैं धान के बोरे में ईट गिट्टी भरी हुई है। इसलिए रिजेक्ट किया है अगर हमारे द्वारा अच्छी धान कहीं रिजेक्ट की गई होगी तो कोई बताएं और यह जो रुपए मांगने का आरोप लगाया जा रहा है वह पूरी तरह निराधार है।

शैलेन्द्र भगत
सुपरवाइजर बीआर एसोसिएटस

---

१०० वर्ष बाद प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासो से नगर को मिला एसडीएम कार्यालय

तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा एसडीएम भवन निर्माण कार्य के लिये किया था भुमिपूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पिछले १०० वर्षो से अधिक समय से तहसील कार्यालय में संचालित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दंडाधिकारी कार्यालय का उठानी पड़ती थी। जिसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश शासन ने तहसील कार्यालय के बगल की खाली भूमि पर एसडीएम कार्यालय के लिए भवन निर्माण का निर्णय लिया था। जिसके लिए तात्कालिन विधायक प्रदीप जायसवाल के सफल प्रयासो से अक्टूबर २०२२ को इस कार्य की स्वीकृति और उसके बाद १३१ लाख रुपये की लागत तय कर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा २२ फरवरी २०२३ को प्रदेश तत्कालीन राज्य मंत्री आयुष स्वतंत्र प्रभार व जल संसाधन विभाग की अध्यक्षता, गोविंद सिंह राजपूत मंत्री राजस्व एवं परिवहन, हरदीप सिंह डंग मंत्री नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरणीय व प्रभारी मंत्री बालाघाट, गौरीशंकर बिसेन अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के प्रमुख आतिथ्य तथा डॉ ढालसिंह बिसेन सांसद बालाघाट-सिवनी, प्रदीप जायसवाल विधायक वारासिवनी, सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट, श्रीमती माया उइके अध्यक्ष जनपद पंचायत वारासिवनी व श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष नगर पालिका वारासिवनी के विशिष्ट आतिथ्य में निर्माण कार्य की आधारशिला रखी थी। जिसके बाद भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ और लगभग २ वर्षो में यह भवन बनकर तैयार हो गया।

फोटो:: कार्यालय

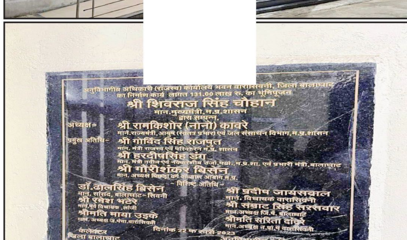

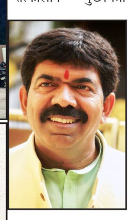

नये वर्ष में स्वयं का भवन मिल ही गया। नये वर्ष के अवसर पर एसडीएम वारासिवनी का पूरा स्टाफ अब तहसील कार्यालय के बाजू में बने हुए नवीन भवन में शिफ्ट हो गया है। जिससे अब पक्षकारों को अपनी समस्याओं को लेकर एसडीएम से मिलने में आसानी हो रही है और कार्यालय में बाबूओं को भी काम करने में आसानी महसुस होते देखी जा रही है। इस नये भवन को कर्मचारियों के द्वारा फूल मालाओं व गुब्बारे से सजाया गया था। नवीन भवन में प्रवेश के पहले एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई और फ ीता काट कर भवन में प्रवेश किया गया। भवन में प्रवेश के बाद कर्मचारियों के द्वारा एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

अंग्रेजों के समय में निर्मित तहसील कार्यालय में लगता था एसडीएम कार्यालय

विदित हो कि वारासिवनी नगर में अंग्रेजों के शासन काल में शासकीय चिकित्सालय के सामने तहसील कार्यालय भवन का निर्माण किया गया था। इस भवन में एसडीएम , तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक व राजस्व निरीक्षक के कार्यालय संचालित हो रहे है। इसी भवन में ट्रेजरी सहित सुनवाई के लिए लाने वाले लोगों को भी रखने के लिए हवालात बने हुए है।

प्रदीप जायसवाल के प्रयासो से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने किया था भूमिपूजन

एक ही स्थान पर सभी कार्यालय संचालित होने से कई बार एसडीएम कार्यालय में कार्य करने में परेशानी

१ जनवरी से लगने लगा है एसडीएम कार्यालय

जिसके बाद से इस भवन को कार्यालय का रुप प्रदान करने के लिए एसडीएम का कोर्ट रुम, एसडीएम कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, स्टेनो कक्ष, जनता सुविधा कक्ष, बैठक कक्ष सहित आने वाले पक्षकारों के बैठने की व्यवस्था के लिए कुर्सियों आदि की व्यवस्था कर भवन को सजाने संवारने का कार्य चल रहा था। इन सभी कार्यो के पूर्ण होने के बाद नव वर्ष २०२६ की सुबह ११ बजे एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल व संपूर्ण स्टाफ के द्वारा विधिवत भवन में प्रवेश कर कार्य प्रारंभ किया गया। इस दौरान वारासिवनी तहसीलदार वंदना कुशराम, खैरलांजी तहसीलदार छवि पंत, नायब तहसीलदार खैरलांजी दुलारेलाल परते, स्टेनो पंकज गजभिये, बाबू गुड्डु ठाकरे, पीयूष नेवारे, लिल्हारे बाबू सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

लड़सड़ा के वार्ड नं. १ आवास टोले में नहीं मिल रहा नल-जल योजना का पानी

१ वर्ष बीते जाने के बाद भी विभाग का आश्वासन ठंडे बस्ते में

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लड़सड़ा के वार्ड नंबर एक और आवास टोले में नल जल की समस्या बनी हुई है। जहां योजना के माध्यम से पानी वितरण नहीं हो पा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। तो वही पंचायत द्वारा भी प्रयास किए गए हैं किंतु विभाग के द्वारा योजना हैंडोवर के समय दिए गए आश्वासन को १ वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है। जिससे ग्राम में दिक्कत की स्थिति बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लड़सड़ा में नल जल योजना जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल प्राप्त करने के लिए स्वीकृत की गई थी। जिसका कार्य पूर्ण होने के बाद योजना के माध्यम से ग्राम के वार्ड नंबर १ एवं ग्राम से लगे आवास टोला जो ग्राम पंचायत पदमपुर में आता है किंतु लड़सडा से लगा हुआ है। दोनों स्थान पर नल जल योजना की पाइपलाइन का विस्तार कर दिया गया है किंतु नल हवा फेंक रहे है। जहां नल जल योजना का पानी नही मिलने के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा करीब ५०० मीटर की दूरी तय कर हैंडपंप के माध्यम से पानी प्राप्त किया जा रहा है वह भी जंग युक्त पानी प्राप्त हो रहा है। जिससे पानी की समस्या और विकराल होती नजर आ रही है। हालांकि उक्त विषय पर पंचायत के द्वारा हैंडोवर योजना नहीं ली जा रही थी जिसमें ठेकेदार एवं विभाग के द्वारा दूसरी व्यवस्था करवाने का आश्वासन दिया गया था। किंतु एक वर्ष बीत जाने के बाद भी मौके पर कोई व्यवस्था विभाग के द्वारा नहीं की गई है जहां स्थिति यथावत बनी हुई है। लोग पानी के लिए परेशान नजर आ रहे हैं जिनके द्वारा शासन प्रशासन से उन्हें पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

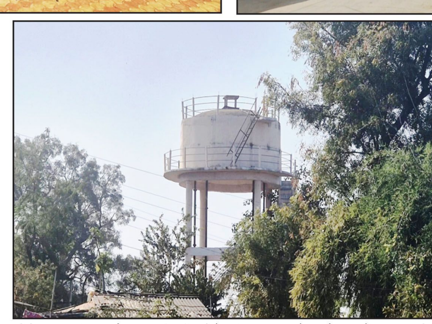

पानी नही मिलने से वार्ड वासियों में आक्रोश है-मनोहर

नल चालक मनोहर सुलाखे ने बताया कि ग्राम के वार्ड नंबर एक और आवास टोले में पानी की समस्या बनी हुई है। जहां गर्मी के समय बहुत ज्यादा दिक्कत जाती है वह लोग हर समय आक्रोश व्यक्त करते रहते हैं हमें क्यों पानी नहीं दिया जा रहा है। उनके पास हैंडपंप एक स्त्रोत है जिससे पानी लेते हैं और करीब ५०० मी दूर तक पानी लाने के लिए जाते हैं। परंतु वह पानी भी पीने लायक नहीं है इसके लिए पंचायत द्वारा विभागीय अधिकारियों को बोला भी गया है परंतु उन्होंने अभी तक कुछ किया नहीं है।

नल जल योजना के माध्यम से ग्राम के वार्ड नं. १ के लोगों को नही मिल रहा पानी -चुन्नीलाल

सरपंच प्रतिनिधि चुन्नीलाल बघेले ने बताया कि हमारे ग्राम में करीब ५००० की आबादी है यहां नल जल योजना का पानी ८० प्रतिशत लोगों को मिल रहा है। परंतु ग्राम पंचायत पदमपुर के आमगांव का एक टोला आवास टोला हैं जो हमारे गांव से लगा हुआ है। वहां ४० मकान हैं वह ऊंचाई में है वहां पानी नहीं पहुंच रहा है गांव से लगा होने के कारण वहां पाइपलाइन भी विस्तार कर दिया हैं। दूसरा हमारा वार्ड नंबर एक है वहां भी पानी नहीं मिल रहा है इसके लिए योजना हैंडोवर लेने के पहले ही ठेकेदार को हमने बताया था। तो उन्होंने मिनी टंकी बनाने या दूसरे प्रकार से व्यवस्था करने के लिए विभागीय अधिकारियों के द्वारा आश्वासन दिया गया था। हम यही चाहते हैं की शासन इधर ध्यान दें यहां पर संप या पानी की टंकी के माध्यम से लोगों को पानी दे। योजना अच्छी चल रही है पर जो आश्वासन दिया था उसके अनुसार कार्य कर समस्या को दूर करें। विभाग के द्वारा प्रस्ताव मांगा गया था दस्तावेज मांगे थे वह सब हमने दे दिया है भोपाल भी भेज दिए बोलते हैं पर अभी तक कुछ नहीं हुआ हैं।

गुनई में महापुरुषों की प्रतिमा का अनावरण १२ जनवरी को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गुनई में १२ जनवरी २०२६ को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर महापुरुषों की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल ,राजेश पाठक उपाध्यक्ष म.प्र. कबड्डी संघ ,संजयसिंह कछवाहा अध्यक्ष राजपुत समाज बालाघाट, अध्यक्षता दुर्गाप्रसाद लिल्हारे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत खैरलांजी ,मुख्यं वक्ता भदन्त डॉ.चंद्रकिर्ती राष्ट्रिय सलाहकार ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम ,प्रमुख अतिथि प्रवीण मेश्राम संस्थापक संविधान फा.बालाघाट, आशु गुनारामजी बघेले अध्यक्ष जनपद पंचायत खैरलांजी ,जावेद अली अध्यक्ष राहुल गाँधी विचार मंच बालाघाट, शेरा सुलकिया युवा अध्यक्ष अखिल भा.लोधी.महा, संचालक भारतसिंह शिवहरे सामाजिक कार्यकर्ता गुनई ,संदीप लिल्हारे ,प्रफुल्ल नगपुरे ,सुभाष क्षिरसागर ,अनिल शुक्ला ,नरेन्द्र ठकरेले ,विरेन्द्र वाटकर ,देवराज भोयर, निलकंठ बिसेन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें ग्राम गुनई में तथागत गौतम बुद्ध, विरांगना अवंतीबाई लोधी एवं बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति का अनावरण शाम ७ बजे से प्रारंभ होगा। इसमें रात्रि में आर्केस्ट्रा के साथ झॉकी का भव्य आयोजन किया गया हैं। इस अवसर पर ग्राम सहित क्षेत्र के लोगों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील आयोजन समिति ने की है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

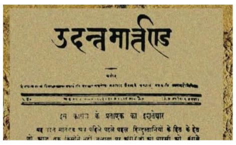

हिंसा की जड़: पथराव की घटना के मायने

अगर कोई व्यक्ति या समूह किसी बात से सहमत नहीं है, तो वह अपना विरोध प्रकट कर सकता है। मगर इसका तरीका कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण और अहिंसक होना चाहिए। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी है, लेकिन यह अधिकार कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की अनुमति नहीं देता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में एक धार्मिक स्थल के निकट बुधवार तड़के अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान पथराव की घटना गंभीर चिंता पैदा करती है, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। सवाल है कि विरोध प्रदर्शन हिंसक कैसे हो गया ? क्या वजह रही कि लोगों ने पुलिस कार्रवाई को रोकने के लिए ईंट-पत्थरों का सहारा लिया? दरअसल, सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाहों ने इस घटना को हिंसक रूप दे दिया, जिसमें दावा किया गया कि अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान एक धार्मिक स्थल को ध्वस्त किया जा रहा है।

इसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए और पुलिस बल पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हालात बिगड़ते देख भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

गौरतलब है कि पत्थरबाजी की घटनाएं पहले कश्मीर में आए दिन देखी जाती थी। कई बार तो आतंकियों को बचाने के लिए भी सुरक्षाबलों पर पथराव किया जाता था। यहां तक कि मुठभेड़ के दौरान भी सुरक्षा कर्मियों को रोकने के लिए पत्थरबाजी को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, सरकार और प्रशासन की सख्ती से हाल के वर्षों में घाटी में इस तरह की घटनाएं काफी कम हो गई हैं। मगर, विरोध प्रदर्शन के नाम पर इसी तरह के कृत्य अब दूसरे राज्यों में भी देखने को मिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा का प्रकरण भी काफी चर्चा में रहा है, जिसमें पुलिस बल पर जमकर पथराव किया गया था। अब दिल्ली में इसी तरह की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर भी नए सिरे से बहस जोर पकड़ने लगी है। यह अक्सर देखा गया है कि इस तरह के मामलों में लोगों को एक जगह एकत्रित करने और उन्हें हिंसा के लिए उकसाने में सोशल मीडिया पर अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं का सहारा लिया जाता है।

पुलिस के मुताबिक, अदालत ने रामलीला मैदान इलाके में एक धार्मिक स्थल के निकट स्थित औषधालय सहित कुछ व्यावसायिक ढांचों को अतिक्रमण घोषित किया था और इसे हटाने के लिए दिल्ली नगर निगम के कर्मी पुलिस बल के साथ मौके पर गए थे। इसी बीच, सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैला दी गई कि इलाके में स्थित धार्मिक स्थल को ध्वस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल है कि जब अदालत ने इन व्यावसायिक ढांचों को अतिक्रमण करार दिया था, तो लोग बिना सोचे-समझे इतने आक्रामक कैसे हो गए ? जबकि जिस धार्मिक संरचना को गिराने की अफवाह फैलाई गई, वह पुलिस कार्रवाई का हिस्सा थी ही नहीं। पुलिस अब इस बात की जांच भी कर रही है कि पथराव की यह घटना अचानक हुई या फिर किसी पूर्व नियोजित साजिश के तहत इसे अंजाम दिया गया। यह आशंका इसलिए भी जताई जा रही है, क्योंकि पुलिस कार्रवाई अदालत के फैसले के बाद की गई और अगर स्थानीय लोगों को कोई आपत्ति थी, तो वे समय रहते ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते थे। इस घटना में जो भी दोषी हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

जब एंटीबायोटिक बेअसर होने लगे

-डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया
(वरिष्ठ चिकित्सक और स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ)

रोगाणुरोधी प्रतिरोध कोई नई बात नहीं है। नई व चिंताजनक बात यह है कि प्रतिरोध अब तेजी से फैल रहा है, जिसका मुख्य कारण एंटीबायोटिक्स का बेवजह व गलत इस्तेमाल है। आज लक्ष्य केवल संक्रमण का इलाज नहीं, बल्कि यह भी होना चाहिए कि ये जीवन रक्षक दवाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए असरदार बनी रहें।

पेनिसिलिन की खोज, और उसके बाद इलाज में दूसरे एंटीबायोटिक्स के आने से चिकित्सा विज्ञान में क्रांति आ गई और इसे बीसवीं सदी की सबसे बड़ी चिकित्सकीय सफलता माना जाता है। एंटीबायोटिक्स ने जानलेवा बीमारियों को ठीक होने वाली बीमारियों में बदल दिया और आधुनिक

डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया
वरिष्ठ चिकित्सक और स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ

दवाइयों को संभव बनाया। अनुमान है कि अकेले एंटीबायोटिक्स ने इन्सानों की औसत जीवन प्रत्याशा को लगभग 23 साल बढ़ा दिया है। फिर भी, 1928 में पेनिसिलिन की खोज के सौ साल से भी कम समय में, एक नया और गंभीर संकट सामने आया है। बैक्टीरिया उपलब्ध एंटीबायोटिक्स के प्रति तेजी से प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। जो दवाएं कुछ दशक पहले बहुत असरदार थीं, वे आज अक्सर उन्हीं संक्रमण का इलाज करने में नाकाम रहती हैं। इस घटना को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध), या एएमआर के नाम से जाना जाता है। इसकी गंभीरता को समझते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एएमआर को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए शीर्ष दस वैश्विक खतरों में से एक बताया है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध बढ़ने से तथाकथित %सुपरबग्स% सामने आए हैं-ये ऐसे बैक्टीरिया हैं, जिन पर आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक्स का असर नहीं होता। जब एंटीबायोटिक्स काम करना बंद कर देती हैं, तो मामूली संक्रमण का इलाज भी मुश्किल या कभी-कभी नामुमकिन हो जाता है। सर्जरी, कीमोथेरेपी या समय से पहले पैदा हुए बच्चों की देखभाल जैसी रोजाना की चिकित्सकीय प्रक्रियाएं बहुत ज्यादा जोखिम भरी हो जाती हैं। अस्पताल में भर्ती रहने का समय व इलाज का खर्च बढ़ जाता है, और स्वास्थ्य प्रणाली एवं परिवारों पर बोझ बढ़ जाता है।

इस संकट का सबसे बड़ा कारण एंटीबायोटिक्स का बड़े पैमाने पर और गलत इस्तेमाल है। भारत में, एंटीबायोटिक्स अक्सर वायरल बीमारियों, जैसे कि सामान्य सर्दी, खांसी, या मौसमी बुखार के लिए ली जाती हैं, जिन पर इन दवाओं का कोई असर नहीं होता है। कई लोग केमिस्ट, पड़ोसियों की सलाह पर एंटीबायोटिक्स लेना शुरू कर देते हैं या बची हुई दवाइयों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे हर गलत इस्तेमाल से बैक्टीरिया को खुद को ढालने, जिंदा रहने और मजबूत बनने का मौका मिलता है। यहां तक कि कभी-कभी डॉक्टर भी नैदानिक अनिश्चितता, मरीजों के दबाव या जटिलताओं के डर से

बेवजह एंटीबायोटिक्स सुझाते हैं। एक और कारण जानवरों और खेती में एंटीबायोटिक्स का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल है। जानवरों में जो प्रतिरोधी बैक्टीरिया विकसित होते हैं, और एंटीबायोटिक्स के कुछ अंश, वे सिर्फ पशुशाला तक ही सीमित नहीं रहत, बल्कि वे भोजन, पानी और पर्यावरण के जरिये इन्सानों में भी फैलते हैं। खराब कचरा प्रबंधन इसे और भी बदतर बना देता है। एंटीबायोटिक के अवशेष और प्रतिरोधी रोगाणु नदियों, मिट्टी व भूजल में मिल जाते हैं, और अंतत: खाद्य श्रृंखला में पहुंच जाते हैं।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध के आर्थिक और सामाजिक नतीजे बहुत गंभीर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अगर मौजूदा प्रवृत्ति निर्बाध जारी रही, तो 2050 तक रोगाणुरोधी प्रतिरोध हर साल दुनिया भर में एक करोड़ लोगों की जान ले सकता है। अकेले भारत में अनुमान है कि, 2021 में लगभग 2.6 लाख मौतें ऐसे संक्रमण से जुड़ी थीं, जिनमें इस्तेमाल की गई एंटीबायोटिक्स प्रतिरोध के कारण बेअसर थीं। इस चुनौती का असर मध्य और निम्न आय वर्ग पर ज्यादा बुरा होता है। भारत में प्रतिरोधी संक्रमण की वजह से अक्सर बार-बार अस्पताल जाना पड़ता है, बीमारी लंबे समय तक चलती है, वेतन का नुकसान होता है, और चिकित्सा खर्च बहुत अधिक हो जाता है। इसलिए, रोगाणुरोधी प्रतिरोध सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर परिवारों और उनकी आजीविका के लिए खतरा है। दुनिया भर के देश इस खतरे की गंभीरता को पहचानने लगे हैं। कई उच्च आय वाले देशों ने प्रतिरोधी पैटर्न का पता लगाने के लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया है, एंटीबायोटिक के इस्तेमाल पर सख्त नियम लागू किए हैं, और नई दवाएं तथा वैकल्पिक उपचार विकसित करने के लिए शोध में भारी निवेश किया है। भारत ने भी नीतिगत स्तर पर कदम उठाए हैं, लेकिन अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। एंटीबायोटिक्स सिर्फ वैध नुस्खे पर ही बेचे जाने चाहिए, और फार्मेसियों की निरंतर निगरानी के साथ उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। नए एंटीबायोटिक्स के शोध और विकास के लिए तुरंत ज्यादा निवेश की जरूरत है।

लेकिन सिर्फ नीतियों से काम नहीं चलेगा, इसके लिए लोगों में जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार भी जरूरी है। हरेक नागरिक को हाथ साफ रखकर, स्वच्छ पीने का पानी, टीकाकरण और अच्छे पोषण से संक्रमण को रोकने का प्रयास करना चाहिए, तभी एंटीबायोटिक्स की जरूरत को कम किया जा सकता है। एंटीबायोटिक्स कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेनी चाहिए, न ही किसी से साझा करनी चाहिए, और न ही बिना चिकित्सकीय सलाह के इस्तेमाल करनी चाहिए। एंटीबायोटिक्स को बिना डॉक्टर की सलाह के बंद या उनमें कोई बदलाव नहीं करना चाहिए, और संपूर्ण कोर्स पूरा करना चाहिए। पिछली बीमारियों के लिए बताई गई दवाइयों का इस्तेमाल वैसे ही लक्षणों के लिए दोबारा नहीं करना चाहिए, क्योंकि कारण अलग हो सकता है। बैक्टीरिया और वायरस से होने वाले संक्रमण के लक्षण एक जैसे हो सकते हैं, पर वायरस से होने वाले संक्रमण को रोकने में एंटीबायोटिक्स कारगर नहीं होती, क्योंकि वे सिर्फ बैक्टीरिया के खिलाफ असरदार होती हैं। एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल दवाओं का ज्यादा और कम इस्तेमाल, दोनों ही प्रतिरोध को बढ़ाते हैं।

ध्यान रहे कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध कोई नई बात नहीं है। प्रतिरोध रोगजनकों का प्राकृतिक रूप से जीवित रहने का तंत्र है। जो बात नई और चिंताजनक है, वह यह है कि प्रतिरोध कुछ वर्षों से तेजी से फैल रहा है, जिसका मुख्य कारण इन्सानों द्वारा एंटीबायोटिक्स का गलत तरीके से इस्तेमाल करना है, यानी यह संकट टाला या रोका जा सकता है। जहां दुनिया को तुरंत नई एंटीबायोटिक्स चाहिए, वहीं उसे मौजूदा एंटीबायोटिक्स का समझदारी से इस्तेमाल करने की जरूरत है। आज लक्ष्य केवल संक्रमण का इलाज करना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी पक्का करना चाहिए कि ये जीवन बचाने वाली दवाएं हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी असरदार बनी रहें। हम अभी जो फैसले लेंगे, उनसे यह तय होगा कि एंटीबायोटिक्स इन्सानियत की सबसे बड़ी चिकित्सकीय उपलब्धियों में से एक बनी रहेंगी या एक खोया हुआ चमत्कार बन जाएंगी।

बर्ट्रेंड रसेल

जीवन हमें सिखाता है कि केवल 'मैं' ही वास्तविक नहीं है। जब हम समझ लेते हैं कि दूसरों का दुख भी हमारे जितना ही सत्य है, तब हमारी रुचियां निजी दायरे से निकलकर सामाजिक क्षितिज की ओर बढ़ती हैं।

जीवन का उद्देश्य जीत नहीं, विस्तार है

मनुष्य का जीवन आरंभ में स्वयं के चारों ओर सिमटा होता है। बचपन में हमारी दुनिया छोटी और स्पष्ट होती है-मैं, मेरा घर, मेरी इच्छाएं, मेरी जरूरतें आदि। चेतना उस समय एक संकीर्ण नदी की तरह होती है, जो अपने किनारों में बंधी तेजी से बहती है। हर अवरोध चुनौती लगता है, हर मोड़ संघर्ष। यह स्वाभाविक है, क्योंकि यही हमें पहचान देता है, हमें चलना सिखाता है और आगे बढ़ने का साहस देता है। बिना इस आत्म-केंद्रित ऊर्जा के विकास संभव नहीं होता।युवावस्था में यही नदी वेग पकड़ लेती है। महत्वाकांक्षाएं तीव्र हो जाती हैं, सपने ऊंचाई मांगते हैं, और जीवन की धारा कई बार उग्र हो उठती है। हम स्वयं को सिद्ध करना चाहते हैं, संसार के सामने अपने अस्तित्व की घोषणा करना चाहते हैं। यह समय सृजन का भी होता है और थकान का भी। हम दीवारें खड़ी करते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि उन्हीं में हमारी सुरक्षा है। यह शोर, यह टकराव वह ऊर्जा है, जो हमें सीमाओं से परिचित कराती है। अनुभव के साथ नदी चौड़ी होने लगती है। जीवन हमें यह सिखाता है कि केवल %मैं% ही वास्तविक नहीं है। जब हम यह समझ लेते हैं कि दूसरों का दुख उतना ही सत्य है, जितना हमारा अपना, तभी हमारी रुचियां निजी दायरे से निकलकर सामाजिक क्षितिज की ओर बढ़ती हैं। हम परिवार, समाज, विचार व अंतत: मानवता के बारे में सोचने लगते हैं। किनारे पीछे हटते हैं, प्रवाह शांत होता है, और संघर्ष की जगह समझ ले लेती है। इस परिपक्व अवस्था में एक गहरी शांति जन्म लेती है। जीवन अब युद्धभूमि नहीं लगता, बल्कि एक अर्थपूर्ण यात्रा प्रतीत होता है। हम जान जाते हैं कि हर वस्तु को नियंत्रित करना न संभव है और न आवश्यक । स्वीकार्यता बुद्धिमत्ता का रूप ले लेती है। अहंकार ढीला पड़ता है और करुणा उसका स्थान ग्रहण करती है। व्यक्ति स्वयं को केंद्र मानने के बजाय, व्यापक जीवन-प्रवाह का एक सजग अंश समझने लगता है।

जीवन के उत्तरार्ध में नदी समुद्र के समीप पहुंचती है। यहां न उतावलेपन की आवश्यकता होती है, न टकराव की। जल गहरा और शांत हो जाता है। व्यक्ति नाम, पद और पहचान से चिपका नहीं रहता, क्योंकि उसे यह बोध हो जाता है कि उसका अस्तित्व कभी अलग था ही नहीं। वह सदा से उसका हिस्सा रहा है। इस स्वीकार में कोई पीड़ा नहीं, क्योंकि खोने को कुछ शेष नहीं रहता।

जब अहंकार की दीवारें पूरी तरह गिर जाती हैं, तब जो बचता है, वह निर्मल चेतना है, यानी नदी का समुद्र में विलय। यहां व्यक्ति कुछ खोता नहीं, बल्कि उस अनंतता को प्राप्त करता है, जिसमें सब कुछ समाहित है। यही जीवन की पूर्णता है, जहां व्यक्तिगत सीमाएं समाप्त होकर सार्वभौमिक जीवन में बदल जाती हैं। अंतत: यात्रा 'मैं' से 'हम' और फिर 'सब' की ओर होती है और इसी विस्तार में जीवन को उसका अर्थ, गरिमा और सच्ची गहराई प्राप्त होती है।

सूत्र - परिपक्व बनें

जीवन एक नदी है-आरंभ में संकीर्ण, तेज और आत्म-केंद्रित, पर समय के साथ गहरी, विस्तृत और शांत। संघर्ष उसका शोर नहीं, उसकी तैयारी है; अहंकार उसका बोझ नहीं, उसकी पहली ऊर्जा है। परिपक्वता का अर्थ जीतना नहीं, बल्कि जिंदगी को समझना है। जो इस नदी में बहना सीख लेता है, वही समुद्र तक पहुंचता है।

समाज

सुविधा की खामोशी का युग

- संगीता सहाय

हाल के दिनों में वर्ष भर की चर्चित राष्ट्रीय घटनाओं, दुर्घटनाओं की यादों की पुनरावृत्ति के क्रम में एक पति की हत्या करके ड्रम में डाल देने और हनीमून मनाने के क्रम में हत्या की बहुप्रचारित दो घटनाओं की खूब चर्चा की गई। ये भी कहा गया कि इन दोनों मामलों ने समाज में वैवाहिक रिश्तों की सुरक्षा, भरोसे और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। निश्चित रूप से ये दोनों घटनाएं भयावह थीं। इस अपराध में शामिल महिलाओं ने न सिर्फ दो निर्दोष लोगों की हत्या की, उनके माता-पिता और परिवार को जीवन भर का दर्द दिया, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मान्यताओं को भी तार-तार किया। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि जब उन्हें उक्त वैवाहिक बंधनों को निभाना नहीं था, तो विवाह नहीं करना चाहिए था।

हालांकि जीवन और परिस्थितियों के अपने-अपने संदर्भ होते हैं और घटनाएं भी उसी मुताबिक संचालित होती रहती हैं। उसमें दूसरों की राय के लिए बहुत जगह नहीं होती। मगर इन बातों को आज के बिगड़ती सामाजिक बनावट, खराब माहौल, स्वतंत्रता की परिभाषा, मोबाइल और सोशल मीडिया के भयानक तरीके से जीवन में घुसपैठ, सांस्कृतिक क्षरण आदि के रूप में देखा जा सकता है। इस विषय पर बहुत सारी बातें हुई हैं। टीवी चैनलों ने बहस और चर्चा भी परोसी। महीनों तक हर तरफ घरों, मोहल्लों, चौक-चौराहों यही मुद्दा छाया रहा। पूरी महिला बिरादरी इसके लपेटे में आई और गाहे-बगाहे उन्हें तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। जो हुआ, वह निश्चित तौर पर बुरा था और पूरे समाज ने इसके विरोध में जिस तरीके से एकजुटता दिखाई, वह गौरतलब थी। इसके समांतर कुछ महत्त्वपूर्ण सवाल, जो इन शोरगुल के बीच दबे रह गए या किसी ने उठाया भी तो लोगों को गौरतलब ही नहीं लगा, वह यह है कि क्या ये दोनों मामले %वैवाहिक हत्याओं% के संदर्भ में इकलौते हैं? क्या कभी लड़कियों की दहेज, अवैध संबंध, झूठे सम्मान के नाम पर हत्या अन्य मुद्दों मुद्दों को लेकर ऐसी ही या इससे भी विद्रूप नृशंस हत्याएं नहीं की गई हैं? सामूहिक बलात्कार, तेजाबी हमले से मारी जाती, अपंग होती लड़कियों के मामलों पर कभी इतना शोर क्यों नहीं हुआ? कम या ज्यादा उम्र में बलात्कार का दंश भोगती, प्रताड़ित होती, मौत की ओर धकेली जाती अनगिनत महिलाओं के सच को जानकर भी समाज ने अब तक क्या किया है?

हमारे इर्द-गिर्द हर रोज होती ऐसी घटनाएं और साल दर साल महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों का सच आखिर क्या है? प्रश्न यह भी कि चंद अपवादों की बात छोड दें, तो क्या दूसरा पक्ष भी परंपराओं, कट्टरता और आपराधिक प्रवृत्ति के त्रास तले उतना ही आज के आधुनिक समाज में भी महिला को अनगिनत मानसिक और शारीरिक कष्टों से गुजरना पड़ता है। यह स्थिति बाहर के साथ-साथ अक्सर घर में भी होती है। कभी फिजूल की परंपराओं, तो कभी असुरक्षा के कारण महिलाओं को आपराधिक कृत्यों का सामना करना पड़ता है।

दंड भोग रहा है? ऐसे तमाम आपराधिक कृत्य हर रोज, हर तरफ होते हैं, तो फिर कुछ घटनाओं की तरह सामाजिक एकजुटता इन पर क्यों नहीं दिखाई जाती? संभव है, वैसी ही एकजुटता महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों की दर को कुछ कम कर देती। यहां आशय लैंगिक आधार पर अपराधों को कम या ज्यादा करके आंकना कतई नहीं है, क्योंकि अपराधी चाहे महिला हो या पुरुष, उसकी प्रवृत्ति सिर्फ अपराध करने की होती है। पीड़ित भी सिर्फ पीड़ित होता है। वर्ग या रसूख के आधार पर अन्याय तथा अनाचार का बंटवारा करना और न्याय का पलड़ा उसके अनुसार मोड़ना अपने आप में एक बड़ी खामी है।

आज के कथित आधुनिक समाज में भी स्त्री को पल प्रति पल अनगिनत मानसिक और शारीरिक अपराधों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति बाहर के साथ-साथ अक्सर घर में भी होती है। कभी मिथ्या सामाजिकता और संस्कृति बचाए रखने, कभी पारिवारिकता को बनाए रखने, कभी प्रचलित फिजूल की परंपराओं के सम्मान में, तो कभी सुरक्षा के नाम पर स्त्री को असंख्य आपराधिक कृत्यों का सामना करना पड़ता है। शादी के बाद परिवार के भीतर और खासतौर पर पत्नी के प्रति पति के निजी व्यवहार तो हमारे समाज में कभी बहस का विषय रहे ही नहीं हैं। ऐसे उत्पीड़न को आमतौर पर प्यार का नाम देकर बड़ी आसानी से छुटकारा पा लिया जाता है। ज्यादातर महिलाओं ने इसे सच्चाई मानकर स्वीकार कर लिया है।

अधिकांश परिवार आज भी उसी पुरातन सोच पर कायम है कि बेटियां जिस घर में ब्याही जाती हैं, विपरीत से विपरीत परिस्थिति में भी वही उनका अपना घर होता है। यही सोच लड़कियों को सब कुछ सहकर ससुराल में रहने के लिए विवश करता है। परिवार भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें ऐसा करने को मजबूर करता है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका सोचने-समझने के ढांचे और मानस में घुली सोच की होती है, जिससे छुटकारा पाना केवल साहस और दखल के बूते संभव है, लेकिन इसमें बेटियों की संपत्ति में हिस्सेदारी का डर एक बड़ी भूमिका निभाता है।

चूंकि तमाम कानूनों के बावजूद अभी भी पिता की संपत्ति पर व्यवहार में सिर्फ बेटों का ही अधिकार होता है और ससुराल की संपत्ति तो बेटियों की होती ही नहीं है, तो ऐसे में आर्थिक रूप से पराश्रित लड़कियां मृत्युपर्यंत सब कुछ सहने को अभिशप्त होती हैं। अगर वे आवाज उठाती भी हैं तो 'घर तोड़ने वाली' महिला जैसी संज्ञा से नवाजी जाती हैं। इस तरह की सारी परिस्थितियां स्त्रियों की चुप्पी का कारण बनती हैं। हमारा समाज भी स्त्रियों के अनुपयोगी होने की अपनी धारणा के अनुसार उनके साथ होने वाले तमाम अत्याचारों, यहां तक की मृत्यु पर भी मौन की खाल ओढ़े रहता है। कुछ खास और चर्चित घटनाओं में हत्याओं पर होने वाला शोर और शेष पर मौन उसी का हिस्सा है।

अतीत का संत नहीं, भविष्य की जरूरत

जयंती

आज स्वामी रामानंदाचार्य की जयंती है। आज जब समाज जातीय तनाव, धार्मिक आडंबर व नैतिक पतन की ओर बढ़ रहा है, तो उनका संदेश अधिक प्रासंगिक है।

जब-जब उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की चर्चा होती है, तब-तब जो नाम स्वत: स्मरण में आता है, वह है स्वामी रामानंदाचार्य। वह केवल एक संत या आचार्य नहीं थे, बल्कि भारतीय समाज को जाति, वर्ग और संकीर्णताओं से मुक्त करने वाले आध्यात्मिक क्रांतिकारी थे।

सात शताब्दियों पूर्व उन्होंने जिस समावेशी भक्ति-दृष्टि का उद्घोष किया, वह आज भी भारतीय समाज के लिए उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी मध्यकालीन भारत के लिए थी। रामानंदाचार्य का जन्म विक्रम संवत् 1356 (1299 ईस्वी) में तीर्थराज प्रयाग में हुआ था। वह वैदिक परंपरा के तपोनिष्ठ संन्यासी थे, पर उनकी साधना लोक से जुड़ी हुई थी। उन्होंने भक्ति को मठों से निकालकर महल से झोंपड़ी तक पहुंचाया। उनका स्पष्ट उद्घोष था-जात-पांत पूछे नहीं कोई। हरि को भजे सो हरि का होई। यह पंक्ति केवल आध्यात्मिक उद्घोष नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का घोषवाक्य थी। डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल ने अपनी पुस्तक रामानंद की हिंदी रचनाएं में इसे स्वामी रामानंद का कालजयी उद्घोष कहा है। काशी में गंगा तट पर स्थित %श्रीमठ% से स्वामी रामानंद ने निर्गुण और सगुण रामभक्ति परंपरा का शंखनाद किया। यही श्रीमठ मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सबसे बड़ा केंद्र बना। विद्वानों में श्रीमठ की स्थापना को लेकर मतभेद हो सकते हैं, कुछ इसे रामानंदाचार्य का, तो कुछ उनके गुरु राघवानंद का मानते हैं। पर इस तथ्य पर कोई विवाद नहीं कि यह स्थल मध्यकालीन भारत की सबसे बड़ी आध्यात्मिक पहचान था। संत-साहित्य के विद्वान सुखदेव सिंह ने श्रीमठ को उस युग का सबसे प्रभावी आध्यात्मिक केंद्र कहा है। रामानंदाचार्य की शिष्य परंपरा भारतीय समाज का लघु रूप थी। कबीर, रैदास, धन्ना जाट, सेन नाई, पीपा दर्जी, कूबा कुम्हार और 'भक्तमाल' के रचयिता नाभादास जैसे संत-भक्त उनके शिष्य थे। उल्लेखनीय है कि उनकी शिष्य परंपरा में पद्मावती और सुरसरी जैसी महिला संतों को भी स्थान मिला, जो उस काल में अभूतपूर्व था। उनकी शिष्य मंडली रामभक्ति के आधार पर आध्यात्मिक लोकतंत्र की निर्माता थी। महात्मा कबीर और स्वामी

रामानंद का संबंध भारतीय भक्ति परंपरा का सबसे प्रेरक प्रसंग है। कबीर ने गुरु की खोज में पंचगंगा घाट की सीढ़ियों पर लेट कर अपने जीवन की दिशा बदल ली। यह प्रसंग बताता है कि रामानंदाचार्य की दृष्टि में जाति नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। कबीर का यह वाक्य प्रसिद्ध है-कहै कबीर दुविधा मिटी, गुरु मिल्या रामानंद । आज भी गुरु-शिष्य परंपरा में यह वाक्य अमर प्रमाण के रूप में स्थापित है। रामानंदाचार्य ने अपने ग्रंथ वैष्णव-मताब्ज-भास्कर में स्पष्ट किया कि भगवान श्रीराम भक्ति में जीवों की जाति, बल या शुद्धता की अपेक्षा नहीं करते। समर्थ और असमर्थ सभी उन्हें प्राप्त करने के समान अधिकारी हैं। यह विचार उस समय सामाजिक साहस का परिचायक था, जब समाज कठोर वर्ण-व्यवस्था और धार्मिक दमन से जकड़ा हुआ था। मुगल काल के अत्याचारों के बीच रामानंदाचार्य ने भक्ति को सामाजिक संबल बनाया और भारतीय समाज को टूटने नहीं दिया। यह दुर्भाग्य का विषय अवश्य है कि जिस विशाल आनंद वन 'श्रीमठ' में कभी हजारों फकीर, जंगम-जोगड़े, नाथपंथी, वैरागी और संन्यासी निवास करते थे, वह आज काशी में बहुत सीमित क्षेत्र में सिमट गया है। जहां कभी भक्ति की अखंड साधना होती थी, वहां अब घर, दुकानें और अन्य निर्माण खड़े हैं। श्रीमठ के नाम से काशी में थोड़ी-सी पुण्यभूमि शेष है, जहां अभी स्वामी रामनरेशाचार्य उस महान परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।

-शाली कोसलेन्द्रदास

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते गुरूवार को अनाज मंडी में चना बाजार तेजी पर रहे। नये चने का भी श्री गणेश हुआ। तुअर में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में बढ़त रही। किराना जिंसों में तरबूज मगज में बाजार सुर्ख रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली चलने से भावों में तेजी आयी। मंडी में आज नये चने की दस्तक हुई। नया चना 21 कट्टे आया, जिसके सौदे 6011 रू. प्रति क्विंटल पर हुये। तुअर में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में बढ़त रही। किराना जिंसों में तरबूज मगज बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3970-4020, खोपरा गोला 315-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1610-1620, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1225-1230, सोया रिफाइंड 1285-1290, कपास्या 1215, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1260, मुम्बई सोया 1295,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4950-4975, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5400-5500, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 243000, चॉंदी (99) 242200, टंच 241500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 139500,

रुपया तीन पैसे टूटकर 89.90 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 89.91 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह के कारोबारी दिन शुरुआती सत्र में तीन पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर आ गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजारों में नरमी ने रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.96 पर खुला। बाद में चढ़कर 89.90 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक नीचे आकर 84,180.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक फिसलकर 25,876.85 पर पहुंच गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार , निवेशकों के 4 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गये। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 दिन में 7.19 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर 474 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से , टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। आज वेदांता के शेयरों में सबसे अधिक 3.01 फीसदी की गिरावट रही और ये 603.55 रुपये के स्तर पर बंद

हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुस से तेल खरीदने पर 500 फीसदी शुल्क लगाने वाले बिल को लेकर भी निवेशकों में घबराहट है ओर वे बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। यह, साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के संबंध में कोई ठोस घोषणा न होने से, निवेशक घबरा रहे हैं। इससे भी बाजार गिरा है। इसी कारण बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट रही है। पिछले 4 दिन में ही सेंसेक्स में 1565 अंक से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, निफ्टी 50 में 1.70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार से रकम निकालते जा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कोई समर्थन न मिलने की वजह से गुरुवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई, जिससे कमोडिटी स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। हिन्दुस्तान जिंक के शेयर गुरुवार को 6 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। रूस प्रतिबंध अधिनियम ने नए सिरे से ट्रेड वार का डर खड़ा कर दिया है। बिल में रूस से क्रूड ऑयल का आयात करने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

वर्क फ्रॉम होम से लौट रही हैं आईटी कंपनियां

हफ्ते में तीन दिन कम से कम 6 घंटे ऑफिस में काम करना होगा

नई दिल्ली।एजेंसी। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां अब कर्मचारियों को दफ्तर बुलाने पर जोर दे रही हैं। विप्रो ने कर्मचारियों से कहा है कि उन्हें हफ्ते में तीन दिन कम से कम 6 घंटे ऑफिस में काम करना होगा, अन्यथा आधे दिन की छुट्टी काटी जाएगी। टीसीएस ने 2024 से वर्क फ्रॉम होम बंद कर दिया है और तिमाही वेरिएबल पे उपस्थिति से जोड़ दी है। इन्फोसिस ने लेवल 5 से ऊपर के कर्मचारियों को महीने में 10 दिन ऑफिस में रहने का आदेश दिया है। एचसीएल टेक में ई4 कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन और ई5 प्लस को तीन दिन ऑफिस आना होता है, लेकिन समय सीमा तय नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से बदलते परियोजना जीवन चक्र, एआई युग और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण कंपनियां सहयोग और दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। टीमलीज डिजिटल की सीईओ के अनुसार, कर्मचारियों की उपस्थिति और दफ्तर में बिताए घंटे पर निगरानी आवश्यक है। अमेरिकी आईटी कंपनियां सतर्क हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने अगले महीने से तीन दिन ऑफिस उपस्थिति अनिवार्य की है। कॉग्निजेंट ने कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले टूल प्रोहेंस का उपयोग शुरू किया है।

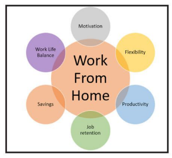

जीवन बीमा क्षेत्र में कमीशन पर लगेगी लगाम, नए नियमों की तैयारी

अधिग्रहण लागत घटाने किस्तों में कमीशन या सीमा तय करने पर विचार

नई दिल्ली।एजेंसी। जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती अधिग्रहण लागत को नियंत्रित करने के लिए जीवन बीमा परिषद की एक समिति कमीशन ढांचे में बदलाव की सिफारिश कर सकती है। समिति वितरकों को दिए जाने वाले कमीशन पर सीमा तय करने या कमीशन को किस्तों में देने का सुझाव दे सकती है, जिससे बीमा कंपनियों की लागत कम हो सके। फिलहाल जीवन बीमा कंपनियों को प्रबंधन व्यय (ईओएम) के तय मानकों के भीतर काम करना होता है, लेकिन पॉलिसी के हिसाब से कमीशन की कोई अलग सीमा नहीं है। कमीशन की सीमा प्रीमियम के प्रतिशत के आधार पर तय होती है, जो पहले वर्ष और नवीकरण प्रीमियम के अनुसार अलग-अलग होती है। इस व्यवस्था के चलते कंपनियां कुछ पॉलिसियों पर अधिक कमीशन देने के लिए स्वतंत्र हैं। हाल के महीनों में डिस्ट्रीब्यूटरों को बढ़े हुए भुगतान के कारण अधिग्रहण लागत में इजाफा हुआ है, जिसकी जांच की जा रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार समिति ने सुझाव दिया है कि कमीशन का भुगतान प्रीमियम संग्रह के अनुरूप किया जाए या उस पर अधिकतम सीमा लगाई जाए। उम्मीद है कि इस संबंध में अप्रैल तक आईआरडीएआई नए नियम जारी कर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में भी उच्च अधिग्रहण लागत पर चिंता जताई गई है। आरबीआई ने कहा है कि वितरण की ऊंची लागत के कारण प्रीमियम बढ़ रहा है और इससे पॉलिसीधारकों के लाभ सीमित हो रहे हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की सक्रियता बढ़ेगी। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। जमीन-जायदाद से संबंधित कोई मामला यदि लंबे समय से लटक रहा था, तो आपको उसको पूरा करने की भरसक कोशिश करनी चाहिए।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए नौकरी से संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जीवनसाथी से किसी बात को लेकर यदि कोई तनाव चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलें और संतान के करियर को लेकर कोई इंवेस्टमेंट करने के बारे में सोचें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके खिलाफ कोई राजनीति कर सकता है, जिससे आपको बचना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। यदि आप अपने ससुराल पक्ष से किसी व्यक्ति से भी धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। परिवार में लोगों को आपके सुझाव खूब पसंद आएंगे। पिताजी आपके बिजनेस में काफी मदद करेंगे। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से भागदौड़ अधिक रहेगी। आपको धन संबंधी योजनाओं पर भी ध्यान देना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी योजनाएं पहले से बेहतर रहेंगी। आप यदि पार्टनरशिप में कोई काम करेंगे, तो वह भी आपके लिए अच्छा रहेगा। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं। आप अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। आप अपनी शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ टाइम बिता सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। धन को लेकर आप किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। आपको किसी काम को पूरा करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपकी सेहत में यदि उतार चढ़ाव लगा हुआ था, तो वह भी दूर होगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोले, नहीं तो उसमें आपको समस्या हो सकती है।

धनु- आज के दिन आपके मन में परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ मिल बैठकर कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे, जो लोग सिंगल हैं, उनकी अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। पारिवारिक मामलों में आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। किसी काम में आपको मेहनत अधिक करनी होगी। सरकारी क्षेत्रों में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में यदि आप किसी सदस्य को कोई सलाह देंगे, तो वह उस पर अमल अवश्य करेंगे। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिल सकता है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको वापस मिलने की संभावना है। आपका कोई मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधित प्लान लेकर आ सकता है। जीवनसाथी को लेकर आप कहीं वेकेशन पर जा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी योजनाएं बेहतर लाभ देगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपने यदि किसी पार्ट टाइम कार्य को करने के लिए सोचा था, तो आप उसके लिए भी समय निकालने में कामयाब रहेंगे, लेकिन आप कार्यक्षेत्र में अपनी बात लोगों के सामने स्पष्ट रखें। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए टेंशन से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा, लेकिन आप बिना सोचे-समझे किसी काम में हाथ ना डालें, नहीं तो आपको नुकसान होने की संभावना है। आपको किसी काम को लेकर यदि कोई टेंशन थी, तो आपका वह काम पूरा हो सकता है। लेकिन फिर भी नौकरी में कार्यरत लोग अपने गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, क्योंकि वह उनके मित्र के रूप में हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में यदि आपकी जीवनसाथी से खटपट चल रही थी और वह आपसे नाराज थी, तो आप उन्हे मनाने की कोशिश करेंगे।

शब्दजाल - 8135

शब्दजाल में प्राण की दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उपकार,शराबी,नसीब,हीर रांझा,आदमी, जंजीर,कुर्बानी,धर्मा,गंगा की सौगंध,राम और श्याम

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	झ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	ग	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	वा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल - 8134 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	कन्या में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मकर	07.08 बजे से
कुंभ	08.55 बजे से
मीन	10.28 बजे से
मेष	11.58 बजे से
वृष	13.38 बजे से
मिथुन	15.36 बजे से
कर्क	17.50 बजे से
सिंह	20.06 बजे से
कन्या	22.18 बजे से
तुला	00.29 बजे से
वृश्चिक	02.43 ब.से
धनु	04.59 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का नौवा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 07.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 13.41 बजे को समाप्त।
योग शोभन 16.56 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.06 बजे तदनन्तर विष्टि 19.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 08'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872584
जूलियन दिन 2461049.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः राजा का चुनाव

एक राजा था। वह बेहद न्यायप्रिय, दयालु और विनम्र था। उसके तीन बेटे थे। जब राजा बूढ़ा हुआ तो उसने किसी एक बेटे को राजगद्दी सौंपने का निर्णय किया। इसके लिए उसने तीनों की परीक्षा लेनी चाही। उसने तीनों राजकुमारों को अपने पास बुलाया और कहा, 'मैं आप तीनों को एक छोटा सा काम सौंप रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि आप सभी इस काम को अपने सर्वश्रेष्ठ तरीके से करने की कोशिश करेंगे।' राजा के कहने पर राजकुमारों ने हाथ जोड़कर कहा, 'पिताजी, आप आदेश दीजिए। हम अपनी ओर से कार्य को सर्वश्रेष्ठ तरीके से करने का भरपूर प्रयास करेंगे।' राजा ने प्रसन्न होकर उन तीनों को कुछ स्वर्ण मुद्राएं दीं और कहा कि इन मुद्राओं से कोई ऐसी चीज खरीद कर लाओ जिससे कि पूरा कमरा भर जाए और वह वस्तु काम में आने वाली भी हो। यह सुनकर तीनों राजकुमार स्वर्ण मुद्राएं लेकर अलग-अलग दिशाओं में चल पड़े। बड़ा राजकुमार बड़ी देर तक माथापच्ची करता रहा। उसने सोचा कि इसके लिए रूई उपयुक्त रहेगी। उसने उन स्वर्ण मुद्राओं से काफी सारी रूई खरीद कर कमरे में भर दी और सोचा कि इससे कमरा भी भर गया और रूई बाद में रजाई भरने के काम आ जाएगी। मंझले राजकुमार ने ढेर सारी घास से कमरा भर दिया। उसे लगा कि बाद में घास गाय व घोड़ों के खाने के काम आ जाएगी। उधर छोटे राजकुमार ने तीन दीये खरीदे। पहला दीया उसने कमरे में जलाकर रख दिया। इससे पूरे कमरे में रोशनी भर गई। दूसरा दीया उसने अंधेरे चौराहे पर रख दिया जिससे वहां भी रोशनी हो गई और तीसरा दीया उसने अंधेरी चौखट पर रख दिया जिससे वह हिस्सा भी जगमगा उठा। बची हुई स्वर्ण मुद्राओं से उसने गरीबों को भोजन करा दिया। राजा ने तीनों राजकुमारों की वस्तुओं का निरीक्षण किया। अंत में छोटे राजकुमार के सूझबूझ भरे निर्णय को देखकर वह बेहद प्रभावित हुआ और उसे ही राजगद्दी सौंप दी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7079

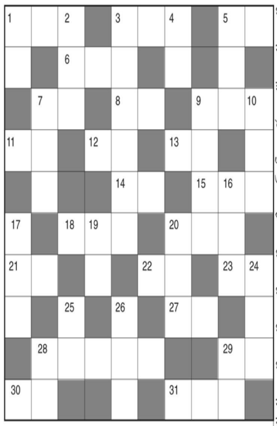

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7078

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7388

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7387 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8603

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8602 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चिचेवाड़ा के खेतों से एक ही रात में तीन मोटर पंप और स्टार्टर चोरी

क्षेत्र के किसानों में आक्रोश, पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी ।

बहेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिचेवाड़ा में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। 7 जनवरी 2026 की रात को एक ही गांव के अलग-अलग खेतों से तीन मोटर पंप, स्टार्टर, केबल और पाइप चोरी होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस घटना ने स्थानीय किसानों को झकझोर कर रख दिया है, क्योंकि ये उपकरण उनकी खेती-बाड़ी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। चोरों ने न केवल चोरी की, बल्कि एक बोर को ईंट-पत्थर डालकर पूरी तरह से बर्बाद भी कर दिया। पीड़ित किसानों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और चोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

रात के अंधेरे में चोरों का बड़ा हमला

घटना चिचेवाड़ा-चिचोली मार्ग पर नहर के सामने स्थित खेतों में घटी। जानकारी के अनुसार, चोरों ने रात के समय तीन अलग-अलग बोरों को निशाना बनाया। सबसे पहले सुखदास पगरवार के खेत में बने बोर से मोटर पंप, पाइप और स्टार्टर चुरा लिया गया। इसी तरह, सुखराम पगरवार के बोर से भी मोटर पंप और स्टार्टर गायब कर दिए गए। चोरों ने यहां तक कि सुखराम के बोर में चोरी के बाद ईंट और पत्थर डाल दिए, जिससे बोर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। अब इसे ठीक कराने में किसान को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा। तीसरे पीड़ित कैलाश फुल्हारे के खेत से भी मोटर पंप, केबल और स्टार्टर चोरी हो गए।

इसके अलावा, रूपदास पगरवार के खेत में लगे लोहे के पाइप को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन पाइप मजबूती से लगा होने के कारण चोर सफल नहीं हो सके। हालांकि, उन्होंने स्टार्टर से जुड़े केबल तारों को काटकर काफी नुकसान पहुंचाया। कुल मिलाकर, चोरों ने एक ही रात में चार खेतों को निशाना बनाया, लेकिन एक में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। अनुमान है कि चोरी की गई सामग्री की कीमत हजारों रुपये में होगी, जो गरीब किसानों के लिए बड़ा झटका है।

किसानों का दर्द- खेती पर पड़ रहा असर

चिचेवाड़ा गांव मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है, जहां किसान सिंचाई के लिए बोर और मोटर पंपों का इस्तेमाल करते हैं। इस घटना से प्रभावित किसानों ने बताया कि बिना इन उपकरणों के फसलों को पानी देना मुश्किल हो जाएगा, खासकर सूखे के मौसम में। सुखराम पगरवार ने कहा, हमारी मेहनत की कमाई इन मोटर पंपों पर टिकी है। चोरों ने न सिर्फ चोरी की, बल्कि बोर को बर्बाद करके हमें और मुसीबत में डाल दिया। अन्य पीडितों ने भी यही दर्द बयां किया। गांव में इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन इस बार एक ही रात में इतनी बड़ी वारदात ने सबको चिंतित कर दिया है। किसानों में आक्रोश व्याप्त है और वे गांव में सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

किसानों ने पुलिस में की शिकायत

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित किसानों ने बहेला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।किसानों ने मांग की है कि चोरों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए और गांव में गश्त बढ़ाई जाए।

वीरांगना रानी बाई स्टेडियम में आज से विधानसभा क्रिकेट लीग सीजन 3

पद्मेश न्यूज। लांजी । संपूर्ण लांजी क्षेत्र की प्रसिद्ध क्रिकेट प्रतियोगिता विधानसभा क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ आज विरांगना रानी बाई स्टेडियम लांजी में प्रातः 11 बजे क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे हस्ते होने जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि तथा 10 फ्रेन्चाईसी टीम तथा उनके ऑनर एवं विधानसभा क्रिकेट लीग आयोजित करने वाले समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहेंगे। बतादे कि वीसीएल का यह शानदार 3 संस्करण है जो कि लगातार क्षेत्र में अपनी प्रसिद्धी प्राप्त कर रहा है।

प्रतियोगिता में 10 फ्रेन्चाईसी टीमें लेगी हिस्सा-

वीसीएल में इस बार 10 फ्रेन्चाईसी टीमें हिस्सा लेनी वाली है जिनमें भरवेली टॉपर्स, एसएस ब्रदर्स, सांई आराध्या चैलेन्जर्स, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, वारा ईगल किंग्स, केदार ईलेवन, सेन्चुरी हिटर्स लांजी, लांजी जगुआर्स, श्रुति स्पोटर्स, महाकाल राईडर्स ये सभी 10 फ्रेन्चाईसी टीमें आपस में भिडेगी। आज 9 जनवरी से प्रारंभ प्रतियोगिता में आगामी 16 जनवरी तक संचालित होगी जहां फाईनल मुकाबला इन्ही टीमो में से दो उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के बीच इसी मैदान पर 16 जनवरी को देखने को मिलेगा।

प्रतियोगिता में पुरस्कारों की बौछार-

बतादे कि प्रतिवर्ष विधानसभा क्रिकेट लीग में पुरस्कारो की बौछार होती आई है विधानसभा क्रिकेट लीग के द्वारा जहां विजेता को 1 लाख रूपये एवं कप शील्ड वहीं उपविजेता को 51 हजार रूपये कप शील्ड से पुरस्कृत किया जायेगा। इसके अलावा, प्रत्येक मैच में मेन ऑफ द मैच, मेन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समेन, बेस्ट फिल्डर सहित अन्य आकर्षक पुरस्कार मोमेन्टो शील्ड से सम्मानित किया जायेगा।

लेजेन्ड्स क्रिकेटर्स भी दिखेंगे मैदान में

विधानसभा क्रिकेट लीग के द्वारा जहां 10 फ्रेन्चाईसी टीमों के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जा रहा है वहीं इस बार लेजेन्ड्स क्रिकेटर्स भी मैदान में दिखाई देंगे। इस संबध में वीसीएल के संयोजकों ने बताया कि देखने में आ रहा है कि प्रतियोगिता में युवा वर्ग ही प्रतिभागिता कर रहा है। तकरीबन 35 वर्ष की वर्ग आयु से अधिक वर्ष के खिलाड़ी जो कि अब अपने अपने कार्यो में लगे हुये उन्हे खेलने का मौका नही मिलता जिसे देखते हुये वीसीएल ने यह निर्णय लिया है कि विधानसभा लीग में लेजेन्ड्स की अलग टीमें संयोजित की जावेगी जिसमे के केवल 35 वर्ष की आयु से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इस नवाचार के लिये लेजेन्ड्स खिलाडी क्रिकेटरो नें वीसीलएल का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि यह बहुत उत्कृष्ट प्रयास है इससे क्षेत्र के पुराने लेजेन्ड्स खिलाड़ी जो वर्तमान मे मैदान से दुर हो गये दोबारा मैदान में खेलते दिखाई देंगे। संयोजको के द्वारा समस्त खेल प्रेमियों से अपील की गई है उक्त प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अवश्य रूप से वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम पंहुचकर खिलाडियों का उत्सहा वर्धन करे।

सोन नदी में वृद्ध का शव मिलने से फैली सनसनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिनोरा के समीप सोन नदी में एक वृद्ध व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जैसे ही नदी में शव दिखाई दिया, देखते ही देखते नदी के पुल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर किरनापुर

पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और शव को नदी से बाहर निकलवाया। बाद में मृतक की पहचान रशीद अहमद पिता गनी अहमद 70 वर्ष ग्राम बिसोनी निवासी के रूप में की गई। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रशीद अहमद ग्राम बिसोनी में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनका एक पुत्र है, जो सब्जी-भाजी का व्यवसाय करता है। बताया जा रहा है कि रशीद अहमद की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह अक्सर बिना बताए घर से निकल जाया करते थे।परिजनों के अनुसार 8 जनवरी की सुबह करीब 8 बजे रशीद अहमद घर पर ही मौजूद थे, लेकिन इसके बाद वे अचानक लापता हो गए। दोपहर के समय ग्राम बिनोरा के पास सोन नदी के पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई देने की सूचना फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।मौके की जानकारी मिलते ही किरनापुर थाना से सहायक उप निरीक्षक उमेलाल झूलेश्वर अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और शव को नदी से बाहर निकलवाकर किरनापुर अस्पताल भिजवाया। उस समय शव की पहचान नहीं हो सकी थी। जब आसपास के गांवों में शव मिलने की खबर पहुँची, तब ग्राम बिसोनी में रशीद अहमद घर पर नहीं मिले। परिजन किरनापुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने अस्पताल में रखे शव की पहचान रशीद अहमद के रूप में की।

शौच के दौरान नदी में फिसलने से मौत होने की संभावना

प्रारंभिक जांच में संभावना व्यक्त की जा रही है कि रशीद अहमद सुबह के बाद किसी साधन से ग्राम बिनोरा की ओर पहुँचे होंगे और संभवत: शौच के दौरान फिसलने से सोन नदी में गिर गए, जिससे डूबने से उनकी मृत्यु हो गई।किरनापुर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

राजस्व प्रकरणों की विस्तार से की गई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 08 जनवरी को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव उपस्थित थे। सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक लांजी तहसील में 104 प्रतिशत एवं किरनापुर तहसील में 109 प्रतिशत धान की खरीदी की जा चुकी है। वारासिवनी तहसील में 2265 एवं खैरलांजी तहसील में 2304 किसानों से धान की खरीदी की जाना शेष है। तिरोड़ी तहसील के महकेपार में 319, बिरसा तहसील में मंडई में 229 एवं लालबर्रा तहसील के मोहगांव (ध) में 222 किसानों ने धान विक्रय के लिए स्लॉट बुक किये है। कलेक्टर श्री मीना ने लांजी एवं किरनापुर के एसडीएम से कहा कि इन तहसीलों में अतिवर्षा एवं माहू के प्रकोप से धान फसल की क्षति होने के बाद भी इतनी अधिक मात्रा में धान की खरीदी कैसे हुई इसकी जांच करें। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि जिन किसानों द्वारा 100 क्विंटल से अधिक की धान बिक्री की जाना है उसका सत्यापन करें। इसके लिए राजस्व, कृषि एवं खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम को ऐसे किसानों के घर-घर जाकर सत्यापन करने कहा गया है कि उस किसान के घर पर स्लॉट के अनुसार धान उपलब्ध है या नहीं। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में सख्त निर्देश दिये कि किसान के नाम पर किसी व्यापारी या बिचौलिये द्वारा धान की बिक्री की जाती है तो तत्काल उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराए। बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि भू-अभिलेखो में फौती दर्ज कराने के लिए जिले में बी-01 वाचन का विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत बालाघाट एवं तिरोड़ी तहसील में बी-1 वाचन के दौरान मृत पाये गए शत प्रतिशत मामलों में फौती दर्ज कर ली गई है। बैहर, बिरसा एवं लांजी तहसील में फौती दर्ज करने के मामले में रिकार्ड अपडेट नही हुआ है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि जिले में कहीं पर भी फौती दर्ज करने का प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए। यदि किसी गांव में फौती दर्ज करने का प्रकरण लंबित पाया जाएगा तो संबंधित पटवारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बी-1 वाचन एवं फौती दर्ज करने के लिए प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन निर्धारित करने के निर्देश दिये और कहा कि पटवारी इन दिनों में गांव में जाकर बी-1 वाचन एवं फौती दर्ज का कार्य अनिवार्य रूप से करें। बैठक में सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के 500 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई करें और उन शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद कराए। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों एवं राजस्व प्रकरणों के निराकरण में संतोषजनक कार्य नही करने पर लामता के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार का वेतन रोकने के निर्देश दिये गए। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि कोई भी प्रकरण 03 माह से अधिक का लंबित नही रहना चाहिए। विभिन्न राजस्व मदों एवं आरआरसी प्रकरणों में वसूली की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि वसूली का लक्ष्य समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। जिन प्रकरणों में आरआरसी दर्ज की गई है उन प्रकरणों में वसूली के लिए चल-अचल सम्पत्ति की कुर्की एवं नीलामी की कार्यवाही की जाए। इस दौरान बैहर एसडीएम द्वारा बताया गया कि हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) से 02 करोड़ 08 लाख रुपए की वसूली की जाना है, यह राशि गत वर्ष की है और एचसीएल द्वारा अब तक राशि जमा नही करायी गई है।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण विद्युत विभाग के अधिकारी पहुंचे वनग्राम

वन ग्रामों में सोलर पैनल का किया संयुक्त निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दिनांक 7 जनवरी 2026 को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के संबंध में कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे, संभाग बालाघाट के नेतृत्व में लांजी के कनिष्ठ अभियंता ललित मार्को एवं अक्षय ऊर्जा विभाग बालाघाट के करण परिमल द्वारा वन ग्राम अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान देवरबेली पंचायत के अंतर्गत वन ग्राम बरगुड़, सतोना, नरपी, मलकुआं सहित अन्य ग्रामों में विभागीय कार्ययोजना के अंतर्गत स्थापित विद्युत लाइनों एवं प्रस्तावित कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति और स्थिति का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त ग्राम बरगुड के उन टोलों का भी निरीक्षण किया गया, जहां विस्थापन के पश्चात पुन: बसाहट के रूप में ग्रामीण निवासरत हैं तथा अब तक लाइन विस्तार का कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। ऐसे टोलों में अक्षय ऊर्जा विभाग, बालाघाट द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत स्थापित सोलर पैनल आधारित विद्युत कनेक्शनों की जांच की गई, जिसमें सभी कनेक्शन चालू एवं सुचारु रूप से संचालित पाए गए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन की समाधान योजना एवं विमित्र योजना के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस संयुक्त निरीक्षण से वन ग्रामों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण की दिशा में सकारात्मक पहल हुई है।

केराटोला प्रीमियम लीग का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत के अन्तर्गत वनांचल ग्राम पंचायत कंसुली के ग्राम केराटोला में 8 जनवरी से केराटोला प्रीमियम लीग का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच लीलाराम मानकर सहित उपसरपंच, पंच गण तथा गणमान्य जनों की उपस्थिती में किया गया। शुभारंभ मैच योद्धा ईलेवन सर्रा व लोढ़ामा इलेवन के बीच खेला गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5025 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 2525 रूपये समिति के द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त आयोजन के टी ईलेवन के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। समिति के सदस्य उमेश देवाहे, मनोज देवाहे, जागेश्वर दांदरे, मेत्रय दांदरे, तुलसी दांदरे, जीतू पीपलेश, सुरेन्द्र, मिथलेश, पंकज, यशकुमार, सुखदेव, शिवा, राजेन्द्र, मोनू आकाश, अक्षय, राजा, प्रदीप, दीपेन्द्र, कोमेश्वर दांदरे, विशाल, सागर, चैतराम, अमन, सोनू, सुनील, रूपेन्द्र आदि खिलाडियो ने समस्त खेल प्रेमियों से उक्त आयोजन में पंहुचकर खिलाडियो के उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

साहेबदास नागपुरे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर निवासी साहेबदास नागपुरे का लंबे समय से अस्वस्थता के चलते 64 वर्ष की उम्र में 7 जनवरी की मध्य रात्रि में निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नी के अलावा 2 पुत्र मानिकदास और रामस्वरुप नागपुरे समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। आप बिरनपुर के पूर्व सरपंच व भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहनदास नागपुरे के बड़े भाई थें। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम बिरनपुर में 8 जनवरी को दोपहर में किया गया। अंतिम यात्रा में रिश्तेदार, समाज और ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर शोक श्रद्धांलजी अर्पित की एवं परिवार को दुखः सहन करने की परमपिता से प्रार्थना की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शिक्षकों को 3 से 5 हजार बढ़कर मिलेगी सैलरी

मोहन यादव सरकार देने जा रही नए साल का गिफ्ट, प्रक्रिया पूरी, सवा लाख शिक्षकों को मिलेगा लाभ

भोपाल। मध्य प्रदेश के करीब सवा से डेढ़ लाख सरकारी शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पिछले 3 वर्षों से जिस चतुर्थ समयमान-क्रमोन्नत वेतनमान का इंतजार किया जा रहा था, उस पर अब स्कूल शिक्षा विभाग ने अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। 35 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को इसका लाभ देने के लिए 300 करोड़ से अधिक का प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में रखा जाएगा। मंजूरी मिलते ही शिक्षकों की सैलरी में हर माह 3 से 5 हजार रुपए की बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद प्रदेश में सरकारी शिक्षकों के लिए चतुर्थ समयमान-क्रमोन्नत वेतनमान का रास्ता साफ हो गया है। शिक्षा विभाग ने 35 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को यह लाभ देने की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली है। विभाग के अनुसार इस योजना से प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक शिक्षकों के साथ-साथ व्याख्याता, प्राचार्य, प्रधानाध्यापक और सहायक संचालक स्तर तक के करीब सवा लाख कर्मचारी

लाभान्वित होंगे। वहीं इस पर सरकार को करीब 312 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

सीएम ने किया था चतुर्थ समयमान का ऐलान

चतुर्थ समयमान देने की घोषणा सबसे पहले वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। घोषणा के तहत सभी विभागों में 35 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके लोक सेवकों को यह लाभ दिया जाना था। कई विभागों में प्रक्रिया आगे बढ़ी और स्कूल शिक्षा विभाग में भी सीधी भर्ती के व्याख्याता और प्राचार्यों को यह सुविधा मिल गई, लेकिन पदोन्नति से आए शिक्षकों, व्याख्याताओं, प्राचार्यों और अन्य अधिकारियों को इससे वंचित रखा गया। इसी वर्ग में करीब सवा लाख शिक्षक आते हैं, जो अब तक इस लाभ का इंतजार कर रहे थे।

कैबिनेट में जल्द आएगा प्रस्ताव

स्कूल शिक्षा विभाग में 35 साल की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारी लंबे समय से चतुर्थ समयमान देने की मांग कर रहे थे। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी शिक्षक संघों की कई बार मुलाकात हुई। आखिरकार 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर सीएम ने बचे हुए लोगों को चतुर्थ समयमान देने की घोषणा की थी, लेकिन 5 महीने बाद भी अब तक इस पर कोई अमल नहीं हुआ। हालांकि हाल में स्कूल शिक्षा मंत्री के साथ हुई शिक्षक संगठनों की बैठक में मंत्री ने बताया कि इसे कैबिनेट की बैठक में लेकर जाएंगे। कैबिनेट में प्रस्ताव पास होने के बाद शिक्षकों को इसका लाभ मिलने लगेगा।

हर माह 3 से 5 हजार रुपए का नुकसान

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 5 महीने पहले चतुर्थ समयमान की घोषणा की थी, लेकिन विभाग के अधिकारी आज तक इस प्रक्रिया को पूरी नहीं कर सके। हमारी मांग है कि इसे विभाग द्वारा तुरंत लागू किया जाए। राठौर ने बताया कि चतुर्थ समयमान लागू होने से शिक्षकों को हर माह 3 से 5 हजार रुपए का सीधा लाभ मिलेगा। अब तक इस सुविधा के अभाव में उन्हें मासिक नुकसान उठाना पड़ रहा था।

विभाग पर 312 करोड़ रुपए अतिरिक्त भार

स्कूल शिक्षा विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी कमल सिंह सोलंकी ने बताया कि शिक्षकों को चतुर्थ समयमान-क्रमोन्नत वेतनमान देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसका प्रस्ताव बनाकर कैबिनेट में चर्चा के लिए भेजा गया है। यहां से अनुमति मिलते ही चतुर्थ समयमान के आदेश जारी कर दिए जाएंगे और पात्र शिक्षकों को इसका लाभ मिलने लगेगा। सोलंकी ने बताया कि इस प्रक्रिया में स्कूल शिक्षा विभाग पर करीब 312 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

वन कटाई को लेकर सरकार का कड़ा एक्शन

जंगल से अवैध कटाई पर नर्मदापुरम डीएफओ हटे, 48 अफसरों के ट्रांसफर

भोपाल। राज्य शासन ने बुधवार को भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 28 और राज्य वन सेवा के 20 अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए है। नर्मदापुरम जिले में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में डीएफओ मयंक गुर्जर को हटाकर वन मुख्यालय में अटैच किया। वहीं पीसीसीएफ बिभाष ठाकुर को संरक्षण शाखा से हटाकर आरएंडडी शाखा का जिम्मा सौंपा गया है। संजय टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर व एपीसीसीएफ अमित कुमार दुबे को वन मुख्यालय बुलाकर संरक्षण शाखा की कमान दी गई है। वहीं कटनी डीएफओ गौरव शर्मा को नर्मदापुरम डीएफओ की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि नर्मदापुरम में बड़े स्तर पर सागौन और साल के पेड़ों की अवैध कटाई का मुद्दा विधानसभा में उठने के बाद से मामले में जांच चल रही है। इस मामले में मयंक गुर्जर को चार्जशीट देने का प्रस्ताव भी राज्य शासन को भेजा गया है। 15 डीएफओ वन मंडल में डीएफओ बदल दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार बिभाष कुमार ठाकुर को पीसीसीएफ (संरक्षण) से हटाकर पीसीसीएफ अनुसंधान-विस्तार, अमित कुमार दुबे को एपीसीसीएफ / प्रोजेक्ट संचालक से संजय टाइगर रिजर्व-एपीसीसीएफ, फुलनीराज फुलझेले को सीसीएफ, लघु वनोपज संघ से सीसीएफ, वन विकास निगम, मंदराम बघेल को सीसीएफ, उज्जैन से सीसीएफ, जबलपुर, कमल अरोरा को सीएफ, जबलपुर से सीएफ, छिंदवाड़ा, मधु वी. राज को सीएफ, छिंदवाड़ा से सीएफ, बैतूल, आलोक पाठक को सीएफ, वन विकास निगम, भोपाल से सीएफ उज्जैन, बासु कनोजिया को सीएफ, बैतूल से सीएफ, खंडवा, क्षितिज कुमारओएसडी मंत्रालय से सीएफ भोपाल वर्किंग प्लान, विपिन कुमार पटेल को डीएफओ, अनूपपुर से डीएफओ, वर्किंग प्लान, जबलपुर, प्रदीप मिश्रा को डीएफओ, इंदौर से डीएफओ, वर्किंग प्लान, बैतूल, अब्दुल अलीम अंसारी को डीएफओ, नौरादेही सेंचुरी से डीएफओ, वर्किंग प्लान, सिवनी, नरेश कुमार दोहरे को डीएफओ, रतलाम से एसीएफ, वन मुख्यालय, प्रकाश वर्मा को डिप्टी डायरेक्टर बांधवगढ़से डिप्टी डायरेक्टर कान्हा, अनिल चौपड़ा डीएफओ, हरदा को एसीएफ, वन मुख्यालय, पुनीत गोयल को डिप्टी डायरेक्टर, कान्हा से डिप्टी डायरेक्टर पेंच, अंकित पांडे को डीएफओ, ग्वालियर से ओएसडी मंत्रालय, गौरव शर्मा को डीएफओ, कटनी से डीएफओ, नर्मदापुरम, पुनीत सोनकर को डीएफओ, डिंडौरी से डीएफओ, जबलपुर, अशोक सोलंकी को एसीएफ, वन मुख्यालय से डीएफओ, डिंडौरी, रजनीश सिंह को डिप्टी डायरेक्टर, पेंच से डीएफओ, नौरादेही सेंचुरी, गर्वित गंगवार को डीएफओ, पन्ना से डीएफओ, कटनी, मयंक गुर्जर को डीएफओ, नर्मदापुरम से डीएफओ, वन मुख्यालय भोपाल, स्वरूप दीक्षित को एसीएफ इको टूरिज्म बोर्ड से डीएफओ, पूर्व छिंदवाड़ा और ऋषि मिश्रा को डीएफओ, जबलपुर से डीएफओ, छतरपुर, सर्वेश सोनवानी कोडीएफओ, छतरपुर से दिल्ली डिपो जनसंपर्क, डेविड व्यंकटरावको एसीएफ वन विकास निगम से डीएफओ, अनूपपुर, अरिहंत कोचर को डीएफओ, बालाघाट से डीएफओ, दक्षिण बैतूल पदस्थ किया गया है।

एएचयू खान बन सकते हैं वन बल प्रमुख

- अगले महीने रिटायर होंगे वन बल प्रमुख अंबाड़े

भोपाल। मप्र वन विभाग के मुखिया वीएन अंबाड़े अगले महीने सेवानिवृत्त हो जाएंगे। वे 1988 बैच के आईएफएस हैं। इन्हें पिछले साल अगस्त में यह जिम्मेदारी मिली थी। वीएन अंबाड़े का कार्यकाल करीब 7 महीने का रहा। अब सीनियर आईएफएस एएचयू खान को वन बल प्रमुख बनाया जा सकता है। एएचयू खान अभी वन विकास निगम में पीसीसीएफ हैं। अगर एएचयू खान को वन बल प्रमुख बनाया जाता है, तो वे 31 जुलाई तक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इनके रिटायर होने के बाद वन विभाग के सीनियर आईएफएस विभाष ठाकुर को वन बल प्रमुख बनाया जाएगा। गौरतलब है कि साल 2024 में आईएफएस असीम श्रीवास्तव को वन बल प्रमुख बनाया गया था। इनका कार्यकाल करीब 18 महीने का रहा था। इनके रिटायर होने के बाद सीनियर आईएफएस वीएन अंबाड़े को यह जिम्मेदारी मिली थी। दरअसल वन विभाग में लंबे समय से परंपरा चली आ रही है कि सबसे सीनियर अधिकारी को ही वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। गौरतलब है कि विभाग में एक-एक महीने के लिए दो अधिकारियों को वन बल प्रमुख बनाया गया था। अभय कुमार पाटिल और साल 2017 में जव्वाद हसन को एक महीने के लिए वन बल प्रमुख बनाया गया था।

राशन घोटाले का बड़ा खुलासा

30 लाख फर्जी कार्ड निरस्त, रईस गटक रहे थे गरीबों का निवाला

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ गरीबों के लिए आरक्षित मुफ्त राशन पर अमीर और रसूखदार लोग डाका डाल रहे थे। राज्य सरकार द्वारा कराए गए व्यापक भौतिक सत्यापन के बाद प्रदेश भर में करीब 30 लाख फर्जी लाभार्थियों के राशन कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। इस कार्रवाई से न केवल सरकारी खजाने की लूट रुकी है, बल्कि उन लाखों वास्तविक जरूरतमंदों के लिए रास्ता साफ हो गया है जो लंबे समय से प्रतीक्षा सूची में थे। खाद्य आपूर्ति विभाग की इस जांच रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे हैरान करने वाले हैं। सत्यापन के दौरान पता चला कि गलत तरीके से मुफ्त राशन का लाभ लेने वालों में 1500 ऐसे लोग शामिल थे, जो निजी कंपनियों में डायरेक्टर जैसे उच्च पदों पर कार्यरत हैं। इतना ही नहीं, 38 हजार लोग ऐसे पाए गए जो नियमित रूप से इनकम टैक्स फाइल करते हैं और जिनकी वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक है। डेटा मिलान के दौरान यह भी सामने आया कि कई लोग संपन्न होने के बावजूद अंत्योदय और बीपीएल श्रेणी का लाभ उठा रहे थे। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह सत्यापन प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही थी। विभाग ने आयकर विभाग के डेटाबेस और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ राशन कार्ड धारकों की जानकारी का मिलान (क्रॉस चेक) किया, जिससे इस फर्जीवाड़े की परतें खुलीं। विभाग का कहना है कि अयोग्य लोगों की भारी भीड़ के कारण राशन का कोटा फुल हो गया था, जिससे वास्तविक पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित रह जाते थे। इस बड़ी कार्रवाई का सबसे सुखद पहलू यह है कि अब प्रदेश के लगभग 14 लाख नए और पात्र लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। वर्तमान में मध्य प्रदेश में करीब 1.31 करोड़ राशन कार्ड धारक हैं, जिन्हें 28 विभिन्न श्रेणियों के तहत हर महीने मुफ्त अनाज दिया जाता है। प्रशासन का मानना है कि इस शुद्धीकरण अभियान से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और सरकारी संसाधन सीधे उन लोगों तक पहुँचेंगे जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

नर्मदापुरम में बनेगा देश का करेंसी पेपर

1788 करोड़ से अपग्रेड होगा सिक्योरिटी पेपर मिल, लगेगी हाईटेक मशीन

भोपाल। मध्य प्रदेश का नर्मदापुरम अब नोटों के कागज बनाने के मामले में पूरे देश में नई पहचान दर्ज कराएगा। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने नर्मदापुरम की सिक्योरिटी पेपर मिल यानि प्रतिभूति कागज कारखाना के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए कुल 1788 करोड़ रुपये की राशि को संसद में मंजूर किया है। इस राशि से सिक्योरिटी पेपर मिल में पूरे कागज कारखाने का अपग्रेडेशन होगा। वहीं नोटों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए नई मशीन भी लगाई जायेगी।

नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नर्मदापुरम के प्रतिभूति कागज कारखाना के आधुनिकीकरण और विस्तार की मांग उठाई थी। उन्होंने इस बात को लोकसभा में वित्त मंत्रालय के समक्ष भी उठाया था। लंबे समय से इसकी मांग चल रही थी। इसी मांग के चलते केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सहमति के बाद अब सिक्योरिटी पेपर मिल नर्मदापुरम के विकास और नई पेपर मशीन की स्थापना की मांग को देखते हुए वित्त मंत्रालय ने स्सिक्योरिटी पेपर मिल के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए 1788 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी. इस राशि का उपयोग कारखाने की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने के लिए होगा. इस परियोजना से सिक्योरिटी पेपर मिल का विकास होगा, जिसका उद्देश्य देश में बैंक नोटों और अन्य सुरक्षा-संबंधित कागजात की बढ़ती मांग को पूरा करना है. इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास और रोजगार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

नर्मदापुरम का प्रतिभूति कागज कारखाना भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) की एक प्रमुख इकाई है, जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील कागज आवश्यकताओं की पूर्ति करती है. यहां वर्तमान में संचालित पुरानी मशीनों के स्थान पर नवीन अत्याधुनिक पेपर मशीन की स्थापना से उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. इस परियोजना से न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा सुदृढ़ होगी, बल्कि नर्मदापुरम क्षेत्र में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, औद्योगिक सुदृढ़ीकरण, स्थानीय युवाओं को तकनीकी अवसर तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी. इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा केंद्रीय मंत्रिमंडल एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया गया है. सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि यह निर्णय नर्मदापुरम को औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाने वाला सिद्ध होगा।

इंदौर में दूषित जल पीने से हुई मौत मामले की न्यायिक जांच कराए, दिग्विजय सिंह की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने इंदौर में दूषित जल पीने से हुई मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार पड़ने के मामले की न्यायिक जांच करने की मांग कर दी है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि इंदौर मेरे बचपन का शहर, मेरे राज्य का सबसे विकसित शहर और देश का सबसे स्वच्छ शहर है। इंदौर को मिनी मुंबई कहा जाता है, और उसी इंदौर शहर में 18 लोग गंदा पानी पीने से मर जाते हैं। जब तक आंकड़ा 2-4 मौत का रहा, किसी ने सांस नहीं ली, लेकिन जब मौतों की गिनती बढ़ने लगी, तब जिम्मेदारी की टोपी सब दूसरे को पहनाना शुरू कर दिया। मोहन सरकार के मंत्री ने अफसर को, अफसर ने मेयर को, मेयर ने व्यवस्था को और इन सब के बीच बात घंटे की लड़ाई पर उलझ गई। इंदौर के प्रभारी मंत्री पर सवाल उठाकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने कहा कि मुख्यमंत्री से कोई सवाल नहीं पूछ रहा कि वे हर दूसरे दिन शहर में आते हैं और वे महज मौत का मुआवजा देकर चुप क्यों हो गए?

ईरानी डेरे के आरोपियों की जमानत निरस्त कराने पुलिस पहुंची कोर्ट

भोपाल। शहर की अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे से पकड़े गए आरोपियों की फर्जी तरीके से जमानत लेने के मामले में भोपाल पुलिस ने कोर्ट में उनकी जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन लगा दिया है। इतना ही नहीं फर्जी जमानतदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने 27 और 28 दिसंबर की दरमियानी रात करीब चार बजे पुलिस ने अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे पर दबिश दी थी। पुलिस को सूचना मिली थी, कि यहां देश के अलग-अलग शहरों के वांटेड बदमाश छिपे हुए हैं। हालात बेकाबू होने के बावजूद पुलिस ने मौके से 22 पुरुषों और 10 महिलाओं को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ बलवा, शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट, तोड़फोड़ और संगठित अपराध जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कई आरोपी पहले भी दूसरे शहरों और राज्यों में चोरी, लूट और ठगी की वारदातों में संलिप्त रह चुके हैं। 5 जनवरी को 10 आरोपियों की ओर से कोर्ट में जमानत याचिका दायर की गई। जमानत के लिए जमील रहमान खान नामक व्यक्ति को जमानतदार बताया गया और उसके नाम के भूमि संबंधी दस्तावेज कोर्ट में पेश किए गए। बाद में जांच में सामने आया कि जमील रहमान खान की दो साल पहले ही मौत हो चुकी है। इसके बाद किसी अन्य व्यक्ति को उसी नाम से कोर्ट में पेश कर जमानत पा ली गई। इसके अगले दिन 6 जनवरी को चार और आरोपियों को भी दूसरे फर्जी जमानतदार के जरिए राहत मिल गई।

भोपाल सहित 8 शहर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की श्रेणी में

- मप्र में प्रदूषण का लेवल बढ़ा...एनजीटी ने जताई चिंता- सरकार से मांगी रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रदूषण का लेवल बढ़ गया है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने भोपाल-इंदौर समेत 8 शहरों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताई है। साथ ही सरकार से 8 सप्ताह के अंदर रिपोर्ट मांगी है। वहीं एनजीटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए, राज्य सरकार और संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा एक ज्वाइंट कमेटी का गठन किया गया है।

प्रदेश में प्रदूषण का लेवल बढ़ गया है। एनटीजी ने भोपाल-इंदौर समेत 8 शहरों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई है। राजधानी भोपाल में वायु गुणवत्ता तय मानकों के नीचे है। एयर क्वालिटी इंडेक्स बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है, जो गंभीर पर्यावरणीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए संकट है।

ये शहर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की श्रेणी में

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सिंगरौली, सागर और देवास गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की श्रेणी में हैं। इनमें पीएम-10 का औसत 130-190 और पीएम 2.5 का 80-100 माइक्रोग्राम/घनमीटर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन 8 शहरों को 'नॉन-अटेनमेंट सिटी' घोषित किया है। आपको बता दें कि साल 2016 में 6 शहर थे अब 8 शहर हैं। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए हरित न्यायाधिकरण ने सरकार से 8 सप्ताह के अंदर रिपोर्ट मांगी है।

नकल करते पकड़े गए तो रद्द होगा पूरा रिजल्ट

बोर्ड परीक्षा में सख्ती के कड़े निर्देश, माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी किया आदेश

भोपाल। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नकल के मामलों पर कड़े निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े जाने के साथ यदि कोई परीक्षार्थी शिक्षक, केंद्राध्यक्ष या परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मचारियों से बदतमीजी या उद्दंड व्यवहार करता है, तो उसका संपूर्ण परीक्षाफल निरस्त किया जा सकता है। मंडल के इस आदेश से नकल करने और कराने वालों में हड़कंप मच गया है।

मंडल द्वारा सभी प्राचार्यों, मूल्यांकन अधिकारियों और परीक्षा केंद्राध्यक्षों को जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में नकल प्रकरणों के लिए अलग-अलग स्तर की कार्रवाई तय की गई है। यदि किसी परीक्षार्थी से एक विषय में नकल सामग्री बरामद होती है, वह चिट निगल लेता है, उत्तर पुस्तिका बदलता या फाड़ देता है, उत्तर पुस्तिका लेकर भाग जाता है, और उस विषय में नकल प्रमाणित होती है, तो उस विषय की परीक्षा निरस्त कर परीक्षाफल में 'कैंसिल' दर्ज किया जाएगा। एक से अधिक विषयों में नकल प्रमाणित होने अथवा किसी एक या एक से अधिक विषयों में नकल के साथ उद्दंडता पाए जाने पर छात्र की सभी विषयों की परीक्षा और पूरा परीक्षाफल निरस्त कर दिया जाएगा। मंडल ने यह भी स्पष्ट किया है कि नकल प्रकरण दर्ज होने की स्थिति में संबंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं कराया जाएगा।

सामूहिक नकल पर पूरे केंद्र पर कार्रवाई

परीक्षा के दौरान यदि कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, केंद्राध्यक्ष या निरीक्षण दल द्वारा किसी परीक्षा केंद्र पर एक या अधिक विषयों में सामूहिक नकल की रिपोर्ट दी जाती है और जांच में इसकी पुष्टि होती है, तो उस केंद्र के सभी संबंधित छात्रों की संपूर्ण विषयों की परीक्षा और परीक्षाफल निरस्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक या परीक्षा कार्य में संलग्न किसी भी कर्मचारी की लापरवाही या सामूहिक नकल में सहयोग सामने आने पर जांच के बाद उन्हें आगामी पांच वर्षों तक मंडल के परीक्षा कार्यों से वंचित किया जाएगा।

एक जैसी भाषा शैली भी मानी जाएगी सामूहिक नकल

मूल्यांकन के दौरान यदि किसी परीक्षा केंद्र की कम से कम 10 उत्तर पुस्तिकाओं में एक-तिहाई उत्तर एक जैसी भाषा शैली, समान तरीके और एक जैसी प्रस्तुति में लिखे पाए जाते हैं, भले ही प्रश्नपत्रों का क्रम बदला हुआ हो, तो इसे सामूहिक नकल की श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित छात्रों की अन्य विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की भी जांच की जाएगी और सामूहिक नकल सिद्ध होने पर परीक्षाफल निरस्त किया जाएगा।

इंदौर की त्रासदी से जागी सरकार, अब प्रदेश के हर गांव में होगी पानी की जांच, 15 फरवरी तक चलेगा अभियान

भोपाल। इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 20 मौतों से सबक लेते हुए सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगरीय क्षेत्र के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेयजल व्यवस्था की जांच होगी। इसके लिए पूरे प्रदेश में पेयजल की गुणवत्ता जांचने का अभियान चलाया जाएगा। यह 15 फरवरी तक चलाया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए इसकी तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री प्रहलाद पटेल ने बैठक में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। 15 फरवरी तक जल स्रोतों की सैंपलिंग कर जांच कराई जाए। अप्रैल में फिर जल गुणवत्ता की समीक्षा की जाए। विकसित भारतरोजगारंटी फार रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक (जी राम जी) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि भारत सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी प्रशासनिक, तकनीकी एवं कार्यात्मक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएं। अधिकारी प्रतिमाह मैदानी दौरे कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति देखें, ताकि जिलों में किए जा रहे अच्छे कामों को अन्य जिलों में भी लागू किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर अनियमितता या गड़बड़ी मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाए।

भोपाल में 11 और 12 को होगा मप्र स्टार्ट अप समिट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विकसित एमपी 2047 विजन को सकारात्मक गति देने और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को अगले स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से 11 एवं 12 जनवरी 2026 को भोपाल के रवींद्र भवन में मध्य प्रदेश स्टार्ट-अप समिट 2026 का आयोजन होने जा रहा है। 12 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसमें सहभागिता करेंगे। समिट में राज्य एवं देश भर से स्टार्ट-अप्स, निवेशक, इनक्यूबेटर्स, उद्योग प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थान एवं अन्य हितधारक सहभागिता करेंगे। यह समिट स्टार्ट-

अप्स को निवेश, नेटवर्किंग, नीति संवाद एवं नवाचार प्रदर्शन का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश स्टार्ट-अप नीति का फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में विमोचन के साथ राज्य में नवाचार एवं उद्यमिता को एक नई दिशा प्राप्त हुई। नीति के सफल क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश के स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान एवं तीव्र गति प्राप्त हुई है। नवीन नीति से स्टार्ट-अप्स के प्रत्येक चरण के लिए वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन, निवेश, पेटेंट सहयोग एवं बाजार से जुड़ाव जैसे अनेक सशक्त प्रावधान सुनिश्चित किए गए, जिससे प्रदेश में नवाचार-आधारित आर्थिक विकास को गति मिली है।

स्टार्ट-अप रोजगार सृजन की आधारशिला

आयुक्त एमएसएमई दिलीप कुमार ने स्टार्ट-अप्स, नव प्रवर्तकों, उद्यमियों, निवेशकों, इनक्यूबेटर्स एवं स्टार्ट-अप इको-सिस्टम से जुड़े हितधारकों का आह्वान किया है कि वे इस स्टार्ट-अप समिट में सक्रिय रूप से सहभागिता करें। आयुक्त एमएसएमई ने कहा कि स्टार्ट-अप्स नवाचार-आधारित विकास एवं रोजगार सृजन की आधारशिला है। यह समिट स्टार्ट-अप्स के लिए अपने विचारों, उत्पादों एवं समाधानों को प्रदर्शित करने, निवेशकों एवं नीति-निर्माताओं से संवाद स्थापित करने तथा मध्य प्रदेश के सशक्त स्टार्ट-अप इको-सिस्टम का हिस्सा बनने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

जनता करे सफाई..तो लौटाओ टैक्स की कमाई

भोपाल। भाजपा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का यह बयान शर्मनाक है कि जनता को स्वयं अपनी पानी की टंकियां साफ रखना चाहिए, हर काम सरकार के भरोसे नहीं होता, दायित्वहीनता और ढीटपने का प्रमाण है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने इस बयान की निंदा करते हुए कहा कि अगर ज्ञानेश्वर पाटिल चाहते हैं कि जनता स्वयं इन जिम्मेदारियों को वहन करे तो जनता से वसूल किए जाने वाला टैक्स वसूलना बंद कर दें तथा संविधान से पीने के पानी का मौलिक अधिकार संसद में बिल पास करके हटा दें। गुप्ता ने मांग की कि मोदी जी को तत्काल ऐसे सांसदों पर कार्रवाई करनी चाहिए जो जनता को गिनीपिग समझते हैं और व्यवस्था को अपनी दासी। जनता टैक्स इसीलिए देती है ताकि जनसेवक उससे जनता की सेवा कर सकें अगर सेवा करने में उन्हें गुरेज है तो इस्तीफा देकर स्वयं जनता में शामिल हो जाएं। इस तरह के बयानों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी घर घेरो अभियान चलाएगी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। ।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

मांजरेकर ने विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर उठाये सवाल

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये था। उन्होंने संन्यास का फैसला हड़बड़ी में कर दिया जबकि उनके साथ के स्टार खिलाड़ी अभी खेल रहे हैं। मांजरेकर के अनुसार फैब फोर का हिस्सा रहे विराट के साथी इंग्लैंड के जो रूट, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आज भी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। हाल ही में एशेज सीरीज़ के पांचवें टेस्ट में रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक जबकि स्मिथ ने 37वां टेस्ट शतक लगाया है।

मांजरेकर के अनुसार विराट अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेल रहे हैं। आज के दौर में इसमें काफी कम मुकाबले होते हैं जिससे ये सबसे आसान दौर हैं। मांजरेकर ने सोशल मीडिया में कहा ,卐 आजक जब रूट टेस्ट क्रिकेट में नई ऊँचाइयों को छू रहे हैं, तो मेरा ध्यान विराट की ओर जाता है। तब लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट समय से पहले ही छोड़ दिया। संन्यास से पहले वह रनों के लिए संघर्ष कर रहे थे पर उन्होंने यह समझने का पूरा प्रयास नहीं किया कि रन किस कारण नहीं बन रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि यह चर्चा फिर कभी हो सकती है कि विराट क्या बेहतर कर सकते थे पर मुझे सिर्फ इस बात का दुख है कि जो रूट, स्मिथ और विलियमसन जैसे खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं, वहीं विराट ने ये अवसर खो दिया। मांजरेकर ने यह भी कहा कि अगर विराट ने तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लिया होता, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती। अगर विराट कोहली ने पूरी तरह क्रिकेट से संन्यास ले लिया होता, तो वह ठीक था पर उन्होंने केवल टेस्ट क्रिकेट छोड़ा और एकदिवसीय खेलना जारी रखा जो मुझे अजीब लगा।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी। इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये है। उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने

होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

इंग्लैंड के वर्तमान डब्ल्यूटीसी चक्र में 11 और टेस्ट मैच खेलने हैं, यानी रूट के पास 22 पारियों का मौका है, जिससे वह 15,921 के आंकड़े के और करीब पहुंच सकते हैं। 2021 से अब तक, रूट निस्संदेह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज़ रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ साल में 6114 रन 56.09 की औसत से बनाए हैं, जिसमें 24 शतक शामिल हैं। यानी 2013 से 2020 के बीच उनके खाते में 17 शतक थे, जबकि अगले पांच वर्षों में उन्होंने 24 शतक जड़ दिए।अगर वह इसी रफ्तार से चलते रहे, तो उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए केवल 35 और टेस्ट पारियों की जरूरत होगी और वह इसे और जल्दी भी कर सकते हैं।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन। एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे।

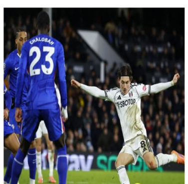

रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए। स्ट्रासबर्ग में भी उनकी टीम लीग की सबसे युवा टीमों में से एक रही।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई।

उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

वैभव और आरोन के शतकों से भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 233 रनों से हराया

बेनोनी। कप्तान वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज की शतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम को तीसरे और अंतिम यूथ एकदिवसीय मुकाबले में 233 रनों से हरा दिया। इस इस जीत के साथ ही भारतीय अंडर 19 टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव और आरोन के शतकों से विशाल स्कोर बनाया। दोनो के बीच ही 227 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। वैभव ने 63 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और वह 127 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में वैभव ने 9 चौके और 10 छक्के लगाये। वहीं आरोन ने 118 रन बनाए। इसके बाद वेदांत त्रिवेदी 34, अभिज्ञान कुंडू 21 व अन्य बल्लेबाजों के रन बनाने से भारतीय टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 393 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका अंडर19 टीम 160 रन पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से किशन कुमार सिंह और हेनिल पटेल ने शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीकी टीम पर दबाव बना दिया। सलामी बल्लेबाज डेनियल बॉसमैन 40, पॉल जेम्स 41 और कॉर्न बोथा 36 रन ही

एथलीट जिन्सन जॉनसन ने खेल को अलविदा कहा

नई दिल्ली। एथलीट जिन्सन जॉनसन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसी के साथ ही जॉनसन का 15 साल का कैरियर समाप्त हो गया है। एशियाई खेलों में तीन बार के पदक विजेता धावक जिन्सन जॉनसन ने रियो ओलंपिक 2016 में 800 मीटर स्पर्धा में भी भारत का प्रतिनिधितत्व किया था। वह साल 1980 में श्रीराम सिंह के बाद 800 मीटर में ओलंपिक क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट थे। अपने करियर के दौरान जिन्सन ने 1500 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने साल 2019 में बर्लिन मीट में 3 घंट 35 मिनट और 24 सेंकेंड का समय निकालर बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। इस एथलीट ने तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। इसमें स्वर्ण पदक- 1500 मीटर (जकार्ता 2018), रजत पदक- 800 मीटर (जकार्ता 2018), कांस्य पदक- 1500 मीटर (हांगझोउ 2023). इसके अलावा उन्होंने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी 2015 में रजत

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए वडोदारा पहुंचे विराट

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए वडोदारा पहुंच गये है। यहां पहुंचने पर विराट का शानदार स्वागत हुआ। जैसे ही विराट हवाई अड्डे पर पहुंचे, उन्हें देखने के लिए भारी तादाद में प्रशंसक पहुंय गये। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों को खासी मेहनत करनी

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरु हो रही है। इसका पहला मैच वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस सीरीज में घरेलू हालातों में जीत का प्रयास करेगी। विराट अब केवल एकदिवसीय सीरीज खेलते हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य एकदिवसीय प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। हाल में जिस प्रकार से विराट ने विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से 15 साल बाद लिस्ट-ए क्रिकेट में वापसी करते हुए एक शतक और अर्धशतक लगा है । उससे प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट एकदिवसीय सीरीज में आक्रामक पारी खेलेंगे।

विराट कोहली अगर पहले ही मैच में 25 रन बना लेते हैं तो उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 पूरे हो जाएंगे। इससे वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद इतने रन बनाने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज़ बन जाएंगे।विराट ने अब तक 623 पारियों में 27,975 रन बना चुके हैं, जिसमें उनके नाम 84 शतक और 145 अर्धशतक हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर ने 28,000 रन 644 पारियों में और संगकारा ने 666 पारियों में बनाये थे। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ विराट कोहली का वनडे रिकॉर्ड काफी अच्छा है जिससे प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह बड़ी पारी खेलेंगे। है।

आईएसएल फुटबॉल लीग 14 फरवरी से शुरु होगी - मंडाविया

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल लीग की शुरुआत अगले माह 14 फरवरी 2026 से होगी। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने पिछले काफी समय से रुकी इस लीग को शुरु करने की घोषणा की। इस घोषणा से फुटबॉल खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने राहत की सांस ली है। आईएसएल पिछले काफी समय से रुका हुआ है। इसका कारण फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और ऑल इंडिया फुटबॉल फ ड र श न (एआईएफएफ) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण का मामला अटका होना था। एफएसडीएल ने एमआरए की अवधि समाप्त होने का हवाला देते हुए कहा था कि सत्र को तय समय पर शुरु नहीं किया जा सकता है। लीग में आईएसएल में शामिल सभी 14 क्लब भाग लेंगे। इनमें मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एफसी, इंटर काशी एफसी, मुंबई सिटी एफसी, चेन्नईयिन एफसी, एससी दिल्ली, बेंगलुरु एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, जमशेदपुर एफसी, ओडिशा एफसी, केरल ब्लास्टर्स, एफसी गोवा शामिल हैं।

लीग का आयोजन सिंगल-लेग होम एंड अवे प्रारुप में ही किया जाएगा।

लीग में कुल 91 मुकाबले खेले जाएंगे। हालांकि, मैचों के आयोजन स्थल के साथ ही मंडाविया ने कहा, अदालती विवाद के कारण इंडियन सुपर लीग को लेकर काफी अनिश्चितता थी, लेकिन सरकार, एआईएफएफ और सभी 14 क्लबों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर यह फैसला लिया गया है कि लीग फिर से शुरू होगी क्योंकि सभी क्लब खेलना चाहते हैं।इससे पहले कई दिग्गज फुटबॉलरों ने कहा था कि लीग नहीं होने से खिलाड़ियों का भविष्य संकट में घिरा हुआ है। इसलिए इस मामले में विश्व फुटबॉल संस्था पीछा हस्तपेक्ष करे।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

सिडनी। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित

करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए। ख्वाजा ने अपने करियर में 2 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं टी20 में उनके 241 रन हैं। ख्वाजा ने घरेलू बिग बैश लीग में भी खेलते हुए 70 मैचों में 2132 रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल, वैटालिटी ब्लास्ट, पाकिस्तान सुपर लीग और आईपीएल में भी उन्होंने खेला है।

जेएसडब्लयू हॉकी क्लब ने श्राची बंगाल को 3-2 से हराया

रांची। जेएसडब्लयू सूरमा हॉकी क्लब ने महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अपने अंतिम मैच में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3ङ्क2 से हरा दिया। जेएसडब्लयू के लिए ये मैच औपचारिक था क्योंकि वह पहले ही टूर्नामेंट की खिताबी दौड़ से बाहर हो गयी थी। इसके बाद भी अपने अंतिम मुकाबले में जेएसडब्लयू ने पूरी ताकत से खेला। दोनो ही टीमों ने पहले क्वार्टर में गोल के प्रयास किये पर कोई भी सफल नहीं रही। मैच के 35वें मिनट में श्राची ने गोल कर जेएसडब्लयू को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद अगुस्तिना गोरजेलानी ने बंगाल टाइगर्स की ओर से एक गोल कर स्कोर 1ङ्क1 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर के अंतिम क्षणों में सूरमा को बढ़त हासिल करने का अवसर मिला पर मारिया ग्रानाटो का शॉट गोलपोस्ट के करीब से निकल गया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत जेएसडब्लयू ने जबरदस्त प्रयास किया और उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला पर टीम गोल नहीं कर पायी। 49वें मिनट में सूरमा को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार पेनी स्क्बि ने एक गोल कर अपनी टीम को 2ङ्क1 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भी जेएसडब्लयू ने 53वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिसपर मारिया ग्रानाटो ने गोल कर स्कोर 3ङ्क1 पहुंचा दिया। वहीं दूसरी ओर श्राची बंगाल टाइगर्स ने मैच समाप्त होने के एक मिनट पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग दिया।

नेशनल पिस्टल कोच यौन शोषण के आरोप में निलंबित

नई दिल्ली। नेशनल पिस्टल कोच अंकुश भारद्वाज को नाबालिग के यौन शोषण के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। अंकुश पर एक 17 साल की राष्ट्रीय स्तर की एक पिस्टल निशानेबाज ने शोषण के आरोप लगाये हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी कोच के खिलाफ पौस्के एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने तत्काल प्रभाव से कोच को निलंबित भी कर दिया। गौरतलब है कि कोच और उसके परिवसर ने इस मामले में शिकायत दर्ज करायी थी। पुलिस इस मामले की जांच में लगी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मामला राजधानी के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज का है। कोच पर आरोप है कि उसने 17 साल की महिला निशानेबाज को खेल के बारे में चर्चा करने के बहाने एक होटल में बुलाकर उसका शोषण किया। साथ ही धमकी दी कि किसी को जानकारी देने पर उसका करियर बर्बाद कर देगा। वहीं राइफल संघ का कहना है कि जब तक जांच रिपोर्ट में स्थिति साफ नहीं हो जाती अंकुश को कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।

हटाया जाए जिला पंचायत सीईओ, अधिवक्ताओं की मांग

अधिवक्ता संघ ने सीईओ पर लगाया, अभद्र व्यवहार का आरोप

चरणबद्ध आंदोलन शुरू रखने,कार्यवाही ना होने पर हाईकोर्ट जाने की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों 6 जनवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में कथित रूप से पीड़ित पक्षकार के साथ गए अधिवक्ता का आवेदन स्वीकार न करने और कथित तौर पर अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है जहां इस मामले में एक दिन पूर्व ही अधिवक्ता संघ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर मामले में जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की थी। तो अब अधिवक्ता संघ द्वारा इस मामले को गंभीर बताते हुए सीईओ अभिषेक सराफ के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन किए जाने का ऐलान किया है। जिन्होंने इस घटना को शर्मनाक और निंदनीय बताते हुए जिला पंचायत सीईओ का स्थानांतरण किए जाने की मांग की है, तो वहीं उन्होंने जल्द से जल्द मामले का निराकरण न होने, और मामले में वैधानिक कार्यवाही न होने पर उच्च न्यायालय की शरण लिए जाने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी जिला अधिवक्ता संघ द्वारा गुरुवार को बार रूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी गई।

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रजीत गौतम और अनूप सिंह बैस ने संयुक्त रूप से बताया कि जनसुनवाई में जनता की सुनवाई होनी चाहिए, जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करना अधिकारियों का काम है। लेकिन जब कोई आवेदक जनसुनवाई में आवेदन के लिए जाता है तो उनसे दुर्व्यवहार किया जाता है और उनके प्रकरणों पर सुनवाई नहीं होती,जब एक पीड़ित व्यक्ति अपने अधिवक्ता के साथ आवेदन देने जनसुनवाई में गया तो सीईओ ने उनका आवेदन लेने से ही इनकार कर दिया। साथ ही पक्षकार के सामने ही अधिवक्ता के खिलाफ अभद्र ,आमर्यादित और अशोभनीय भाषा का उपयोग किया गया।उन्होंने आगे बताया कि पीड़ित जो शिकायत लेकर गया था, उसमें जो अनावेदक है वह भी एक अधिकारी है उसको बचाने के लिए अधिवक्ता और पीड़ित व्यक्ति का आवेदन नहीं लिया गया जो की पूर्णता गलत है। ऐसे अधिकारी को बालाघाट में रहने का कोई अधिकार नहीं है, इसका तत्काल स्थानांतरण करना चाहिए।साथ ही इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो अधिवक्ता संघ द्वारा जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ शुरू किया गया यह चरणबद्ध आंदोलन आगे भी जारी रखा जाएगा।यदि इससे भी इंसाफ नहीं मिलता, तो फिर अधिवक्ता संघ न्याय पाने के लिए निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालय तक जाने के लिए भी तैयार है।

राष्ट्रीय युवा दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

12 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने दिए आवश्यक निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में राष्ट्रीय युवा दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 08 जनवरी को जिले की समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराना रहा। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने राष्ट्रीय युवा दिवस के आयोजन से संबंधित तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस युवाओं को प्रेरणा देने एवं उनके सर्वांगीण विकास का संदेश देने का महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। समीक्षा बैठक में स्वामी विवेकानंद के विचारों पर आधारित कार्यक्रमों तथा स्वच्छता, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने शासकीय के साथ-साथ अशासकीय संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, युवा संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक युवा राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रमों से जुड़ सकें।

इंडिगो के बेड़े में शामिल हुई देश का पहली एयरबस, 244 यात्रियों के बैठने की क्षमता

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने विमानन जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने भारत का पहला एयरबस ए321एक्सएलआर (एक्स्ट्रा लॉन्ग रेंज) एयरक्राफ्ट अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। हाल ही में यह आधुनिक विमान दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा, जिससे इंडिगो लंबी दूरी की नॉन-स्टॉप उड़ानें भरने वाली देश की पहली किफायती एयरलाइन बनने की दिशा में अग्रसर हो गई है। सोशल मीडिया पर विमान के आगमन का वीडियो साझा करते हुए कंपनी ने इसे भारतीय नागरिक उड्डयन के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। यह विमान अपनी श्रेणी में दुनिया का सबसे लंबी दूरी तय करने वाला नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट माना जाता है।

ए321एक्सएलआर के जुड़ने से इंडिगो की परिचालन रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है। अब तक मुख्य रूप से कम दूरी और मध्यम दूरी की उड़ानों (शॉर्ट और मीडियम हॉल) के लिए पहचानी जाने वाली यह एयरलाइन अब बिना रुके हजारों किलोमीटर का सफर तय कर सकेगी। इस विमान की मदद से दिल्ली या मुंबई जैसे शहरों से एथेंस, रोम या सियोल जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें संचालित

करना संभव हो जाएगा। इससे यात्रियों को न केवल कम समय में लंबी दूरी तय करने का विकल्प मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय रूट पर प्रतिस्पर्धा बढ़ने से किराए में भी कमी आने की संभावना है।

इस विमान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ईंधन दक्षता है। एयरबस के अनुसार, ए321एक्सएलआर पुराने पीढ़ी के विमानों की तुलना में 30 प्रतिशत कम ईंधन की खपत करता है और उड़ान के दौरान होने वाले शोर को भी 50 प्रतिशत तक कम करता है। 44.41 मीटर लंबे इस विमान का अधिकतम टेक-ऑफ वजन 101.5 टन है। कम ईंधन खपत और लंबी दूरी तय करने की क्षमता के कारण यह एयरलाइन के लिए परिचालन लागत को कम करने में बेहद मददगार साबित होगा। इंडिगो ने भविष्य के लिए अपनी विस्तार योजनाओं को भी स्पष्ट कर दिया है। कंपनी का लक्ष्य अक्टूबर 2026 तक अपने बेड़े में चौड़ी बॉडी (वाइड-बॉडी) वाले विमानों की संख्या बढ़ाकर 60 तक पहुँचाने का है। वर्तमान में इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है और 900 से अधिक नए विमानों के ऑर्डर कतार में हैं। साल 2025 में 12.3 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवाएं देने के बाद, अब इंडिगो की नजरें वैश्विक बाजार पर टिकी हैं। नए बेड़े के साथ कंपनी भारत को एक वैश्विक विमानन हब के रूप में स्थापित करने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही है।

बिना रुके 8,700 किमी का सफर

तकनीकी विशिष्टताओं की बात करें तो एयरबस ए321एक्सएलआर करीब 4,700 नॉटिकल मील (लगभग 8,700 किलोमीटर) की दूरी बिना रुके तय करने की क्षमता रखता है। यह विमान लगातार 11 घंटे तक आसमान में रह सकता है और एक साथ 244 यात्रियों को ले जा सकता है। इंडिगो ने इस विमान में यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विशेष बदलाव किए हैं। इसमें आरामदायक चौड़ी सीटों के साथ-साथ प्रीमियम अनुभव के लिए बिजनेस क्लास का विकल्प भी दिया गया है।

इम्तियाज जलील पर हमले से भड़के औवेसी...

चुनाव में जनता वोट से जबाव देगी

छत्रपति संभाजी नगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष और सांसद इम्तियाज जलील पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। सांसद ओवैसी ने कायरतापूर्ण हमला बताकर कहा कि औरंगाबाद की जनता लोकतांत्रिक तरीके से वोट के माध्यम से इसका जवाब देगी। ओवैसी ने कहा कि यह हमला उन लोगों की हताशा को दिखाता है, जिन्हें अपनी हार साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड और पूरे औरंगाबाद के लोग एमआईएमआईएम के चुनाव चिह्न 'पतंग' पर वोट देकर साजिश करने वालों को जवाब देने वाले है। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से घटना के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके एक दिन पहले ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आज़ाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

औवेसी की पार्टी के सांसद जलील ने बताया कि रैली के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी और मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, इसके बावजूद 20 से 25 हथियारबंद लोगों ने रैली पर हमला किया। हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और वाहनों को निशाना बनाया, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। जलील ने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी से एआईएमआईएम की रैलियों को रोका नहीं जा सकता और पार्टी ने रैली शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की साजिश है। जलील ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाती है, तब पार्टी संयम बनाए रखेगी, लेकिन कार्रवाई न होने की स्थिति में आगे की रणनीति पर विचार होगा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा से जुड़े नेताओं पर एआईएमआईएम के बढ़ते जनाधार से घबराने का आरोप भी लगाया।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य के 29 नगर निगमों के चुनाव की घोषणा की है। इसमें बीएमसी, पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम शामिल हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

डीएफओ अरिहंत कोचर और कटंगी एसडीओ बालकराम सिरसाम का भी हुआ स्थानांतरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की स्थानांतरण सूची जारी की गई है। बीती देर शाम जारी की गई इस स्थानांतरण सूची में प्रदेश के 48 वन अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। जिसमें बालाघाट के दो अधिकारियों के नाम का भी समावेश है।मध्य प्रदेश शासन वन विभाग अपर सचिव राजेश बाथम द्वारा जारी की गई इस स्थानांतरण सूची के मुताबिक दक्षिण बालाघाट उत्पादन वन मंडल के वनमंडलाधिकारी अरिहंत कोचर का स्थानांतरण, दक्षिण बैतूल सामान्य वनमंडलाधिकारी के रूप में किया गया है। तो वही दक्षिण सामान्य कटंगी में पदस्थ उपवनमंडल अधिकारी बालकराम सिरसाम का स्थानांतरण,जिला भिण्ड के प्रभारी वन मंडलाधिकारी के रूप में किया गया है।जहां स्थानांतरण की सूची जारी कर वन विभाग द्वारा स्थानांतरित किए गए सभी अधिकारियों को यथाशीघ्र नवीन पदस्थापना का कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जब महिला ने जजों से कहा-यू गाइस,सभी चौंके पर बेंच ने मुस्कुराकर कहा- कोई बात नहीं

नई दिल्ली। कभी कभी ऐसे कई मौके आ जाते हैं जो अकल्पनीय होते हैं। ऐसा ही एक मौका सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों पर हो रही सुनवाई के दौरान देखा गया। जहां एक महिला ने बड़ी ही सहजता से जजों को यू गाइस कह दिया। जब वकीलों ने महिला को प्रोटोकाल याद दिलाया तो उसने कहा- मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। इसके लिए माफी चाहती हूं, तब जज ने मुस्कुराकर कहा कोई बात नहीं। मामले की गंभीरता और इस पर अदालत के हस्तक्षेप के लिए पीठ का आभार जताते हुए एक महिला भावुक हो गईं।

उच्चतम न्यायालय में बुधवार को आवारा कुत्तों की समस्या जैसे गंभीर विषय पर सुनवाई के दौरान एक बेहद मानवीय और दिलचस्प वाकया आया। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के समक्ष इस मुद्दे पर विभिन्न पक्ष अपनी दलीलें और सुझाव रख रहे थे। इसी दौरान एक महिला ने अनजाने में अदालत के सदियों पुराने कड़े प्रोटोकॉल को तोड़ दिया, जिसे जजों ने बहुत ही उदारता और सहजता से स्वीकार किया। मामले की गंभीरता और इस पर अदालत के हस्तक्षेप के लिए पीठ का आभार जताते हुए एक महिला भावुक हो गईं। अपनी बात रखते हुए उन्होंने औपचारिक संबोधन के बजाय अनजाने में बेंच को यू गाइस (आप लोग) कहकर संबोधित कर दिया। अदालत की गरिमा और तय मर्यादा के अनुसार, जजों को केवल मिलॉर्ड, योर लॉर्डशिप या योर ऑनर जैसे शब्दों से ही संबोधित किया जाता है। महिला के मुंह से आम बोलचाल वाले शब्द सुनते ही वहां मौजूद वरिष्ठ वकील और अन्य लोग हैरान रह गए। वकीलों ने तुरंत महिला को टोकते हुए उन्हें कोर्ट रूम के तय शिष्टाचार की याद दिलाई। अपनी भूल का एहसास होते ही महिला असहज हो गईं और तुरंत माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें अदालती नियमों की विस्तृत जानकारी नहीं थी। इस स्थिति को बिगड़ते देख जस्टिस विक्रम नाथ ने बेहद शालीनता का परिचय दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए महिला को सांत्वना दी और कहा, कोई बात नहीं, यह बिल्कुल ठीक है। उन्होंने औपचारिकता में उलझने के बजाय महिला को अपनी बात जारी रखने को कहा और कार्यवाही को आगे बढ़ाया। सुप्रीम कोर्ट में आमतौर पर प्रोटोकॉल को लेकर बहुत सख्ती बरती जाती है, लेकिन जस्टिस विक्रम नाथ के इस व्यवहार की कानून के गलियारों में काफी सराहना हो रही है।

तेलंगाना के रंगारेड्डी में भयानक सड़क हादसा, चार छात्रों की मौत पर मौत...एक महिला मित्र घायल

रंगारेडडी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मोकिला इलाके में भयानक सड़क हादसे में चार कॉलेज छात्रों की जान चली गई, जब उनकी कार मिर्जागुडा के पास एक पेड़ से टकरा गई। सभी पीड़ित, जो पास के संस्थानों के युवा स्टूडेंट्स थे, एक साथ यात्रा कर रहे थे, एक घायल बच गया है। यह दुखद घटना रंगारेड्डी जिले में मोकिला पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर हुई, जब एक कार सड़क से उतरकर मिर्जागुडा के पास पेड़ से टकरा गई। कार में सवार एक को छोड़कर बाकी सभी चार लोगों को मौके पर ही मौत हो गई। जिससे इस रास्ते पर तेज रफ़्तार से यात्रा करने के खतरों का पता चलता है। चश्मदीदों ने बताया कि गाड़ी का कंट्रोल खो गया था, जिससे यह जानलेवा टक्कर हुई।

यह हादसा मृतकों में से एक के जन्मदिन के जश्न के बाद हुआ। इस ग्रुप में एक महिला भी शामिल थी और वे मोकिला से नरसिंगी की ओर जा रहे थे, तभी गुरुवार को रात करीब 1 बजे हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, पांच छात्र एक एसयूवी में सवार थे, तभी गाड़ी तेज रफ्तार से एक पेड़ से टकरा गई। अधिकारी अभी यह पता लगा रहे हैं कि क्या यह हादसा शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह से हुआ था।

मृतकों की पहचान करगयाला सुमित (20), बीबीए फाइनल ईयर का छात्र, विनय कुमार का बेटा, नारसिंगी का रहने वाला है। श्री निखिल (20), फाइनल ईयर का छात्र, स्वर्गीय विजय का बेटा, नारसिंगी का रहने वाला।

बालमूरी रोहित (18), इंजीनियरिंग का छात्र, विद्यासागर राव का बेटा, राजापुष्पा निवासी। देवालय सूर्या तेजा (20), बीबीए के दूसरे साल का छात्र, अरुण कुमार का बेटा, मंचिरियाल का रहने वाला। ये सभी युवा, जिनकी उम्र 18-20 साल थी, नारसिंगी, कोकापेट और मंचिरियाल इलाकों के रहने वाले थे, जिनमें से कई स्टूडेंट हॉस्टल में रहते थे।

अकेली घायल यात्री, सुनकारी नक्षत्रा (20), फाइनल ईयर की छात्रा और रविंद्र की बेटी है, को मेडिकल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत अभी भी निगरानी में है। परिवारों को सूचित कर दिया गया है और काउंसलिंग सहायता की व्यवस्था की जा रही है।

जज केस कांड, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-जवाब देने के लिए समय बढ़ाने से इनकार, जस्टिस वर्मा ने महाभियोग को चुनौती दी थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया। उन्हें 12 जनवरी को संसदीय समिती के सामने जवाब देना है।

दरअसल, जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है। एक दिन पहले, 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया।

मददगार बना भारत, बांग्लादेश को 1.80 लाख टन डीजल देगा

नई दिल्ली। भारत ढाका की मदद करने में पीछे नहीं है। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव के बावजूद, दोनों देशों के आर्थिक और ऊर्जा संबंध मजबूत बने हुए हैं। अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बांग्लादेश ने एक बार फिर भारत का रुख किया है। बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) ने भारत की सरकारी तेल कंपनी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) से वर्ष 2026 के लिए 180,000 मीट्रिक टन डीजल आयात करने का बड़ा फैसला लिया है।

इस महत्वपूर्ण सौदे को 6 जनवरी को ढाका में आयोजित सरकारी खरीद सलाहकार समिति की बैठक में मंजूरी दी गई, जिसकी अध्यक्षता वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने की। इस आयात की कुल अनुमानित लागत लगभग 14.62 अरब टका (करीब 119.13 मिलियन डॉलर) आंकी गई है। हालांकि, यह अंतिम लागत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर बदली जा सकती है। सौदे की शर्तों के अनुसार, इसे 83.22 डॉलर प्रति बैरल की बेस कीमत पर 5.50 डॉलर प्रति बैरल के प्रीमियम पर तय किया गया है। बांग्लादेश सरकार इस भुगतान का एक हिस्सा बीपीसी के बजट से करेगी, जबकि बाकी की राशि बैंक ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान ने इस सौदे की पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया कि यह आयात पिछली सरकार के दौरान हस्ताक्षरित 15 वर्षीय दीर्घकालिक समझौते के तहत किया जा रहा है। असम स्थित नुमालीगढ़ रिफाइनरी, जो ऑयल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है, इस आपूर्ति की जिम्मेदारी संभालेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन ने दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग की तस्वीर बदल दी है। असम की रिफाइनरी से निकलने वाला डीजल पहले सिलीगुड़ी तक पहुंचाया जाता है और वहां से इस पाइपलाइन के जरिए सीधे बांग्लादेश पहुंचता है। 2022-23 में चालू हुई इस पाइपलाइन ने न केवल परिवहन में लगने वाले समय को कम किया है, बल्कि रेलवे वैगनों पर निर्भरता खत्म कर लागत में भी भारी बचत की है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर कड़ा रुख देखा जा रहा है। इसके बावजूद, बांग्लादेश की सालाना डीजल मांग का एक बड़ा हिस्सा भारत से पूरा होना यह दर्शाता है कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतें अक्सर राजनीतिक मतभेदों पर भारी पड़ती हैं। भारत बांग्लादेश के लिए एक विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत बना हुआ है, जो पड़ोसी देश की औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को गति देने में सहायक है।

मप्र में बर्फ जमा देने वाली सर्दी...खजुराहो सबसे ठंडा

-मप्र में पारा 2.7 डिग्री, उत्तराखंड में तापमान माइनस 21 डिग्री दर्ज

नई दिल्ली/भोपाल। पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश के शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश में कोहरे की वजह से गुरुवार सुबह 6 हादसे हुए। इनमें 14 गाडियां टकराईं और 7 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि इसमें 8 लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज जारी है। उधर, राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान बुधवार को 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। गुरुवार को 23 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

मध्यप्रदेश में घना कोहरा और तेज ठंड का असर बरकरार है। गुरुवार सुबह प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारे में गिरावट हुई। छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। सीहोर, छिंदवाड़ा, मुरैना में तो पौधों पर ओस की बूंदें बर्फ के रूप में जम गईं। इंदौर में कड़ाके की ठंड के चलते अब सुबह 9:30 बजे से पहले आठवीं तक की क्लासेस नहीं लगेंगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने ये आदेश जारी किए हैं।

20 से ज्यादा जिलों में घना कोहरा

मप्र में गुरुवार सुबह दतिया, खजुराहो, रीवा, सतना, रतलाम, नौगांव, सीधी, भोपाल, इंदौर, दमोह समेत 20 से ज्यादा जिलों में घना कोहरा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में ऐसी ही कड़ाके की ठंड पड़ेगी। 2-3 दिन के बाद असर और बढ़ जाएगा, क्योंकि हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। जब ये आगे बढ़ेगा तो बर्फ पिघलने लगेगी और बर्फीली हवा की रफ्तार भी बढ़ जाएगी। रीवा में 4.1 डिग्री, दतिया में 4.2 डिग्री, नौगांव-शिवपुरी में 5 डिग्री, उमरिया में 5.4 डिग्री और पचमढ़ी में 5.8 डिग्री रहा। बाकी शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे ही दर्ज किया गया। उत्तराखंड के 3 शहरों का तापमान -21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इनमें पिथौरागढ़ का आदि कैलाश, रुद्रप्रयाग का केदारनाथ और उत्तरकाशी का यमुनोत्री धाम शामिल है। उधर उत्तर प्रदेश में वाराणसी-मेरठ और झांसी समेत 38 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है। लखनऊ-कानपुर समेत 26 जिलों में कोल्ड डे रहेगा।

न्यूज गैलरी

कलेक्टर के आदेश, जिले में चाइनीज मांझे पर होगी सख्त रोक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मकर संक्रांति पर्व के दौरान पतंगबाजी से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मृणाल मीना ने आमजन की सुरक्षा को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले में चाइनीज मांझे पर पूर्णतः प्रतिबंध के आदेश जारी किये है। जारी आदेश के अनुसार जिले में नायलॉन, प्लास्टिक अथवा किसी भी प्रकार के सिंथेटिक पदार्थ से निर्मित पतंग उड़ाने वाले धागे (चाइनीज मांझा) के निर्माण, भंडारण, विक्रय एवं उपयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी। इस प्रकार का मांझा अत्यधिक धारदार होने के कारण आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों व युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा यह पशु-पक्षियों के लिए भी घातक है तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। मकर संक्रांति के दौरान केवल पारंपरिक सूती धागे से पतंग उड़ाने की अनुमति होगी, वह भी इस शर्त पर कि धागे में कांच, धातु अथवा किसी अन्य खतरनाक पदार्थ का प्रयोग न किया गया हो। किसी भी प्रकार का संशोधित या रासायनिक लेपित मांझा प्रतिबंधित रहेगा। जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में सघन निगरानी कर बाजारों में चाइनीज मांझे की बिक्री पर विशेष नजर रखे और अवैध रूप से मांझा बेचने या उपयोग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या दुकानदार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलेवासियों से अपील की गई है कि वे मकर संक्रांति का पर्व सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं तथा चाइनीज मांझे का उपयोग न कर सूती धागे का ही प्रयोग करें।

साइबर ठगों की एपीके फाईल से लूट जारी, फिर डेढ़ लाख की ठगी

... फिर एक लिंक ने लूट लिया!!

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और इन पर अभी तक प्रभावी रोक लगती नजर नहीं आ रही है। वर्ष 2026 की शुरुआत से लेकर बीते सात दिनों के भीतर ही जिले के कई नागरिक साइबर अपराधियों का शिकार हो चुके हैं, जिनसे लाखों रुपये की ठगी किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साइबर ठग विभिन्न तरीकों से आम नागरिकों को झांसे में लेकर उनके मोबाइल फोन को केपीके फाइल के माध्यम से हैक कर रहे हैं। जैसे ही पीड़ित व्यक्ति अनजान लिंक या फाइल को डाउनलोड करता है, उसके मोबाइल का नियंत्रण साइबर अपराधियों के हाथ में चला जाता है और बैंक खातों से रकम निकाल ली जाती है।

वर्ष 2026 में भी साइबर ठगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पुलिस और साइबर सेल द्वारा लगातार आमजन को सतर्क रहने, अनजान लिंक से बचने और संदिग्ध फाइल डाउनलोड न करने की सलाह दी जा रही है, इसके बावजूद लोग प्रलोभन में आकर साइबर अपराधियों के जाल में फंस रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरुआत के महज सात दिनों में ही जिले में साइबर ठगी से जुड़े 20 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। अधिकांश मामलों में ठगों द्वारा एपीके फाइल भेजकर मोबाइल फोन को हैक किया गया है। जैसे ही पीड़ित व्यक्ति फाइल डाउनलोड करता है, उसके मोबाइल का नियंत्रण साइबर अपराधियों के हाथ में चला जाता है और बैंक खातों से रुपये निकाल लिए जाते हैं। साइबर पुलिस ने बताया कि मोबाइल हैक होने के बाद साइबर अपराधी पीड़ित के फोन से ही उसके परिजनों और परिचितों को मैसेज भेजते हैं। संदेश परिचित व्यक्ति के नंबर से आता है, इसलिए

लोग बिना जांच-पड़ताल के लिंक या एपीके फाइल खोल लेते हैं और स्वयं भी साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं। इस तरह ठगी की घटना लगातार बढ़ती जा रही है। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर, सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश, स्कूलों और संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को सतर्क किया जा रहा है। इसके बावजूद लापरवाही और जल्दबाजी साइबर ठगों के लिए अवसर बनती जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से पुनः अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, संदिग्ध एपीके फाइल या ओटीपी साझा न करें, चाहे संदेश किसी परिचित के मोबाइल नंबर से ही क्यों न आया हो। यदि किसी के खाते से संदिग्ध लेन-देन होता है या साइबर ठगी की आशंका हो, तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं, नजदीकी पुलिस थाने एवं साइबर सेल से संपर्क करें।

डेढ़ लाख से अधिक की हुई फिर साइबर ठगी

साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। फिर दो अलग-अलग घटनाओं में ठगों ने पीड़ितों से लगभग डेढ़ लाख रुपये से अधिक की राशि हड़प ली। दोनों ही मामलों में मोबाइल हैकिंग और फर्जी संदेशों के जरिए ठगी को अंजाम दिया गया। पहला मामला मलाजखंड क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक पीड़ित को उसके दोस्त के नाम से मोबाइल पर संदेश प्राप्त हुए। बताया गया कि पीड़ित का दोस्त विदेश में रहता है और उसका वीजा समाप्त हो गया है। वीजा रिन्यूअल के लिए मदद मांगते हुए अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए राशि भेजने को कहा गया। दोस्त पर भरोसा कर पीड़ित ने करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में सामने आया कि मोबाइल हैक हो चुका था और पीड़ित को फर्जी संदेश भेजे जा रहे थे। इसी कारण वह साइबर ठगी का शिकार हो गया। दूसरा मामला भी मोबाइल हैकिंग से जुड़ा है। एक अन्य पीड़ित का मोबाइल हैक होने के बाद उसके बैंक खाते से लगभग 14 हजार रुपये की राशि साइबर ठगों द्वारा आहरित कर ली गई। पीड़ित को जब खाते से पैसे कटने का संदेश मिला, तब उसे ठगी की जानकारी हुई।

मोबाइल हैक होने पर तुरंत यह करें

साइबर सेल से मिल रही जानकारी के अनुसार अधिकांश मोबाइल एपीके फाइल और अज्ञात लिंक के माध्यम से हैक किए जा रहे हैं। ऐसे में यदि किसी को मोबाइल हैक होने की आशंका हो, तो सबसे पहले मोबाइल को एयरप्लेन मोड में डालें , सिम कार्ड निकाल दें। इसके बाद फोन की फाइल मैनेजर सेटिंग में जाकर संदिग्ध या अनजान एपीके फाइल को तुरंत डिलीट करें। यदि कॉल या मैसेज अपने आप फॉरवर्ड हो रहे हों, तो फोन की सेटिंग में जाकर कॉल और मैसेज फॉरवर्डिंग को जांचें और बंद करें। अगर व्हाट्सएप या अन्य एप्स असामान्य व्यवहार कर रहे हों या खुल नहीं रहे हों, तो बिना देरी किए नजदीकी साइबर सेल , अधिकृत मोबाइल सर्विस सेंटर में जाकर अपने मोबाइल की पूरी जांच कराएं।

दो नर-मादा तेंदुए की रहस्यमयी मौत की अब तक अनसुलझी गुत्थी

20 दिनों के भीतर बाघ सहित 3 की हो चुकी है मौत ; वन विभाग कागजी औपचारिकताओं में व्यस्त!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दो नर मादा तेन्दुओं की मौत अब तक संदेहों के आवरण में है। जिले में तेंदुए की मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि जिले के भीतर आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं जहां जंगल में तेंदुए का शव होने की जानकारी मिलती रहती है इस माह में 12 दिसम्बर को कटंगी में एक बाघ की मौत का मामला सामने आया था जहा दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के बोनकट्टा सर्किल के आंजनबिहरी बीट के कक्ष क्रमांक 562 में एक बाघ की करंट लगने से मौत हो गई थी। अभी इस पूरे मामले की जांच भी पूरी नहीं हो पाई थी कि 22 दिसंबर 2025 को वन परिक्षेत्र उत्तर लामता (सा.) अंतर्गत लामता भागङ्गा वृत्त के बीट जनमखार स्थित वनकक्ष क्रमांक 1284 में एक मृत तेंदुआ पाया गया था। 22 दिसंबर का यह मामला सुलझा भी नहीं था कि 31 दिसंबर की रात उत्तर सामान्य वन मंडल के अंतर्गत आने वाले मगरदर्श सर्किल के एक खेत में मादा तेंदुए का संदिग्ध अवस्था में शव पाया गया है कुल मिलाकर 22 दिनों के अंदर तीन वन्य प्राणियों की मौत हो चुकी है।

इस तरह बालाघाट में 23 दिसंबर को उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र लामता के जंगल में एक नर तेंदुआ संदिग्ध हालत में मृत मिला था। इसके बाद, 1 जनवरी को उत्तर सामान्य वनमंडल के दक्षिण लामता अंतर्गत मगदर्रा सर्किल से एक किलोमीटर दूर खेत में एक मादा तेंदुआ मृत पाई गई। हालांकि अब तक नर और मादा तेंदुए की मौत का रहस्य अब तक नहीं सुलझ पाया है।

अधिकारी बोले-पीएम रिपोर्ट से होगा मौत का खुलासा

यहाँ पदस्थ वनमंडलाधिकारी रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि दोनों तेंदुओं की पोस्टमॉर्टम (पीएम) रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है। रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। इस तरह जिले में वन्यजीवों की लगातार हो रही मौतों पर वन्यजीव प्रेमियों ने चिंता व्यक्त की है।

मृत प्राणियों की मौत के कई मामले दब गए

सूत्र बताते हैँ कि यह पहली बार नहीं है जब जिले में वन्यजीवों की मौत के मामले अनसुलझे रहे हैं। दक्षिण वनमंडल के कटंगी क्षेत्र में 12 दिसंबर को करंट लगने से एक सब-एडल्ट बाघ की मौत हो गई थी, जिसके आरोपी अब भी फरार हैं। इससे पहले, भी लालबर्रा परिक्षेत्र के सोनवानी अभयारण्य में एक बाघ की संदिग्ध मौत और उसके शव को बिना प्रोटोकॉल के जलाए जाने का मामला भी सुर्खियों में रहा था।

बगैर फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर्स संचालन का मामला

कटंगी-अर्जुननाला का शिवशक्ति मेडिकल स्टोर्स सील किया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में बगैर फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर्स का संचालन करने वाले व्यक्तियों पर जिला प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में औषधि निरीक्षक एवं कटंगी तहसीलदार श्री शांडिल्य द्वारा 08 जनवरी को कटंगी-अर्जुननाला स्थित शिवशक्ति मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि मेडिकल स्टोर्स का संचालन अधिकृत फार्मासिस्ट के बगैर किया जा रहा है, जो कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। इस पर शिवशक्ति मेडिकल स्टोर्स को तत्काल सील कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने जिले के सभी मेडिकल स्टोर्स संचालकों को निर्देशित किया है कि वे शासन के नियमों का कड़ाई से पालन करे और बगैर फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर्स का संचालन न करे। इससे आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बगैर फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर्स का संचालन पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

रेल ओवर ब्रिज निर्माण कार्य का एसडीएम ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने गुरुवार 8 जनवरी को वारा में निर्माणाधीन रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्रिज के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाने की जा रही कार्यवाही का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम श्री जायसवाल ने ब्रिज निर्माण कार्य में लगी एजेंसी के ठेकेदार से चर्चा करते हुए गर्डर लांचिंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए, ताकि ब्रिज का कार्य समय-सीमा में पूरा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि रेल ओवर ब्रिज का निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी और आम नागरिकों को जाम व आवागमन संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे कार्य की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित की जा सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

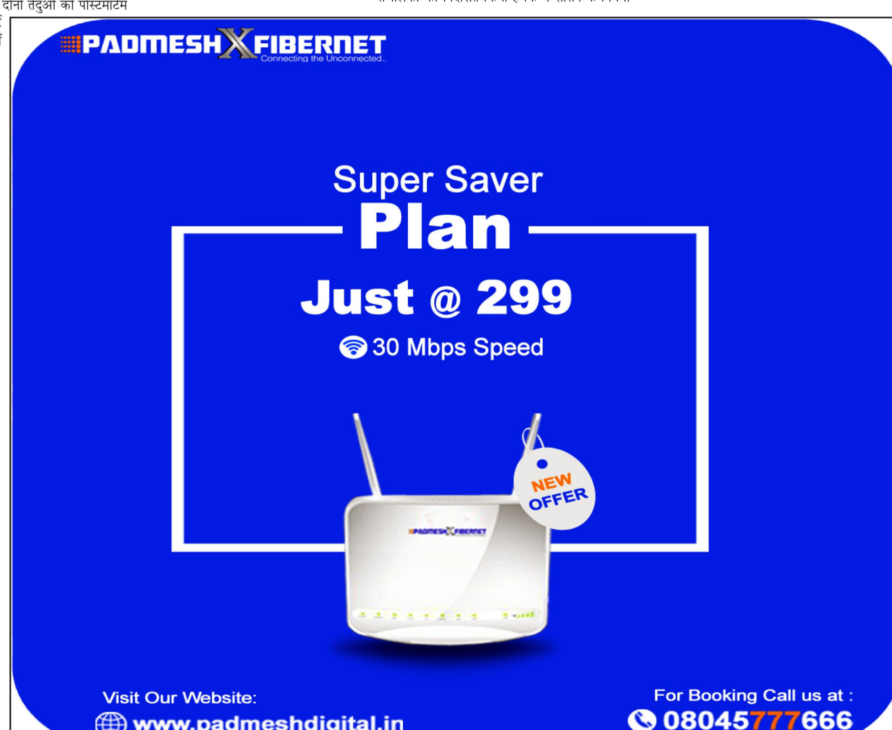

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट